ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को सिखाया सबक : आर. अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 14 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-132

पीएम मोदी पहुंचे आदमपुर एयरबेस : पाकिस्तानी झूठ का पर्दाफाश

भारत की ओर आंख उठाने का एक ही अंजाम होगा तबाही

आदमपुर, 13 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने जिस आदमपुर एयरबेस को तबाह करने की अफवाह फैलाई, उसी एयरबेस पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे और दुनिया के सामने पाकिस्तान का झूठ दिखा दिया। एयरबेस पर प्रधानमंत्री ने वायुसैनिकों और सुरक्षाबलों को उनकी जांबाजी के लिए सैल्यूट किया और कहा, आपने आतंक के तमाम बड़े ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद कर दिए, 100 से ज्यादा आतंकियों को मार डाला। आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया कि भारत की ओर नजर उठाने का अब एक ही अंजाम होगा, तबाही। भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा, विनाश और महाविनाश। पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई को देश को संबोधित किया था और अगले ही दिन 13 मई को आदमपुर एयरबेस पहुंच गए। उन्होंने वायुसेना के अधिकारियों और अन्य कर्मियों से बातचीत की और उनका हौसला बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, भारत माता की जय के जयघोष की ताकत अभी-अभी दुनिया ने देखी है। भारत माता की जय, यह सिर्फ उद्घोष नहीं है, यह देश के हर उस सैनिक की शपथ है, जो मां भारती की मान-मर्यादा के लिए जान की बाजी लगा देता है। यह देश के हर उस नागरिक की आवाज है, जो देश के लिए जीना चाहता है, कुछ कर गुजरना चाहता है। भारत माता की जय, मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। जब भारत के सैनिक मां भारती की जय बोलते हैं, तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं। जब हमारे ड्रोन्स, दुश्मन के किले की दीवारों को ढहा देते हैं, जब हमारी मिसाइलें सनसनाती हुई निशाने पर पहुंचती हैं, तो दुश्मन को सुनाई देता है, भारत माता की जय! जब रात के अंधेरे में भी हम सूरज उगा देते हैं, तो दुश्मन को दिखाई देता है, भारत माता की जय! जब हमारी फौजें, न्यूक्लियर ब्लैकमेल की धमकी की हवा निकाल देती हैं, तो आकाश से पाताल तक एक ही बात गूंजती है, भारत माता की जय!

प्रधानमंत्री ने कहा, वाकई आप सभी ने कोटि-कोटि भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया है, हर भारतीय का माथा गर्व से ऊंचा कर दिया है। आपने इतिहास रच दिया है। और मैं आज सुबह-सुबह आपके बीच आया हूं, आपके दर्शन करने के लिए। जब वीरों के पैर धरती पर पड़ते हैं, तो धरती धन्य हो जाती है, जब वीरों के दर्शन का अवसर मिलता है, तो जीवन धन्य हो जाता है। और इसलिए मैं आज सुबह-सुबह ही आपके दर्शन करने के लिए यहां पहुंचा हूं। आज से अनेक दशक बाद भी जब भारत के इस पराक्रम की चर्चा होगी, तो उसके सबसे प्रमुख अध्याय आप और आपके साथी होंगे। आप सभी वर्तमान के साथ ही देश की आने वाली पीढ़ियों की, और उनके लिए भी नई प्रेरणा बन गए हैं। मैं वीरों की इस धरती से आज एयरफोर्स, नेवी और आर्मी के सभी जांबाजों, बीएसएफ के अपने शूरवीरों को सैल्यूट करता हूं। आपके पराक्रम की वजह से आज ऑपरेशन सिंदूर की गूंज हर कोने में सुनाई दे रही है। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान हर भारतीय आपके साथ खड़ा रहा, हर भारतीय की प्रार्थना आप सभी के साथ रही। आज हर देशवासी, अपने सैनिकों, उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञ है, उनका ऋणी है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर कोई सामान्य सैन्य अभियान नहीं है। यह भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। भारत बुद्ध की भी धरती है और गुरु गोविंद सिंह जी की भी धरती है। गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा था, सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज़ तुड़ाऊं, तबै गुरु गोविंद नाम कहाऊं। अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए शस्त्र उठाना, ये हमारी परंपरा है। इसलिए जब हमारी बहनों, बेटियों का सिंदूर छीना गया, तो हमने आंतकियों के फन को उनके घर में घुस कर कुचल दिया। ▶10 पर

भारत ने युद्ध विराम पर विश्व के समक्ष स्पष्ट की स्थिति

सैन्य कार्रवाई से घबराए पाकिस्तान ने घुटने टेके

कश्मीर पर मध्यस्थता मंजूर नहीं, पीओके वापस लेंगे

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कश्मीर मसले में वह किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर भी विदेश मंत्रालय ने कई बातें साफ कीं। संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर विदेश मंत्रालय ने साफ-साफ कहा कि कश्मीर पर हमें किसी की भी मध्यस्थता मंजूर नहीं है। पाकिस्तान को पीओके खाली करना ही होगा। उन्होंने ट्रंप के दावे को नकारते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं शामिल नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमारा लंबे समय से राष्ट्रीय रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। उन्होंने कहा कि जैसा कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पहले ही बताया है कि 10 मई को 15:35 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ को फोन पर संघर्ष विराम को लेकर वार्ता हुई। इस वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय को 12.37 बजे पाकिस्तान उच्चायोग के जरिये सूचित किया गया। पाकिस्तान की आंतरिक तकनीकी दिक्कतों के चलते हॉटलाइन कनेक्ट होने में देरी हुई। भारत के डीजीएमओ की मौजूदगी के बाद दोपहर 3.35 बजे वार्ता हुई।

उन्होंने कहा कि 10 मई की सुबह भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किया गया। इसके बाद पाकिस्तान के सुर बदल गए। पाकिस्तान ने गोलाबारी रोकने और सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को गोलीबारी रोकने पर मजबूर किया। जैसा कि अन्य देशों से हुई वार्ता में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया और जनता को भी यही कहा कि भारत ने आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमलों का जवाब दिया है। इसके बाद जब पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने फायरिंग की तो भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सीसीएस (सुरक्षा पर कैबिनेट समिति) के फैसले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया। सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना से शुरू हुई थी, जैसा कि संधि की प्रस्तावना में निर्दिष्ट है। हालांकि, पाकिस्तान ने कई दशकों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को स्थगित रखा है। अब सीसीएस के फैसले के अनुसार कि भारत संधि को तब तक स्थगित रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। ▶10 पर

मुफ्त की सियासी रेवड़ी बांटने पर धनखड़ का प्रहार

रेवड़ी बांटने से नहीं होता सच्चा सशक्तिकरण

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रेवड़ी योजनाओं को लेकर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सच्चा सशक्तिकरण मदद करने से होता है, मुफ्त की चीजें और खैरात बांटने से नहीं। जब महिलाएं आगे आती हैं तो संतुलित आर्थिक विकास और सामाजिक वृद्धि होती है।

मेघालय के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को मुफ्त चीजें देकर उसकी जेब भरना, सच्चा सशक्तीकरण नहीं है। सच्चा सशक्तिकरण वह है कि आप उस व्यक्ति का हाथ थाम लें ताकि वह व्यक्ति स्वयं सशक्त बन जाए। इससे खुशी मिलती है, संतुष्टि मिलती है, आपको आंतरिक शक्ति मिलती है और आपको अपने परिवार पर गर्व भी होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का पूर्वोत्तर हमारा गहना है। 1990 के दशक में केंद्र सरकार की लुक ईस्ट नीति थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नीति को एक अतिरिक्त आयाम दिया है - लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट। ▶10 पर

चुनाव आयोग ने सुलझाया डुप्लीकेट वोटर कार्ड का मसला

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों का मुद्दा उठाया था। चुनाव आयोग ने इस मुद्दे को तीन महीने में हल कर दिया है। चुनाव आयोग ने मामले में सत्यापन करने के बाद मतदाताओं को नए नंबर के साथ नए मतदाता पहचान पत्र जारी किए हैं। ऐसा करके चुनाव आयोग ने अपने वादे के मुताबिक तीन महीने में डुप्लिकेट वोटर आईडी कार्ड का मुद्दा सुलझा लिया है।

जारी किए नए मतदाता पहचान पत्र

चुनाव आयोग के आला अधिकारी ने बताया कि एक जैसे मतदाता फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी नंबरों की संख्या काफी कम थी। यह औसतन चार मतदान केंद्रों में से एक के बराबर थी। क्षेत्र स्तरीय सत्यापन के दौरान पाया गया कि समान ईपीआईसी संख्या वाले लोग अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और अलग-अलग मतदान केंद्रों के वास्तविक मतदाता थे। उन्होंने कहा कि हर मतदाता का नाम उस मतदान केंद्र की मतदाता सूची में होता है, जहां का वह सामान्य निवासी है। समान संख्या वाला ईपीआईसी होने से कोई भी व्यक्ति किसी अन्य मतदान केंद्र पर मतदान नहीं कर सकता। इसलिए एक जैसे ईपीआईसी नंबर जारी होने का किसी भी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ सकता। यह भी बताया गया कि डुप्लिकेट वोटर आईडी कार्ड और एक जैसे ईपीआईसी नंबर का मुद्दा काफी समय से लंबित था। ▶10 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में

सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए हुई अहम बैठक

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम के बाद भारत ने पाकिस्तान सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी सिलसिले में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक अहम बैठक की। इस बैठक में सीडीएस जनरल अनिल चौहान के साथ-साथ अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों की सुरक्षा स्थिति की गहन समीक्षा की। इस अहम बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। बैठक में पश्चिमी सीमा की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और उससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तरफ से यह समीक्षा ऐसे समय पर हुई है जब सीमावर्ती क्षेत्रों में गतिविधियों को लेकर सतर्कता बढ़ाई जा रही है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

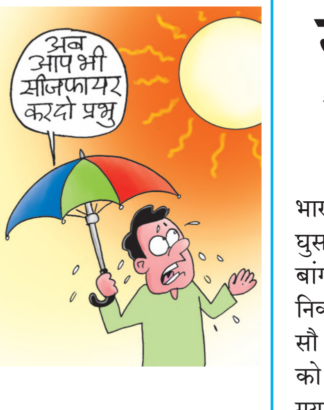

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई तेज

सैकड़ों रोहिंग्या और बांग्लादेशी वापस भेजे गए

नई दिल्ली/गुवाहाटी, 13 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने देश में घुस कर बैठे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की कार्रवाई तेज कर दी। सौ से अधिक रोहिंग्या घुसपैठियों को बांग्लादेश की सीमा में छोड़ा गया। 40 रोहिंग्या को अंडमान से समुद्र मार्ग से रवाना किया गया। 78 बांग्लादेशी घुसपैठियों को सुंदरबन से खदेड़ा गया। सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि भारत में पाकिस्तान से जारी तनाव के बीच बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर कार्रवाई जारी है। भारत ने घुसपैठियों को गिरफ्तार करने के बाद इन्हें वापस भेजना भी शुरू कर दिया है। ऐसी ही एक कार्रवाई में असम के एक डिटेंशन कैंप से रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को वापस बांग्लादेश भेजा गया है। कुछ रोहिंग्याओं को अंडमान निकोबार से समुद्र के रास्ते भेजा गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अपने राज्य के एक डिटेंशन कैंप से घुसपैठियों के भेजे जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। इस मामले में रोहिंग्या घुसपैठियों के समर्थक सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गए हैं। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, असम के मटिया डिटेंशन कैंप में रखे गए 102 रोहिंग्या को बांग्लादेश के रास्ते भेजा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उन्हें पहले बसों में भर कर त्रिपुरा ले जाया गया और इसके बाद बांग्लादेश भेज दिया गया। मटिया कैंप असम के गोलपाड़ा जिले में है और देश का सबसे बड़ा डिटेंशन कैंप है। इस कार्रवाई की पुष्टि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने हाल ही में की थी। ▶10 पर

अब सीमा से ही खदेड़ दिए जाएंगे घुसपैठिए : सरमा

पहलगाम हमले के बाद जम्मू कश्मीर में सतर्कता

शोपियां में सुरक्षाबलों ने मारे 3 आतंकी

शोपियां, 13 मई (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार 13 मई को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। तलाशी अभियान जारी है।

पहलगाम आतंकियों के पोस्टर जारी, 20 लाख का इनाम घोषित

पुलिस ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केलर के शुकरू वन क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर और दो अन्य आतंकवादियों के साथ मारा गया। कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिलने पर केल्लर के जंगलों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। छिपे हुए आतंकवादियों ने पुलिस बल पर गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकियों में लश्कर का ऑपरेशनल कमांडर शाहिद कुट्टे समेत दो अन्य आतंकी शामिल हैं। शोपियां के चोटीपोरा हीरपोरा का निवासी शाहिद कुट्टे मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक था और कई आतंकी मामलों में शामिल था। ▶10 पर

मोह आत्मा को संसार के चक्र में बांध कर रखता है : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी कंचनकंवर ने कहा कि संसार में आप कही भी रहो, लेकिन आपके भीतर में संसार नहीं होना चाहिए। जिस प्रकार नाव पानी पर चल कर एक किनारे से दूसरे किनारे पहुंचाती है, लेकिन जब पानी ही नाव में आ जाए तो नाव डूब जाता है। पानी पर चले पर भीतर पानी को ना आने दे।

उसी प्रकार भले ही हम संसार में रहे लेकिन हमारे भीतर संसार नहीं होना चाहिए। यह शरीर ही अपना नहीं है, तो यह संसार कहां अपना होगा। शरीर के साथ साथ हर छोटी छोटी चीजों पर हमारा मोह है। संसार का हर व्यक्ति मोह के जाल में इस प्रकार फँसा है कि चाह कर भी नहीं निकल पाता है। मोह आत्मा को संसार के चक्र में बांध कर रखता है। सुबह से शाम तक वही विचार, वही चिंतन हमारे दिमाग में रहता है। जो समकित होते हैं वो धीरे धीरे मोह का त्याग करते हैं, लेकिन जो सिद्ध होते हैं वो अपने जीवन से मोह का पुर्ण रूप से त्याग कर देते हैं। मोह एक ऐसा जहर है जो जन्म जन्म तक हमें रुलाता है। मोह ही दुख का कारण है। इसलिए जीवन से मोह का त्याग करना चाहिए तभी हमारा यह जीवन सार्थक होगा। इस के पूर्व साध्वी अणिमाश्री ने कहा कि अनादिकाल से हमारे इस जीव ने संसार में जन्म ले कर अलग अलग भव में भ्रमण लिया है। लेकिन जब तक हमारे अंदर समकित की प्राप्ति नहीं होगी, हमारा यह भव शुरू नहीं होगा। जैन धर्म आत्मा के शुद्धिकरण, मोह के त्याग और सम्यकत्व की ओर ले जाने वाली आध्यात्मिक यात्रा की बात करता है। हर जीवात्मा को जन्म और मरण के समय अनन्त दुख होता है। हर तरह की वेदना को जीव हर भव में, हर जनम में सहन करता है। अनन्त बार यह जीव नारकी में जा कर आया है और अनन्त दुखों को अशांति को सह कर आया है। हर भव का अनुभव इस जीव ने लिया है। लेकिन मनुष्य जन्म को प्राप्त करके भी हम प्रमाद में रह गए। जब तक हमें सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन एवं सम्यक चारित्र की प्राप्ती नहीं होगी, हमारा यह जीव भटकता रहेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, पारसमल लोढ़ा, मिश्रीमल कटारिया, महावीरचंद धोका, प्यारेलाल टपरावत, जयवंतराज मुणोत, शांतिलाल चाणोदिया, पारसमल सालेचा, देवीचंद पितलिया, गौतमचंद गन्ना, बाबुलाल गांधी, त्रिशला महिला मंडल से अध्यक्षा सुशीलाबाई बोहरा, उपाध्यक्षा अमृता भलगट, मंत्री रेखा पोखरना, सह मंत्री नीतू सुराणा, सायरबाई लोढ़ा, चंचलबाई धोका, सरला दुग्गड़, जिनेश्वर युवा मंत्री आयुष भलगट, श्रीरामपुरम से गणेशमल गुगलिया आदि उपस्थित रहे। आभार ज्ञापित अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

गौतम बुद्ध एक महान व्यक्ति थे: अल्लमप्रभु पाटिल

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक अल्लमप्रभु पाटिल ने कहा कि गौतम बुद्ध एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने विश्व को शांति तथा सामाजिक-धार्मिक विचारों के माध्यम से समाज में सभी के सम्मान का संदेश दिया है। जिला प्रशासन, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, नगर निगम और जिला पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 2569वें वैशाख बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने बुद्ध प्रतिमा पर पुष्प एवं सुगंध अर्पित की। यह खुशी की बात है कि पहली बार सरकार गौतम बुद्ध की जयंती मना रही है। उन्होंने कहा कि सभी को गौतम बुद्ध के विचारों और संदेशों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और सभी के लिए आदर्श बनना चाहिए। डॉ. धम्मनगर महाथेरो ने बुद्ध जयंती के अवसर पर प्रवचन दिया। बौद्ध श्रद्धालु लक्ष्मीकांत हुब्बल्ली ने क्षमा प्रार्थना की। जिला मजिस्ट्रेट बी. फौजिया तरन्नुम ने पंचशील ध्वज फहराया और विधान परिषद सदस्य तिप्पणप्पा कमकनूर ने नीला झंडा फहराया। समारोह में पंच गारंटी योजना के जिला अध्यक्ष चंद्रिका परमेश्वर और कलबुर्गी शहर के पुलिस आयुक्त डॉ. शरणप्पा एस.डी. सहित अन्य उपस्थित थे।

वैशाख पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे के प्रांगण में वैशाख पूनम मेला का आयोजन किया गया। डायलाना हॉल बेंगलूरु निवासी सुरेशकुमार, प्रीतम सुन्देशा मेहता परिवार ने मेला का संपूर्ण लाभ लिया।

बेंगलूरु से रेल यात्रा द्वारा बड़ी संख्या में अरसीकेरे पहुंचकर पार्श्व भैरव महापूजन का लाभ लिया। तुषार गुरुजी के शुद्ध मंत्रोच्चार एवं संभव संगीत मंडल द्वारा मधुर संगीत परिसर ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रभु भक्ति के रंग में श्रद्धालुओं को रंगाने का कार्य भार सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठोड, रिंकु बाफणा एवं प्रेमलता ने संभाला। पूजन के पश्चात भैरवदेव को परंपरागत छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थी परिवारों द्वारा संपन्न हुआ। भूषण जैन के संयोजन में राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में बेंगलूरु से संघ का आयोजन भी रहा। उपस्थित भक्तगण का स्वागत करते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने मेला लाभार्थी परिवार का बहुमान किया। इस अवसर पर अनेक ट्रस्टीगण के साथ बेंगलूरु के अजयराज संचेती, महेंद्र सोलंकी, राहुल कल्पवृक्ष, राजेश बंदामुथा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मातृत्व दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभतेममं के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनि डॉक्टर पुलकित कुमार जी के पावन सानिध्य में सोमवार को सभा भवन विजयनगर में मातृत्व दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुनि द्वारा नमस्कार महामंत्र से किया गया। उसके बाद मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। मुनि आदित्य कुमार जी नचिकेता ने मातृत्व के गौरव को गीत द्वारा प्रस्तुत किया। मुनि पुलकित कुमार जी ने फरमाया कि मातृत्व यात्रा आध्यात्म के साथ करनी चाहिए। मातृत्व भारत के संस्कार और उसकी संस्कृति को उन्नत करता है। माँ बच्चे में स्नेह व संस्कार के भाव पुष्ट करती है। मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। बच्चों से पहले कुछ संस्कार पिछले जन्म से आते हैं। इसलिए गर्भ धारण से पहले शरीरिक शुद्धि के साथ-साथ मानसिक व आत्मा की भी शुद्धि करनी चाहिए। अपने आप को शक्तिशाली बनाना चाहिए। बच्चा जब सोता है तब मस्तिष्क पर हाथ रखकर भावनात्मक तरीके से उसके अवचेतन मन को जागृत करें। बच्चों की परवरिश में मूल हाथ मां का होता है। जन्म के बाद और पहले माँ की भाव ऊर्जा बच्चे के साथ जुड़ी रहती है। इसलिए सब अवस्थाओं का प्रभाव बच्चों पर रहता है। अगर भाव दशा को देखें तो समझ में आएगा मातृत्व कितना गहरा विषय है। प्रेक्षा फाउंडेशन की साउथ जोन संयोजिका वीना वैद ने कहा आज का विषय हम सबके लिए वरदान है। गर्भधारण के 6 महीने पहले से ही मां को संस्कार सम्प्रेषण के लिए 9 मंगल भावना का प्रयोग, महाप्राण ध्वनि, दीर्घ श्वास का प्रयोग करना चाहिए। वीणा ने प्रायोगिक रूप से मंगल भावना का प्रयोग करवाया। डॉ. ज्योति ने गर्भकाल में खान-पान के बारे में जानकारी दी। आभार ज्ञापन मंडल की मंत्री दीपिका गोखरू ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मंजू लुनिया ने किया। कार्यक्रम की सयोजिका प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ रही।

भाजपा समर्थकों सहित कई लोग युद्ध विराम के खिलाफ: सतीश जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा भाजपा समर्थकों सहित कई लोगों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रखनी चाहिए थी। वे युद्ध विराम के खिलाफ हैं। बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा अधिकांश लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। युद्ध विराम के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध अब रुक गया है। सभी को पूर्ण पैमाने पर युद्ध की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार की इच्छा के अनुसार इसे रोक दिया गया है। आगे की चुनौती यह है कि भविष्य में देश का निर्माण कैसे किया जाए और हमारे सुरक्षा ढांचे को कैसे मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा भाजपा के कुछ नेत-ाओं ने सोशल मीडिया पर 1971 में इंदिरा गांधी द्वारा पाकिस्तानी सेना के खिलाफ की गई कार्रवाई की तुलना करते हुए संदेश पोस्ट किए थे।

लेकिन अब कार्रवाई रोक दी गई है और इस बारे में कुछ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है कि पड़ोसियों के बीच संघर्ष विराम में किसने मध्यस्थता की। यह एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है और हमारे पास कोई विवरण नहीं है, जैसे कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता की या किसी और शक्ति ने। ये विवरण एक दिन सामने आएंगे। हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए।

पूर्णिमा के उपलक्ष्य में दादा गुरुदेव की भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति दादावाड़ी में आयोजित की गई। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि संगीतकार सनी रांका, नितेश बोहरा, जीतू झाबक, मनन बोहरा, निष्ठा बोहरा ने बहुत ही सुन्दर भक्ति भाव भरे गुरुदेव और परमात्मा को समर्पित गीत गाकर उपस्थित जनों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्णिमा के दिवस ही दादावाड़ी में विराजित पूज्य मुकुलप्रभ सागर जी का पंचम दीक्षा प्रवेश वर्ष था। इस अवसर पर संघ और मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मातृ दिवस पर ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के उपलक्ष्य में मायुम बेंगलूरु स्टार शाखा ने अपने सदस्यों के साथ एक अनूठा ऑनलाइन आयोजन किया जिसमें शाखा सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन को 2 भागों में विभाजित किया गया। पहले भाग में राष्ट्र ने अपनी हर शाखा को मातृस्तुति एवं मातृवंदन पखवाड़ा नामक आयोजन करने को कहा। शाखा ने इसको एक जोटफॉर्म का प्रारूप देकर इस आयोजन को 25 अप्रैल से 11 मई तक करवाया, जिसमें प्रतिभागियों को माँ को समर्पित करते हुए निबंध या कविता लिखनी थी। दूसरे भाग में शाखा ने एक स्मृति संग्रह के रूप में शाखा सदस्यों एवं परिवार को उनकी माँ के साथ बिताये हुए कुछ यादगार लम्हो की तस्वीरें साझा करने को कहा। यह आयोजन रविवार को ऑनलाइन हुआ, जहाँ शाखा सदस्यों एवं उनके परिवार ने भी बहुत प्यारी एवं मनभावन तस्वीरें साझा की। कार्यक्रम संयोजक पुनीत कंदोई और प्रियंका सरावगी ने सदस्यों को इस आयोजन में शामिल होने के लिए काफी प्रेरित किया और आयोजन के अंत में बहुत सारी प्रविष्टिया मिलने पर खुशी जाहिर की। साथ ही कहा कि सदस्यों ने जिस तरह से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया है और अपनी भावनाएं व्यक्त की है वह बहुत खूबसूरत और सराहनीय है। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने सभी शाखा सदस्यों एवं कार्यक्रम संयोजक को धन्यवाद देते हुए कहा कि माँ की ममता का कोई मोल नहीं है। सभी तस्वीरों को एक साथ रखकर उनकों सुन्दर रूप देकर सभी सदस्यों एवं प्रांतीय समिति को भी साझा किया जायेगा।

श्रीरामपुरम में मनाया गया ज्ञानमुनि का दीक्षा स्वर्ण जयंती समारोह

स्वाध्याय सेवा हेतु गौतम ओस्तवाल व शांतिलाल बोहरा सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के तत्व-ावधान में आचार्य हस्ती के सुशिष्य एवं श्रमण संघीय आचार्य डॉ. शिवमुनि के आज्ञानुवर्ती पंडित रत्न ज्ञान मुनि की दीक्षा के पचास वर्ष होने के उपलक्ष्य में दीक्षा स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। श्रीरामपुरम के भगवान महावीर रोड स्थित स्थानक भवन में आयोजित इस समारोह में बेंगलूरु के अनेकों उपनगरों के साथ चेन्नई, हैदराबाद, जोधपुर, हुब्बल्ली, बालोतरा इत्यादि

नगरों के श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर दीक्षा स्वर्ण जयंती की अभिवंदना की। श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने दीक्षा यात्रा के इस स्वर्णिम अवसर का लाभ अनेकों संघों की विनंती को दरकिनार करते हुए श्रीरामपुरम संघ को प्रदान करने के लिये ज्ञानमुनि का आभार व्यक्त किया। संघ के मंत्री अशोककुमार गुगलिया ने मुनि की दीक्षा यात्रा का विवरण रखते हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल खिवेंसरा ने कहा कि संप्रदाय वाद तथा हटग्रहिता से परे तथा वसुधैव कुटुम्बकम का अनुसरण करने वाले ज्ञानमुनि ने हमेशा साधना के प्रकाश से संयम पथ को आलोकित किया है। समारोह की शुरुआत स्वाध्यायी विनोद गुगलिया के मंगलाचरण से हुई। लोकेश मुनि ने अपने 23 वर्ष के दीक्षा पर्याय के दौरान ज्ञानमुनि के अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर ज्ञानमुनि ने अपनी लंबी दीक्षा यात्रा के दौरान संयम पथ के सहयोगी बने सभी धर्मावलंबियों को साधुवाद दिया। उन्होंने इस लंबी यात्रा के दौरान घटित अनेकों संस्मरणों को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा। इस अवसर पर उन्होंने उप-स्थित जनता को भगवान महावीर बनने का उपदेश दिया। इस स्वर्ण अवसर पर श्रीरामपुरम संघ द्वारा मुनि को आदर की चादर भी की गई। दीक्षा स्वर्ण जयंती समारोह में स्वाध्याय व पाठन पठन के प्रति समर्पित भाव से सेवा देने के लिये वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ खैरताबाद हैदराबाद के प्रायोजन में मोक्ष द्वार पत्रिका के संपादक गौतम ओस्तवाल को एवं कर्नाटक स्वाध्याय संघ के मंत्री शांतिलाल बोहरा को तीर्थंकर महावीर जैन ट्रस्ट चेन्नई द्वारा धर्म भूषण उपाधी के साथ ज्ञान अराधक पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया, जिसमें नगद राशि के साथ साहित्य व रजत प्रशस्ति पत्र दिया गया। पुरस्कार वितरण का संचालन दिलीप धींग ने किया। मुनि ने पुरस्कार के उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जैन मिशन ट्रस्ट चिकबल्लापुर की ओर से प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डा. नरपत सोलंकी ने ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। चेन्नई के लूणावत परिवार द्वारा पक्षियों की सेवा हेतु वाटर पोट्स का वितरण किया गया। ज्ञानमुनि के सांसारिक परिवार जोधपुर के अबानी परिवार के साथ अन्य मेहमानो का श्रीरामपुरम संघ की ओर से सत्कार किया गया। हैदराबाद के मोतीलाल भलगट, खैरताबाद संघ के गौतम गुगलिया व नवरत्न गुंडेचा, येलहंका संघ के मनो-हरलाल लुंकड़ के साथ अनेकों वक्ताओं ने अपना व्यक्तव्य रखा। पंकजमुनि, कपिलमुनि, साध्वी सुमंगलप्रभा इत्यादि ने शुभ कामनाएं भेजी। संचालन श्रीरामपुरम संघ के सह मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

तिरंगा यात्रा एक गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यक्रम

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को सिखाया सबक: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंगलवार को कहा कि हम 'नागरिकों के लिए राष्ट्रीय रक्षा' के तहत ऑपरेशन सिंदूर के साथ खड़े हैं। इसी के तहत गुरुवार को सुबह 11 बजे बेंगलूरु में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी ताकि यह संदेश दिया जा सके कि हम सभी भारतीय सेना के साथ हैं। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि शहर के मल्लेश्वर मंत्री मॉल में सम्पीगे रोड स्थित सिरुर खेल मैदान से राष्ट्रीय ध्वज के साथ तिरंगा यात्रा शुरू होगी और 18वें क्रॉस पर समाप्त होगी। इस गैर-पक्षपातपूर्ण जुलूस में कोई पार्टी बैनर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में डॉक्टर, इंजीनियर, छात्र, किसान और मजदूर सभी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा 16 और 17 मई को जिला केंद्रों पर तथा 18 से 23 मई तक तालुका केंद्रों पर निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि हमारे कार्यकर्ताओं को सभी गांवों और तालुका केंद्रों में बिना पार्टी बैनर के यात्रा निकालने का निर्देश दिया गया है। हमारी सेना ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि भारतीय माताओं का सिंदूर मिटाने पर क्या होता है और पाकिस्तान को सबक सिखाया है। 100 से अधिक आतंकवादी मारे गये हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को पहले ही नष्ट कर दिया गया है। हमारे सैनिकों ने अंततः पाकिस्तान को उस स्थिति में ला दिया है जहां वह तनाव कम करने के लिए बेताब है। उन्होंने कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

यह एक उपलब्धि है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधु नदी के पानी के संबंध में उस समझौते को रद्द कर दिया है जिसके तहत पहले 90 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को और केवल 10 प्रतिशत पानी भारत को दिया जाता था। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को संदेश दिया है कि हम परमाणु बम की धमकी से नहीं डरते। वे पूछ रहे थे कि क्या कोई सबूत है कि हमारे सैनिकों ने हमला किया था। पाकिस्तान पहले ही स्वीकार कर चुका है कि उसके कितने सैनिक और आतंकवादी मारे गए हैं। हमारे अपने सैन्य अधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और अपने दावे के समर्थन में सबूत पेश किए कि पाकिस्तान ने हमला किया था।

हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जिंदाबाद कहने वालों पर भरोसा नहीं किया जा सकता और वे भारत की कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

आज हमारे सैनिकों ने दिखा दिया है कि कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है। साथ ही हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह कहा है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस ले लेंगे और सिंधु नदी पर कोई संधि नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा पाकिस्तानी आतंकवादियों और पाकिस्तान को सबक सिखाने वाले हमारे सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाली जाएगी। उन्होंने कहा जब देश एकजुट हो जाए तो कांग्रेसियों को सबसे पहले विभाजन की बात करना बंद कर देना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पहले कांग्रेस पार्टी ने सबसे पहले कहा कि युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद शांति स्थापित होनी चाहिए। सबसे पहले कांग्रेस के बयान की स्थिति और उद्देश्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार यह बयान देना बंद करे कि जब पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए भारत पर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा तो संसद का सत्र बुलाकर चर्चा कराई जानी चाहिए। इससे पहले श्रद्धेय अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विपक्षी नेता आर. अशोक, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार, भाजपा के प्रदेश महासचिव और पूर्व विधायक प्रीतम जे. गौड़ा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मंजुला, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शांतला भट्ट और महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेलगावी में पवित्र पुस्तकें जलाने के मामले को सुलझाने के लिए पांच टीमें गठित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के संती बस्तवाड़ गांव में कुछ पवित्र पुस्तकों के कथित अपमान के मामले को सुलझाने के लिए बेलगावी पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मारबानियांग ने पांच टीमें गठित की हैं। यहां मंगलवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा हमारे पास कुछ सुराग हैं और हम मामले की आगे जांच करेंगे।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी जांच की निगरानी कर रहे हैं। गांव की मस्जिद में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पाया कि किताबों की अलमारी से पवित्र कुरान सहित कुछ प्रार्थना पुस्तकों की प्रतियां गायब थीं। बाद में उन्हें गांव के बाहरी इलाके में एक खेत में कुछ आधी जली हुई किताबें मिलीं। 12 मई की रात को बड़ी संख्या में युवाओं ने बेलगावी में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने त्वरित जांच और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मारबानियांग और पुलिस उपायुक्त रोहन जगदीश ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उन्हें उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

प्रदर्शनकारियों के साथ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने वाले विधायक आसिफ (राजू) सैत ने कहा कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस तब अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा मैंने पुलिस आयुक्त से कहा है कि कुछ पुलिस अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्य के प्रति लापरवाही कुछ असामाजिक तत्वों को इस तरह के अपराध करने के लिए उकसा रही है। मैंने सभी दोषी अधिकारियों के तबादले की मांग की है।

विधायक ने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसी घटनाओं से परेशान न हों और शरारती तत्वों को गांव के सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने न दें। ग्रामीण सईद अब्दुल समद ने याद किया कि शरारती तत्वों ने दो साल पहले भी गांव में शांति भंग करने की कोशिश की थी। पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने विकास परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और पुलिस अधिकारियों को वैज्ञानिक जांच करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कावेरी नदी में डूबने से दो लड़कों की मौत

मडिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। कावेरी नदी में तैर रहे दो लड़के तालुका के नापोक्लू के पास पानी में बह गए। यह घटना उस समय घटी जब 8 युवकों का एक समूह ममेगवगेनी कुरुली गांव के पास कावेरी नदी की यात्रा पर था। मृतक लड़के गिरीश (16) और अयप्पा (18) हैं, दोनों चेरंबने के

मूल निवासी हैं। पीएसआई मंजूनाथ और नापोक्लू पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। तलाशी अभियान के बाद दोनों के शव पानी से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

भारत में घुसपैठ कर कश्मीर में 26 पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां हैं? प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री और कलबुर्गी प्रभारी प्रियांक खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के ठिकानों के बारे में पूछा। खड़गे ने कलबुर्गी में अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से कहा वे आतंकवादी कहां हैं, जिन्होंने 250 किलोमीटर तक भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की और कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों को मार डाला? क्या वे पाकिस्तान वापस चले गए हैं? या, वे चीन या बांग्लादेश भाग गए हैं?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की ओर से कोई स्पष्टता क्यों नहीं है? आतंकवादियों का आसानी से देश में घुसना, निर्दोष लोगों की हत्या करना और वापस चले जाना, मोदी प्रशासन के खराब शासन और कमजोर राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे को दर्शाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम में सफलतापूर्वक मध्यस्थता करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बार-बार दावों का जिक्र करते हुए, प्रियांक ने इस मुद्दे को संबोधित करने और राष्ट्र के सामने सभी तथ्य रखने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। प्रियांक ने कहा कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है। यह कभी भी अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं रहा, जिस पर वैश्विक मंच पर चर्चा हुई हो या किसी तीसरे पक्ष ने मध्यस्थता की हो।

यह द्विपक्षीय मुद्दा रहा है, जिसे दोनों देश द्विपक्षीय रूप से या तो बातचीत या युद्ध के माध्यम से सुलझाते रहे हैं। हमने चार युद्ध लड़े हैं और सभी में जीत हासिल की है। अब, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो दिनों में तीन बार दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हुआ है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि युद्ध के कारण भारत और पाकिस्तान के साथ उनके देश का व्यापार बाधित होगा, जिससे उनके देश को आर्थिक नुकसान होगा और इसलिए उन्होंने इसे रोकने के लिए मध्यस्थता की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अपनी संसद में दावा किया कि भारत के साथ सशस्त्र संघर्ष में उनका देश विजयी हुआ है। क्या सच है और क्या झूठ? सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार नहीं है। आतंकवाद से निपटने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा में सरकार की कार्रवाइयों के लिए विपक्ष के पूर्ण समर्थन पर विचार करते हुए प्रियांक ने मोदी की सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की अनिच्छा पर सवाल उठाया, जबकि उनके पास सभी तरह का समर्थन था। हमने आप पर भरोसा किया। आप हम पर भरोसा क्यों नहीं करते? पाकिस्तान ने अपनी संसद बुलाई और घोषणा की कि भारत के साथ सशस्त्र संघर्ष में उनकी जीत हुई है। आप यहां संसद का सत्र क्यों नहीं बुला रहे हैं? क्या विपक्षी दलों और आम लोगों को सच जानने का अधिकार नहीं है? संसद बुलाइए, सच बताइए और देश को बताइए कि वास्तव में क्या हुआ था।

15 को बेंगलूरु में तिरंगा यात्रा

संघर्ष विराम की घोषणा स्थायी नहीं, इसलिए कांग्रेसियों को यह बात समझनी चाहिए: विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि हालांकि उन्होंने संघर्ष विराम की घोषणा की है, लेकिन यह स्थायी नहीं है। इसलिए कांग्रेसियों को यह बात समझनी चाहिए। यहां जिला भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर युद्ध विराम के बाद मंत्री प्रियांक खड़गे और अन्य कांग्रेस नेताओं ने थोड़ी हल्की बातें की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि युद्धविराम एक राजनीतिक नीति है। उन्होंने कहा कि वह हर भारतीय को याद दिलाना चाहते हैं कि उन्हें सेना के साथ होना चाहिए। उन्होंने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी भ्रम दूर करने का बहुत अच्छा काम किया है। हमें यह सोचना चाहिए कि हमारे हमले से घबराए पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद क्यों मांगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि किसी भी अप्रिय घटना को नजरअंदाज करने का सवाल ही नहीं उठता। चाहे कुछ भी हो जाए, वे इसे युद्ध मानेंगे और बदला लेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आह्वान किया है कि तिरंगा यात्रा पूरे

देश के सभी राज्यों में आयोजित की जानी चाहिए। हम 'नागरिकों के लिए राष्ट्रीय रक्षा' के तहत ऑपरेशन सिंदूर के साथ हैं। उन्होंने कहा कि यह संदेश दिया जाना चाहिए कि हम सब भारतीय सेना के साथ हैं। उन्होंने बताया कि वे कर्नाटक में भी तिरंगा यात्रा निकालने जा रहे हैं। 15 मई को बेंगलूरु में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त सैनिक, उनके परिवार के सदस्य, किसान, डॉक्टर, इंजीनियर और सभी पेशेवर तथा सभी क्षेत्रों के लोग इसमें भाग लेंगे। यह कार्यक्रम 15 मई को मेंगलूरु, बेलगावी और अन्य प्रमुख जिलों में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे इसे 16 मई को शिवमोग्गा और अन्य जिला केंद्रों में आयोजित करेंगे।

18 से 23 मई तक तालुका केन्द्रों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि वे देश के सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए काम करेंगे। आजादी के बाद कश्मीर में आतंकवादी हमलों का सिलसिला लगातार जारी रहा। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद पूरे देश में यह व्यापक राय बनी कि आतंकवादियों का सफाया किया जाना चाहिए और भारत को आतंकवादियों को ताकत देने वाले पाकिस्तान को कड़ा जवाब देना चाहिए। मोदी ने एक साहसिक निर्णय लिया और आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकने तथा पाकिस्तान को सबक सिखाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किये गये। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के सोमवार के भाषण में कहा गया था कि युद्धविराम स्थायी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान की ओर से होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध कार्रवाई माना जाएगा। प्रधानमंत्री ने यह भी संदेश दिया कि पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान और विश्व के लिए एक संदेश है। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष एन.के. जगदीश, विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, विधान परिषद सदस्य डॉ. धनंजय सरजी, पूर्व विधान परिषद सदस्य एस. रुद्रे गौड़ा, जिला भाजपा महासचिव एम.बी. हरिकृष्णा, जिला प्रवक्ता एस.एस. ज्योति प्रकाश, जिला मीडिया प्रमुख के.वी. अन्नप्पा और सह प्रमुख चन्द्रशेखर एस उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी स्वर्ण जयंती समारोह अक्टूबर में मनाने की योजना: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि आंगनवाड़ी अगले अक्टूबर में 50 साल पूरे कर रही है, इसलिए बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में एक भव्य स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास तथा दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण विभाग के बेंगलूरु और मैसूरु डिवीजनों की एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) शाखा की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद बोलते हुए मंत्री ने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ एक दौर की बातचीत हो चुकी है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री को समारोह में

आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि विभाग के सभी कर्मचारियों के साथ-साथ सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं सहित 1 लाख लोगों की उपस्थिति में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाए। विभाग की प्रगति के लिए अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेदारी से काम करें। उन्होंने कहा कि विभाग की परियोजनाओं का उचित तरीके से प्रबंधन किया जाना चाहिए। पिछले बजट में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में 1,000 रुपये की वृद्धि की गई थी। केंद्र सरकार ने पूरे देश में सबसे अधिक 3,800 मिनी आंगनवाड़ी को कर्नाटक में मान्यता दी है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के अनुनय के परिणामस्वरूप इतनी संख्या में मिनी आंगनवाड़ी केंद्र प्राप्त हुए हैं। न्यायमूर्ति वेणुगोपाल गौड़ा समिति ने भी हमारे विभाग के कामकाज की सराहना की है। मंत्री ने कहा कि भविष्य में विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक मंडल स्तर पर आयोजित की जाएगी। मंत्री ने बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने, आईसीडीएस शाखा के अंतर्गत संभाग स्तर पर पोषण ट्रैकर के अनुसार विभिन्न सूचकांकों की प्रगति समीक्षा, आईसीडीएस योजना के विभिन्न खाता शीर्षों के अंतर्गत जारी अनुदान एवं व्यय का विवरण, आंगनबाड़ी भवनों की प्रगति समीक्षा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भर्ती का विवरण, लंबित एनपीएस समाधान प्रक्रिया एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड का विवरण प्राप्त किया तथा चर्चा की।

चौबिसों घंटे पेयजल आपूर्ति परियोजना के कार्यान्वयन में अत्यधिक देरी से मंत्री नाराज

एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास और पंचायत राज, आईटी-बीटी और कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कलबुर्गी नगर निगम आयुक्त अविनाश शिंदे को एलएंडटी द्वारा शहर में चौबिस घंटे पेयजल आपूर्ति परियोजना के कार्यान्वयन में अत्यधिक देरी पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, ताकि निर्माण कंपनी को परियोजना की समय सीमा को पूरा करने में बार-बार विफल होने के लिए ब्लैकलिस्ट किया जा सके। यह निर्देश मंगलवार को कलबुर्गी में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय में समीक्षा के दौरान आया, जिसमें मंत्री ने परियोजना की सुस्त गति पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया। खड़गे ने कहा हजारों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन के भारी निवेश के बावजूद, एलएंडटी निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कर्नाटक शहरी अवसंरचना विकास और वित्त निगम (केयूआईडीएफसी)

के नगर निगम अधिकारियों और इंजीनियरों को निगरानी की कमी के लिए आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा यदि एलएंडटी निर्धारित समय के भीतर परियोजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त काम नहीं कर रही है, तो नगर निगम और केयूआईडीएफसी के इंजीनियर वास्तव में क्या कर रहे हैं? निष्क्रिय बैठे रहना स्वीकार्य नहीं है। जबकि हजारों श्रमिकों की आवश्यकता थी, एलएंडटी ने केवल 170 से 300 श्रमिकों को ही तैनात किया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अधिकारियों ने कभी कार्य स्थलों का दौरा किया या निगरानी की कि क्या श्रमिकों की तैनाती आवश्यक संख्या से मेल खाती है।

मंत्री ने सुस्त अधिकारियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया, और एलएंडटी को पहले से दिए गए नोटिस, निगरानी अधिकारियों, की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और इंजीनियरों को सौंपे गए जवाबदेही उपायों को कवर करने वाली एक व्यापक रिपोर्ट मांगी। चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कुछ पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया कि अनुपचारित सीवेज कथित तौर पर सरदागी बैराज में प्रवेश कर रहा है और अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया। कलबुर्गी दक्षिण के विधायक अल्लमप्रभु पाटिल ने स्थानीय स्तर पर व्यवधानों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अपने शांति नगर इलाके में पाइपलाइन की खाई 15 दिनों से खुली पड़ी है, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति भी खराब प्रतिक्रिया के लिए एलएंडटी की आलोचना की। कलबुर्गी के मेयर यल्लप्पा नाइकोडी ने देरी के लिए एलएंडटी की उप-ठेका प्रथाओं को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि उप-ठेकेदारों को भुगतान न करने से प्रगति धीमी हो रही है।

उन्होंने सुझाव दिया कि निष्पादन कंपनी के पास रह सकता है, लेकिन सुचारू संचालन के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड को हस्तांतरित की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी इस दर से, परियोजना दो और वर्षों में भी पूरी नहीं हो सकती है। समीक्षा बैठक में कलबुर्गी से लोकसभा सदस्य राधाकृष्ण डोड्डामणि, उत्तरी विधायक कनीज फातिमा, एमएलसी तिप्पन्नप्पा कामकानूर और जगदेव गुट्टेदार, कलबुर्गी शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मजहर आलम खान, उपायुक्त बी फौज्या तरनुम, शहर पुलिस आयुक्त आदि उपस्थित थे।

हुब्बल्ली में पांच नम्मा क्लीनिक खोले गए

विधायक ने किया उद्घाटन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक और कर्नाटक स्लम डेवलपमेंट बोर्ड (केएसडीबी) के अध्यक्ष प्रसाद अब्बय्या ने हुब्बल्ली धारवाड़ पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पांच नम्मा क्लीनिक आउटलेट का उद्घाटन किया।

विभिन्न इलाकों में पांच क्लीनिकों का उद्घाटन करने के बाद हुब्बल्ली के वड्डारा ओनी में एक सभा को संबोधित करते हुए अब्बय्या ने कहा कि नए क्लीनिकों का उद्देश्य आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना होगा। वे गरीबों के लिए 'संजीवनी' के रूप में काम करेंगे।

उन्होंने एम. अरालीकट्टी, सोनिया गांधी नगर, पदद्याना हक्कला, मेदार ओनी और जंगलीपेट वड्डार ओनी में नम्मा क्लीनिक आउटलेट का उद्घाटन किया। पिछले 11 वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विभिन्न विकास कार्यों को सूचीबद्ध करते हुए प्रसाद अब्बय्या ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी, तब

निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक नम्मा क्लीनिक खोला गया था। कांग्रेस सरकार ने पांच क्लीनिकों को मंजूरी दी, जो अब चालू हो गए हैं। केएसडीबी के चेयरमैन ने कहा कि नए नम्मा क्लिनिक आउटलेट केएमसी-आरआई अस्पताल पर बोझ कम करेंगे क्योंकि उनके संबंधित इलाकों में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और उपचार उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा लोगों को हर छोटी-मोटी समस्या के लिए केएमसीआरआई अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें नम्मा क्लिनिक में अपेक्षित उपचार मिलेगा। अब्बय्या ने अधिकारियों को नियमित आधार पर उचित रखरखाव सुनिश्चित करके नम्मा क्लिनिक को अच्छी तरह से काम करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार या उपेक्षा की किसी भी शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य सेवा पर 5,597 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। नम्मा क्लिनिक आउटलेट गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, विभिन्न बीमारियों की जांच और विभिन्न आउटपेशेंट सेवाओं के लिए सक्षम होंगे।

बिना दस्तावेजों के बड़ी मात्रा में नकदी रखना अपराध नहीं: कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि चोरी या धोखे से प्राप्त की गई नकदी को बिना आधिकारिक दस्तावेजों के रखना कर्नाटक पुलिस अधिनियम की धारा 98 के तहत तब तक अपराध नहीं माना जाता है, जब तक कि यह साबित न हो जाए कि यह पैसा चोरी या धोखाधड़ी के माध्यम से प्राप्त किया गया था। चल्लेकेरे चेक-पोस्ट के दौरान बिना किसी आधिकारिक दस्तावेज के 8.38 लाख रुपये जब्त किए जाने से संबंधित एक हालिया मामले में, याचिकाकर्ता आंध्र प्रदेश के आर. अमरनाथ ने मामले को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौड़ा की अगुवाई वाली एकल न्यायाधीश पीठ ने मामले की जांच की और यह आदेश जारी किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में, अपराध साबित करने के लिए, यह स्थापित किया जाना चाहिए कि नकदी या तो चोरी की गई थी या धोखे से प्राप्त की गई थी।

मामले के दस्तावेजों की समीक्षा करने के बाद, अदालत ने कहा कि पुलिस अधिनियम की धारा 98 के तहत, गैर-संज्ञेय अपराधों (जिसमें नकदी के अवैध कब्जे के कुछ मामले शामिल हैं) को तब तक दंडनीय अपराध नहीं माना जाता है जब तक कि चोरी या धोखे से हासिल किया गया हो। इसके अलावा, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 155(2) के अनुसार, पुलिस को गैर-संज्ञेय अपराधों की जांच करने से पहले मजिस्ट्रेट से पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। अदालत ने पाया कि इस मामले में ऐसी अनुमति नहीं ली गई थी। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसा कोई उचित संदेह या सबूत नहीं था जिससे पता चले कि नकदी चोरी की गई थी या धोखाधड़ी के माध्यम से प्राप्त की गई थी। रिकॉर्ड में ऐसे सबूत या संदेह के बिना, धारा 98 के तहत अपराध साबित करने के लिए आवश्यक तत्व गायब हैं। ऐसी परिस्थितियों में आरोपों को आगे बढ़ाना कानूनी प्रक्रियाओं का दुरुपयोग माना जाएगा। इसलिए, अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ चल्लेकेरे पुलिस द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने का आदेश दिया और शिकायत को खारिज कर दिया।

फाल्गुनी-नेत्रावती नदियों पर मेंगलूरु जल मेट्रो के लिए 19 स्टेशनों की योजना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केरल के कोच्चि में देश की पहली जल मेट्रो परियोजना के सफल क्रियान्वयन के बाद, कर्नाटक अब मेंगलूरु में भी इसी मॉडल को दोहराने जा रहा है। कर्नाटक राज्य अंतर्देशीय जल परिवहन प्राधिकरण ने परियोजना को मंजूरी दे दी है, तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है। यदि इसे क्रियान्वित किया जाता है, तो मेंगलूरु जल मेट्रो से क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जल मेट्रो परियोजना दक्षिण कन्नड़ जिले की जीवनरेखा फाल्गुनी और नेत्रावती नदियों पर शुरू की जाएगी। राज्य का बुनियादी ढांचा विकास, बंदरगाह और अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग डीपीआर के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की

तैयारी कर रहा है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो दो वर्षों के भीतर जल मेट्रो चालू होने की उम्मीद है। निविदाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद सेवाओं को संचालित करने के लिए निजी कंपनियों को आमंत्रित करने पर भी चर्चा की जा रही है। मेंगलूरु और उसके आसपास की सड़कों पर यातायात की बढ़ती भीड़ के साथ, जल मेट्रो जैसे परिवहन के वैकल्पिक साधन की आवश्यकता प्रासंगिक और जरूरी दोनों हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, जल मेट्रो शहर भर में अर्ध-वृत्ताकार मार्ग पर चलेगी, जो मरवूर पुल के पास से शुरू होकर कोटेकर पर समाप्त होगी। इस पहल से मेंगलूरु आने वाले पर्यटकों को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है। जल मेट्रो लोकप्रिय पर्यटन और धार्मिक स्थलों जैसे कि कतील, कुद्रोली, तन्नीरभवी बीच, सुल्तान बैटरी, पनम्बुर बीच, उल्लाल दरगाह, ट्री पार्क, कादरी पार्क, संग्रहालय, एलॉयसियस चैपल, कादरी मंदिर, मंगलादेवी मंदिर और रेलवे स्टेशन को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। फाल्गुनी और नेत्रावती नदियों के किनारे 19 जल मेट्रो स्टेशन होंगे। जबकि इस परियोजना का कई लोगों ने स्वागत किया है, लेकिन लोगों ने इस पर चिंता भी जताई है। यह बताया गया है कि कोच्चि के विपरीत, जहां जल मेट्रो पूरी तरह से शांत बैकवाटर के माध्यम से संचालित होती है, जिससे निर्धारित और स्थिर गति प्राप्त होती है, मेंगलूरु में प्रस्तावित मार्ग अलाइव बागिलू के पास नदी के मुहाने के करीब से गुजरता है, जहां ज्वार का उतार-चढ़ाव आम है। यह जल मेट्रो सेवा की अपेक्षित गति और दक्षता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए, कई लोगों ने परियोजना के क्रियान्वयन से पहले एक गहन व्यवहार्यता अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया है।

संघर्ष विराम संवेदनशील मुद्दा, इस पर खुलकर चर्चा नहीं होनी चाहिए: खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि संघर्ष विराम एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है और वह इस पर खुले तौर पर चर्चा नहीं करेंगे, बल्कि इसे सर्वदलीय बैठक में उठाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हुई बातचीत पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। ट्रम्प युद्धविराम का श्रेय लेने की बात कर रहे हैं। मोदी कह रहे हैं, नहीं। यह एक नाजुक मामला है। सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा हम वहां बात करेंगे। हम खुले तौर पर इस बात पर चर्चा नहीं कर सकते कि टेलीफोन पर बातचीत के लिए क्या चर्चा हुई। हम सर्वदलीय बैठक में जो हुआ उस पर चर्चा करेंगे। हमारी पार्टी की बैठक है। हम वहां चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि केंद्र सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाए। खड़गे भी तटस्थ रहे और उन्होंने सर्वदलीय बैठक में मोदी की अनुपस्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भाजपा ने महिला के साथ अश्लील व्यवहार करने वाले पंचायत उपाध्यक्ष को निष्कासित किया

वीडियो वायरल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुक के इडकीडू गांव में एक चौंकाने वाली घटना में, एक पंचायत उपाध्यक्ष विवाद के दौरान सार्वजनिक रूप से एक महिला के सामने नग्न हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। आरोपी की पहचान पद्मनाभ सपल्या के रूप में हुई है, जिसे वायरल वीडियो के सामने आने के बाद भाजपा से निकाल दिया गया है। पुलिस और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना सड़क तक पहुंचने के विवाद से उपजी है। महिला ने अपने घर तक पहुंचने के लिए एक गेट लगाने को लेकर पंचायत उपाध्यक्ष से बहस की। जब वह वीडियो पर स्थिति को रिकॉर्ड कर रही थी, तो पद्मनाभ ने कथित तौर पर अपने शॉर्ट्स उतार दिए और खुद को अभद्र तरीके से उजागर किया। महिला ने आगे बताया कि वह पास में अपने बागान में काम कर रही थी, जब उसने अपने घर तक पहुंचने के लिए एक गेट लगाए जाने की आवाज सुनी। घटनास्थल पर पहुंचने और घटना को रिकॉर्ड करने पर, पद्मनाभ ने कथित तौर पर अश्लील व्यवहार किया, जानबूझकर खुद को उजागर किया और धमकी भरे और अश्लील तरीके से व्यवहार किया। महिला ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए विट्ठल पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। जनता में आक्रोश और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचने के बाद, भाजपा पुत्तूर ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष दयानंद शेट्टी उज्रेमार ने एक बयान जारी कर पद्मनाभ सपल्या को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किए जाने की पुष्टि की। शेट्टी ने यह भी कहा कि पार्टी ने उन्हें पंचायत उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। शेट्टी ने कहा यह कृत्य निंदनीय है और महिलाओं की गरिमा का अपमान है। भाजपा किसी भी परिस्थिति में इस तरह के दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करती है। घटना का वीडियो तब से सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, जिसकी व्यापक आलोचना हो रही है और सख्त सजा की मांग की जा रही है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय धार्मिक हाग़ु कार्मिक हित रक्षण वेदिके द्वारा राजराजेश्वरी नगर मैदान में राजराजेश्वरी नगर हब्बा 2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक मुनिरत्न और विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। वेदिके के रघुपति नायडू एवं मंजूनाथ ने अतिथियों को सम्मानित किया।

नशे में धुत व्यक्ति ने अपने ही घर में आग लगा ली, बड़ा हादसा टला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने ही घर में आग लगा ली। कथित तौर पर नशे में धुत होकर उसने हंगामा किया और आक्रामक व्यवहार किया, जिससे उसके परिवार के सदस्य असहाय और भयभीत हो गए।

स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ, परिवार ने सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद वोलाकाडू से मदद मांगी। तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए, वोलाकाडू मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी। दमकल की गाड़ियां तुरंत पहुंचीं और आग बुझाने में कामयाब रहीं, जिससे एक बड़ी आपदा को सफलतापूर्वक रोका जा सका। घटना के बाद, सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद वोलाकाडू ने नशे में धुत व्यक्ति को शांत किया और सुनिश्चित किया कि उसे आगे के इलाज के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया जाए।

अमृतसर में जहरीली शराब से 17 की मौत

पीड़ित परिवारों को मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

अमृतसर, 13 मई (एजेंसियां)। अमृतसर के मजीठा क्षेत्र में सोमवार देर रात जहरीली शराब पीने से 17 लोगों की मौत हो गई है। कई लोग गंभीर हैं। यह पंजाब में तीन साल में चौथी बड़ी जहरीली शराब त्रासदी है। सीएम भगवंत मान पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने मजीठा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। साथ ही परिवार के बच्चों की पढ़ाई और अन्य सुविधाओं का ध्यान रखने का भी वायदा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में अभी तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान पता चला है कि ऑनलाइन 600 किलो मेथेनॉल मंगवाई गई थी, जिसके जरिए यह शराब तैयार की गई थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम भी जारी है। मेथेनॉल दिल्ली से मंगवाई गई थी, इसलिए जिन लोगों ने इसकी सप्लाई आ रही थी उनको पकड़ने के लिए भी टीम दिल्ली भेजी गई है। जल्द ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक्साइज और पुलिस के इंस्पेक्टर्स को भी सस्पेंड किया गया है और इन लोगों के पीछे किसी राजनीति या अन्य बड़े लोगों का हाथ था, उनका अभी पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

सीएम मान ने इस हादसे पर कहा कि मजीठा के आस पास के गांवों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की दुखद खबर मिली है। मासूम लोगों के इन हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ये मौतें नहीं, कत्ल हैं। जहरीली शराब से लोगों के घरों में मातम का माहौल बनाने वाले इन दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। मैं परमात्मा से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी।

एसएसपी अमृतसर मनिंदर सिंह ने बताया कि कल रात करीब 9:30 बजे सूचना मिली कि नकली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है। हमने तुरंत कार्रवाई की और चार लोगों को हिरासत में लिया। हमने मुख्य सप्लायर परबजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। हमने उससे पूछताछ की और किंगपिन सप्लायर साहब सिंह के बारे में पता लगाया। हमने उसे भी हिरासत में ले लिया है। हम इस बारे में जांच कर रहे हैं कि उसने किन-किन कंपनियों से यह शराब खरीदी है। आरोपियों में कुलबीर सिंह उर्फ जग्गू (मुख्य आरोपी प्रभजीत का भाई), साहिब सिंह उर्फ सराय, निवासी मारड़ी कलां, गुरजंट सिंह, निंदर कौर पत्नी जीता के तौर पर हुई है।

एसएसपी ने कहा, हमें पंजाब सरकार की तरफ से सख्त निर्देश दिए गए हैं कि नकली शराब के सप्लायरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। छापेमारी जारी है। निर्माताओं को जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। सख्त धाराओं के तहत दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। नागरिक प्रशासन और हम घर-घर जाकर पता लगा रहे हैं कि किसने नकली शराब पी है ताकि और लोगों की जान बचाई जा सके। 17 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 6 लोग अभी अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना पांच गांवों में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है क्योंकि कई लोग गंभीर हैं। अमृतसर की डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी ने कहा कि मजीठा में एक दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी हुई है। हमें 5 गांवों से रिपोर्ट मिली कि कल शराब पीने वाले लोगों की हालत गंभीर है। हमने अपनी मेडिकल टीमें भेजीं। हमारी मेडिकल टीमें अभी भी घर-घर जा रही हैं।

लोगों में कुछ लक्षण हों या न हों, हम उन्हें अस्पताल ले जा रहे हैं ताकि हम उन्हें बचा सकें। अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार हर संभव मदद कर रही है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मौतों का यह आंकड़ा न बढ़े...हमने आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच चल रही है। घटना के बाद राजनीतिक दलों ने भी सरकार पर निशाना साधा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

अब राजौरी और पुंछ के कस्बों में बनेंगे बंकर

जम्मूवासी भी चाहते हैं ऐसी सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू, 13 मई (ब्यूरो)। जम्मू शहर, राजौरी और पुंछ कस्बों को निशाना बनाकर पाक सेना द्वारा की गई भीषण गोलाबारी के बाद, जो पिछले कई वर्षों में अनसुनी घटना थी, सरकार दोनों सीमावर्ती कस्बों के अलावा कुछ अन्य छूटे हुए क्षेत्रों में सामुदायिक बंकरों के निर्माण की योजना बना रही है, ताकि भविष्य में दुश्मन द्वारा किसी भी तरह की बढ़ोतरी की स्थिति में लोगों को शरण लेने में मदद मिल सके। ऐसे कस्बों में जम्मू शहर को भी शामिल किए जाने की योजनाएं हैं जो इस बार पाक मिसाइलों के हमलों का शिकार बना।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और पूर्ववर्ती राज्य सरकार ने पहले क्षेत्र में एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर पर व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों तरह के बंकरों के निर्माण की सुविधा प्रदान की थी। कुछ लोगों ने अपने दम पर बंकरों का निर्माण भी किया है। हालांकि, राजौरी और पुंछ कस्बों में बंकरों का निर्माण नहीं किया गया था, क्योंकि पिछले कई वर्षों से भारी गोलाबारी और गोलीबारी की स्थिति में भी पाकिस्तानी सेना ने उन्हें निशाना नहीं बनाया था, जो कि अग्रिम क्षेत्रों तक ही सीमित हुआ करती थी। वैसे जम्मू शहर में भी कभी बंकर इसलिए नहीं बनाए गए थे क्योंकि इससे पहले हुई लड़ाईयों और लड़ाई के माहौल में कभी भी जम्मू शहर पर इस तरह की मिसाइलें नहीं गिरी थीं।

जानकारी के लिए बताते चलें कि भारतीय सशस्त्र बल द्वारा पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के बाद 7 और 8 मई की मध्यरात्रि को पहली बार पाकिस्तानी सैनिकों ने पुंछ शहर को सीधे निशाना बनाकर भारी गोलाबारी शुरू की, जिसमें 16 नागरिक मारे गए। एक दिन बाद, पाकिस्तानी सैनिकों ने राजौरी शहर को निशाना बनाते हुए लंबी दूरी के मोर्टार गोले दागे, जिसमें एक जेकेएएस अधिकारी सहित तीन नागरिक मारे गए, जबकि पुंछ में एक अन्य नागरिक मारा गया। दोनों जिलों में पाक गोलाबारी में कुल 19 नागरिक मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, राजौरी और पुंछ शहरों में लोग अचंभित थे क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पाकिस्तानी सेना लंबी दूरी के मोर्टार गोले से शहरों पर हमला करेगी क्योंकि पिछले कई सालों में ऐसा नहीं किया गया था। अधिकांश लोगों के पास छिपने के लिए बंकर नहीं थे और इस तरह वे शिकार बन गए। जबकि 19 नागरिक मारे गए, 75 से अधिक अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों के बकौल, अब सरकार राजौरी और पुंछ शहरों में सामुदायिक बंकरों के निर्माण की योजना बना रही है ताकि लोग सूत्रों ने कहा कि भविष्य में ऐसी किसी भी गोलाबारी की स्थिति में लोग वहां शरण लें। साथ ही, उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा मानदंडों के अनुसार राहत वितरित करने के लिए पाकिस्तान की गोलाबारी में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन करने का निर्देश दिया है। अधिकारी कहते हैं कि अधिकारियों को गोलाबारी में हुए नुकसान के लिए राहत के तत्काल वितरण के लिए आकलन शुरू करने और पूरा करने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले ही पाकिस्तान की गोलाबारी और गोलीबारी में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

बिहार में पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी

6 बैंक अकाउंट से हुई करोड़ों की फंडिंग

मोतिहारी, 13 मई (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी से पकड़े गए खालिस्तानी आतंकी कश्मीर सिंह गलवड्डी उर्फ बलबीर सिंह को कोर्ट में पेश किया गया। यहां से एनआईए उसे 4 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ दिल्ली ले गई। जांच एजेंसियों की पूछताछ में आतंकी ने कई बड़े खुलासे किए हैं। जेल से फरार होकर वह नेपाल में आम आदमी का वेश धारण कर रहा था। वहां ठेले पर घूम-घूमकर कपड़े बेचा करता था, जिससे किसी को उस पर शक न हो।

पूछताछ में कश्मीर सिंह ने बताया कि पंजाब की नाभा जेल से भागने के बाद वह बब्बर खालसा और खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा जैसे खालिस्तानी आतंकियों से मिला। वह खालसा इंटरनेशनल और रिंदा के नेपाल स्थित नेटवर्क का भी अहम हिस्सा था। इस नेटवर्क को मजबूत करने के लिए वह लोगों को जोड़ने का काम कर रहा था। इसी कड़ी में वह बिहार आया था। कश्मीर सिंह ने पंजाब से सड़क के रास्ते से मोतिहारी होते हुए रक्सौल बॉर्डर पार कर वापस नेपाल जाने की प्लानिंग बनाई थी। इसकी जानकारी एनआईए को लगी, जिसके बाद टीम ने पंजाब से पीछा करते हुए उसे मोतिहारी में दबोच लिया। जांच में सामने आया कि नेपाल में उसके 6 से अधिक बैंक अकाउंट थे, जिसमें करोड़ो रुपए की फंडिंग भी हुई है।

तनावपूर्ण माहौल के बावजूद अमरनाथ यात्रा की तैयारियां जारी

जम्मू, 13 मई (ब्यूरो)। तनावपूर्ण माहौल के बीच ही अमरनाथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय कश्मीर वर्तमान में वार्षिक यात्रा के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर रहा है। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को उच्च ऊंचाई वाली तीर्थयात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली चिकित्सा आपात स्थितियों और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है, जो कठिन इलाकों और चरम मौसम की स्थिति में होती है।

जानकारी के लिए हर साल, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, कश्मीर (डीएचएसके), 52-दिवसीय यात्रा के लिए व्यापक चिकित्सा तैयारियों को प्राथमिकता देता है, जो 3 जुलाई में शुरू होने वाली है। विभाग पिछली यात्राओं के दौरान देखी गई मृत्यु दर और रुग्णता को कम करने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (आरआईएचएफडब्ल्यू) धोबीवान के प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद इकबाल भट ने पत्रकारों को बताया कि लगभग 50 प्रतिशत स्वास्थ्य पेशेवरों का प्रशिक्षण पहले ही पूरा हो चुका है। वे कहते हैं कि हमने अब तक लगभग 150 डाक्टरों को प्रशिक्षित किया है, और अगला चरण पैरामेडिकल स्टाफ पर केंद्रित होगा।

उनका कहना है कि यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए हर साल डाक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और सहायक कर्मचारियों सहित 1,000 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण सत्र बैचों में आयोजित किए जाते हैं और विभाग के भीतर से ही

अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किए जाते हैं।

यह प्रशिक्षण यात्रा की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वे यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि स्वास्थ्य सेवा दल आपातकालीन स्थितियों में तुरंत और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं, खासकर उच्च ऊंचाई वाले वातावरण में जहां तीर्थयात्री तीव्र पर्वतीय बीमारी (एएमएस), हाइपोथर्मिया और अन्य ऊंचाई से संबंधित बीमारियों जैसी स्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

याद रहे यात्रा में देश भर से हजारों तीर्थयात्रियों के आने के साथ, स्वास्थ्य विभाग इन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया और निवारक देखभाल उपायों को मजबूत करने पर केंद्रित है। स्वास्थ्य विभाग कश्मीर के अधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष वह श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 के दौरान प्रभावी स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए बालटाल और पहलगाम मार्गों पर 55 चिकित्सा स्टेशन स्थापित करेगा। इनमें छह बेस अस्पताल, 11 चिकित्सा सहायता केंद्र (एमएसी), 12 आपातकालीन सहायता केंद्र (ईएसी) और 26 आक्सीजन बूथ शामिल होंगे, जो स्वास्थ्य आपात स्थितियों को तुरंत संबोधित करने के लिए तीर्थयात्रा मार्ग पर रणनीतिक रूप से रखे जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, बेस अस्पताल बालटाल, चंदनवारी, शेषनाग, पंजतरणी, निचली गुफा और पवित्र गुफा में स्थापित किए जाएंगे।

ये महत्वपूर्ण देखभाल इकाइयां आईसीयू बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक जीवन रक्षक चिकित्सा बुनियादी ढांचे से पूरी तरह सुसज्जित होंगी। जनशक्ति के संदर्भ में, कुल 1,415 स्वास्थ्य कर्मियों को तीन रोटेशनल शिफ्टों में पूरे मार्ग में तैनात किया जाएगा। इसमें हृदय रोग विशेषज्ञ, चिकित्सक और आर्थोपेडिक सर्जन जैसे 173 विशेषज्ञ, 244 चिकित्सा अधिकारी और 998 पैरामेडिक्स और सहायक कर्मचारी शामिल हैं, जो तीर्थयात्रियों को चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करेंगे।

रसद और सहायता को सुव्यवस्थित करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ प्रारंभिक समन्वय बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य पेशेवरों की तैनाती के पूरक के लिए विभिन्न राज्यों को औपचारिक अनुरोध भेजे गए हैं। यात्रा अवधि के दौरान चिकित्सा कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए, विभाग मार्ग के साथ प्रमुख रणनीतिक स्थानों पर 350 आवासीय बिस्तरों की व्यवस्था भी कर रहा है।

जय श्रीराम के नारों पर बवाल, महाराष्ट्र के पर्यटकों से कथित मारपीट

गया, 13 मई (एजेंसियां)। बिहार के बोधगया में इन दोनों तीन दिवसीय बुद्ध जयंती समारोह का आयोजन हो रहा है। उक्त आयोजन में देश-विदेश से सैकड़ो श्रद्धालु बोधगया पहुंच रहे हैं और भगवान बुद्ध का दर्शन कर पूजा अर्चना कर रहे हैं। इसी बीच पूर्व से चला आ रहा विवाद आज सामने आ गया है। महाराष्ट्र से आए पर्यटकों ने जिला प्रशासन और जिला पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है । हालांकि डीएम ने सभी आरोपी को सीधे से खारिज कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी और बात को लेकर जिला प्रशासन पर इस तरह का आरोप लगाया जा रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक बोधगया में मंगलवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब कुछ पर्यटकों ने 'बुद्ध का जय-जयकार नहीं करो, जय श्रीराम बोलो' जैसे नारे लगाए। यह घटना सारनाथ क्षेत्र में हुई, जहां बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से आए पर्यटक बुद्ध स्थलों का दर्शन करने पहुंचे थे। महाराष्ट्र के आए पर्यटकों के अनुसार कुछ पर्यटकों द्वारा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले नारे लगाए गए, जिससे तनाव फैल गया। देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया और कथित रूप से पुलिस ने पर्यटकों पर लाठियां चलाईं। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग घायल अवस्था में दिखे। इस घटना के बाद क्षेत्र में अफरातफरी मच गई और लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बोधगया जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थल पर इस प्रकार के नारेबाजी से सांप्रदायिक तनाव फैल सकता है।

मामले को लेकर जब जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन एसएम से पूछा गया तो उन्होंने मारपीट की बात से इनकार किया। डीएम ने कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। स्थानीय लोगों में पहले से इस तरह की गतिविधियों को लेकर असहमति रही है और आज वही विरोध सामने आया। किसी प्रकार की मारपीट नहीं हुई है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।'वहीं, पुलिस प्रशासन ने भी स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया, लेकिन किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

फिलहाल, जिला प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और पर्यटकों से संयम बरतने की अपील की है। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ऑपरेशन सिंदूर के बहाने बिहार का पुराना बदला चुकता बिहार के युवक का हत्यारा आतंकवादी मारा गया

जम्मू, 13 मई (एजेंसियां)। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 25 भारतीय नागरिकों में से सिर्फ एक की पहचान बिहार की निकली थी, हालांकि उनका परिवार लंबे समय से बाहर रह रहा था। शव भी बिहार नहीं आकर झारखंड आया था।

लेकिन, उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर में कई बहानों से बिहार का नाम आया। इतने गर्व से कि सेना की ओर से पक्ष रखने वाले चेहरे को देख बिहार गौरवान्वित हुआ। अब, मंगलवार को जम्मू-कश्मीर से ऑपरेशन सिंदूर के बहाने बिहार को एक और अच्छी खबर मिली। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया, जिनमें एक लश्कर-ए-तैयबा का अदनान शरीफ डार था। यह वही आतंकवादी था, जिसने पिछले साल 18 अक्टूबर को बिहार के बांका निवासी युवक अशोक चौहान की जान ले ली थी। मतलब, ऑपरेशन सिंदूर के बहाने बिहार का एक पुराना बदला पूरा हुआ। बिहार से भारी संख्या में लोग अलग-अलग राज्यों में जाकर जीवनयापन के लिए पैसे जुटाते हैं। पलायन बिहार के लिए बड़ा मुद्दा रहा है। अक्टूबर 2024 में जब बांका के शंभुगंज प्रखंड निवासी अशोक चौहान की आतंकवादियों ने नृशंस हत्या की तो पलायन का मुद्दा जोर-शोर से उठा था।

बिहार के रहने वाले कई लोगों की अलग-अलग राज्यों में हत्या हुई है, लेकिन इस आतंकवादी वारदात के बाद से अशोक चौहान के गृह जिले बांका के लोग जम्मू-कश्मीर से लौटने लगे। शंभुगंज प्रखंड स्थित कैथा गांव निवासी अशोक चौहान के बड़े भाई वरुण चौहान ने बताया कि वह शोपियां जिले के मल्हौर गांव में रह रहा था और मकई के भुट्टे पकाकर बेचता था। पैसे की कमी के कारण यह लोग खुदरा और थोक व्यापारी के यहां भी काम करते थे। अशोक चौहान सुबह भुट्टा लाने वहीं मकई के खेत में गया तो लौटा नहीं। बाद में पता चला कि आतंकवादियों ने पहले चाकू से उसके गले पर प्रहार किया था और फिर सीने पर गोलियां दागकर जान ले ली थी।

शहीद मोहम्मद इम्तियाज के परिजनों से मिले सीएम नीतीश, 50 लाख का सौंपा चेक

छपरा, 13 मई (एजेंसियां)। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में क्रॉस बॉर्डर फायरिंग में शहीद हुए बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को सोमवार देर शाम सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव शहीद के गांव नारायणपुर पहुंचे।

उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी और अपने पिता लालू प्रसाद यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से परिजनों की बातचीत कराई।

इसी के बाद आज देर शाम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शहीद के आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिवार को कुल 50 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा, जिसमें 21 लाख रुपये बिहार सरकार की ओर से तथा 29 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रदान किए गए। हालांकि, मुख्यमंत्री का यह दौरा बेहद संक्षिप्त रहा। वे शाम 4:23 बजे शहीद के घर पहुंचे और मात्र छह मिनट बाद 4:29 बजे वहां से रवाना हो गए।

परिजनों ने मुख्यमंत्री से शहीद के छोटे बेटे को सरकारी नौकरी देने, बेटी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा शहीद इम्तियाज के नाम पर गांव में सड़क और अस्पताल बनाने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने इन सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि सरकार हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवार के दुःख और सुख में हमेशा साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले शहीद के घर तक जाने वाली सड़क की मरम्मत भी की गई। बताया गया कि यह सड़क करीब आठ वर्ष पहले बनाई गई थी, लेकिन बीते तीन वर्षों से इसकी स्थिति बेहद खराब थी। मुख्यमंत्री के दौरे की आधिकारिक पुष्टि सोमवार देर रात हुई, जिसके बाद आनन-फानन में गड्ढों से भरी सड़क को किसी तरह चलने लायक बनाया गया।

यूपी की कनेक्टिविटी को नया आधार देगा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के विकास की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अधिकांश राजमार्ग और एक्सप्रेसवे पूर्व-पश्चिम दिशा में केंद्रित हैं, ऐसे में अब आवश्यकता है कि नेपाल सीमा से लेकर प्रदेश के दक्षिणी छोर तक फैले जिलों को जोड़ने वाला एक सुदृढ़ उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर तैयार किया जाए। इस उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के अंतर्गत आने वाले हिस्सों में एनएचएआई का सहयोग लिया जाए और शेष मार्गों का निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा चौड़ीकरण राज्य स्तर पर कराया जाए। जहां आवश्यक हो, वहां ग्रीनफील्ड रोड परियोजनाएं प्रस्तावित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉरिडोर न केवल उत्तर प्रदेश को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से जोड़ेगा, बल्कि सीमावर्ती जिलों में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समावेशी विकास सुनिश्चित करेगा।

यह विचार उन्होंने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रस्तुत किया। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री, जैसे सीमेंट, सरिया आदि, यथासंभव उत्तर प्रदेश की इकाइयों से ही ली जाए, बशर्ते कि वे गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरती

हों। मुख्यमंत्री ने विभाग को यह सुनिश्चित करने को कहा कि वार्षिक कार्ययोजना बनाते समय प्रदेश के सभी जनपदों और विधानसभाओं को समवेत रूप से लाभ पहुंचे और विकास में असंतुलन की स्थिति उत्पन्न न हो। किसी भी परियोजना को प्रारंभ करने से पहले उसकी उपयोगिता, संभावित प्रभाव और स्थानीय जनता पर उसके असर का समुचित अध्ययन किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए बाईपास, रिंग रोड और फ्लाईओवर के निर्माण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निकायों में यातायात की सुगमता सुनिश्चित करने वाले निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिल सके। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि इस विषय में परिवहन, लोक निर्माण और पुलिस विभाग को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि स्पीड ब्रेकर टेबल टॉप डिज़ाइन में बने, सभी प्रमुख मार्गों पर साइनेज और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, और राज्य मार्गों को न्यूनतम 10 मीटर चौड़ा किया जाए।

ग्रामीण कनेक्टिविटी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत की निधियों का बेहतर उपयोग करते हुए गांवों को भी अच्छी सड़क सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी जानकारी ली कि प्रदेश में पुलों और रेल ओवरब्रिजों (आरओबी) के निर्माण हेतु महत्वपूर्ण योजनाएं तैयार की गई हैं। प्रयागराज में गंगा नदी पर सलोरी से झूंसी को जोड़ने वाला नया पुल और नैनी पुल के समानांतर प्रस्तावित नया पुल, तथा वार-णसी में मालवीय सेतु के डाउन स्ट्रीम में प्रस्तावित रेल कम रोड ब्रिज, यातायात और कनेक्टिविटी की अहम आवश्यकता को पूरा करेंगे। इन योजनाओं में आवश्यकता अनुसार भारत सरकार से सहयोग प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए।

निर्माणाधीन परियोजनाओं की सतत निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की शिथिलता पर उत्तरदायित्व तय किया जाए और तकनीकी गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। सभी कार्य पारदर्शिता के साथ संपन्न किए जाएं। धार्मिक स्थलों तक सुविधाजनक और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। उन स्थलों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां प्रतिवर्ष पांच लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं। इन स्थानों को जोड़ने वाले 272 मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और विकास के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनका चयन इस प्रकार किया गया है कि भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता न्यूनतम हो और कार्य शीघ्रता से पूर्ण हों।

इसके अतिरिक्त, औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्कों की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के लिए 33 महत्वपूर्ण परियोजनाओं को कार्ययोजना में सम्मिलित किया गया है। इन परियोजन-ाओं के माध्यम से औद्योगिक इकाइयों को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से जोड़ा जाएगा, जिससे प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य और भी अधिक सशक्त होगा।

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा का परिणाम आया

शामली की सावी जैन ने देशभर में किया टॉप

500 में से 499 अंक प्राप्त किए

शामली, 13 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं की परीक्षा में शामली की सावी जैन 500 में से 499 अंक हासिल कर ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है और इस बार उत्तर प्रदेश के शामली जिले का देशभर में नाम रौशन हुआ है। शामली की सावी जैन ने 500 में से 499 अंक हासिल कर ऑल इंडिया टॉपर का खिताब अपने नाम किया है। सावी जैन शामली के मोहल्ला शिव चौक की निवासी हैं और स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा हैं। उनके पिता अंकित जैन स्थानीय स्तर पर फर्नीचर शोरूम संचालित करते हैं, जबकि उनकी माता कविता जैन गृहिणी हैं। इस सफलता पर सावी ने कहा, मेरी इस उपलब्धि के पीछे मेरे माता-पिता और शिक्षकों का बड़ा योगदान है। जब भी किसी विषय में उलझन होती थी, वे मेरा मार्गदर्शन करते और मेरा मनोबल बनाए रखते थे। सावी पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखते हुए हर विषय को गहराई से समझने में विश्वास रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे रोज पढ़ाई का एक निश्चित समय तय करती थीं और कठिन विषयों पर अतिरिक्त मेहनत करती थीं। सावी जैन का लक्ष्य सिर्फ अच्छे अंक लाना नहीं है। उनका सपना है कि वे आगे चलकर सिविल सर्विस में जाएं और देश की सेवा करें। सावी जैन का कहना है कि मैं प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हूं ताकि जमीन से जुड़कर समाज के लिए काम कर सकूं। इस बार 10वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल के छात्र धैर्य गर्ग 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बने। 12वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सावी जैन ने कला वर्ग में 99.8 प्रतिशत अंक पाकर जनपद टॉपर बनने के साथ ही ऑल इंडिया स्तर पर रैंक एक पर रहकर जनपद का नाम रोशन किया। सावी ने यह सिद्ध कर दिया है कि छोटे शहरों से भी बड़ी उड़ान भरी जा सकती है।

वाराणसी कोर्ट में राहुल के खिलाफ आपराधिक शिकायत

कांग्रेस नेता ने भगवान राम को बताया था काल्पनिक

वाराणसी, 13 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भगवान राम को काल्पनिक बताने वाले उनके बयान पर सोमवार को आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत वकील हरि शंकर पांडे ने वाराणसी की एसीजेएम (एमपी/एमएलए) अदालत में दर्ज कराई है।

शिकायत में कहा गया है कि अप्रैल 2025 में अमेरिका में एक बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने भगवान राम को काल्पनिक चरित्र बताया, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। वकील पांडे ने इसे

जानबूझकर किया गया कृत्य करार दिया है। शिकायतकर्ता ने अदालत से राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिए 19 मई 2025 की तारीख तय की है। राहुल गांधी के इस बयान पर पहले भी कई हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई थी और इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताया था।

प्राणी उद्यानों में बर्ड फ्लू से सुरक्षा के लिए उच्चतम सतर्कता बरतने का निर्देश

लखनऊ 13 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में एच-5 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज संबंधित अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के समस्त प्राणी उद्यानों, पक्षी विहारों, नेशनल पार्कों, वेटलैंड क्षेत्रों और गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित पशु-पक्षियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की गाइडलाइनों के अनुरूप सभी आवश्यक कदम तत्परता से उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्राणी उद्यान परिसरों को नियमित रूप से सेनेटाइज किया जाए और आवश्यकतानुसार ब्लो टॉर्चिंग की

प्रक्रिया भी अपनाई जाए। सभी वन्यजीवों एवं पक्षियों की जांच की जाए, और उनके आहार की गहन जांच के उपरांत ही उन्हें भोजन उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों को एवियन इन्फ्लूएंजा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाए तथा उन्हें पीपीई किट सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। बाड़ों में नियुक्त कर्मचारियों की ड्यूटी इस जोखिम के स्तर को ध्यान में रखते हुए तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी पोल्ट्री फार्मों की मानकों के अनुरूप विशेष निगरानी की जाए और पोल्ट्री उत्पादों के आवागमन पर सतत नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एच-5 एवियन इंफ्लुएंजा के मनुष्यों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गहन समीक्षा की जाए ताकि संक्रमण की कोई भी कड़ी मानव समाज तक न पहुंच पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य मंत्रालय, मत्स्य पालन एवं डेयरी विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (बरेली) आदि से लगातार सम्पर्क बनाकर सुझाव लिए जाएं और आवश्यकतानुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के बीच समन्वय को सशक्त बनाया जाए ताकि सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो सके

40 आपत्तिजनक सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई, 25 गिरफ्तार

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। यूपी पुलिस ने भ्रामक सूचनाएं और अफवाह फैलाने वाले 40 सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं, 25 अराजक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही लोगों से तथ्यों को सत्यापित किए बगैर सोशल मीडिया पर प्रसारित न करने की अपील की गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट कर अफवाह फैलाने वाले फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के 40 अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीजीपी प्रशांत कुमार ने भारतीय सेना की आतंकी संगठनों और उनके मददगारों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी एवं अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित करने का निर्देश दिया था।

इस निर्देश के बाद एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के पर्यवेक्षण में पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर की एक स्पेशल टीम ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर राष्ट्रविरोधी, भ्रामक और अफवाह फैलाने वाले हैंडल्स की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इस दौरान अब तक 40 विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित कर उनके विरुद्ध संबंधित जिलों में मुकदमे दर्ज कराकर 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। चिह्नित सभी 40 सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक करने की कार्रवाई साइबर क्राइम मुख्यालय के जरिये हो रही है।

डीजीपी ने अपील की है कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत कोई भी व्यक्ति तथ्यों को सत्यापित किए बगैर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई भी सामग्री पोस्ट न करे, जिससे अफवाह फैले और भारतीय सेना की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। किसी भी सूचना, घटना, फोटो अथवा वीडियो का सत्यापन प्रदेश पुलिस के फैक्ट चेक एक्स अकाउंट से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक, झूठी और राष्ट्रविरोधी सामग्री, फोटो, वीडियो पोस्ट करना एवं उन्हें शेयर करना दंडनीय अपराध है।

पुलिस ने इंस्टाग्राम के करीब 16, फेसबुक के 23 और यूट्यूब के एक अकाउंट का संचालन करने वालों पर कार्रवाई की है। बाकियों की तलाश जारी है। इनमें से कुछ अकाउंट से आगरा के ताजमहल पर पाकिस्तान की ओर से हमले की एआई जनरेटेड फोटो पोस्ट और शेयर की गई थी। शाहजहांपुर में आतंकी हमले की फर्जी सूचना भी प्रसारित की गई थी। कुछ अकाउंट पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे, जिनके संचालकों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कौशांबी के युवक अफसर अली घोसी ने तो पाकिस्तान का समर्थन करने के साथ हिंदू देवी-देवताओं की आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की है।

जिन नामों से अकाउंट है उनमें फेसबुक : साजिद अली, प्रवींद्र, आदित्य भैया सांसद बदायूं, गुड्डू बेग, जमात अली, सरताज मलिक, मो. रियाज, विक्की खान, सद्दाम हसन, अली अहमद इदरीसी, शानू खान, जीशान कुरैशी, छोटा इमरान खान, सज्जाद मोहम्मद, पुष्पेंद्र चौधरी, अफसर अली घोसी, शादाब खान एफबी, कामिल खान, मोइद खान, अकील खान, अनीस खान, साजिद खान, हबीबुल्लाह अंसारी। इंस्टाग्राम : लव यू जिंदगी, रोजन अली, अंकित कुमार, सादिक 999 डी, कृश यादव, शान चौधरी, प्रज्ञा शिवा वर्मा, सोनम सिंह 94068, राइटरअभी, यूपी83एपीएस, रिंकी सिंह, कुरैशी साहब, रिहानअलविशाब, अली बाबा 295, मोहम्मद जैद, रहीस अहमद। यूट्यूब : आमिर खान 2693 शामिल हैं।

यूपी की घरेलू महिलाएं खाद्य उद्यमी बनकर पेश करेंगी मिसाल

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में घरेलू रसोई से निकलकर अब महिलाएं अपने स्वाद और हुनर को व्यवसाय में बदल सकेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत 121.91 करोड़ रुपए की बड़ी धनराशि स्वीकृत की है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित छोटे-छोटे खाद्य उद्योगों को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा। यह योजना खासतौर पर उन घरेलू महिलाओं और पारंपरिक कारी-गरों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है, जो लंबे समय से स्वरोजगार की तलाश में थीं।

इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को आचार, पापड़, नमकीन, अचार, जैविक उत्पाद और अन्य घरेलू खाद्य सामग्रियों के व्यवसाय को औपचारिक रूप देने में मदद मिलेगी। उन्हें न केवल तकनीकी सहायता दी जाएगी, बल्कि प्रशिक्षण, संयंत्र और मशीनों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे वे स्थानीय उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ राज्य, देश और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी पहुंचा सकेंगी। प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि में सबसे बड़ा हिस्सा करीब 84.91 करोड़ रुपए उद्यमियों को सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा। वहीं व्यावसायिक सेवाओं के लिए 9.50 करोड़, प्रशिक्षण और प्रशासनिक खर्चों के लिए 3.50 करोड़ तथा संयंत्र और मशीनों के लिए 24 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त दो अन्य मदों में क्रमशः 2.52 करोड़ और 17.01 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इस पहल के तहत सरकार मशीन और संयंत्र जैसी तकनीकी जरूरतों के साथ-साथ गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांड विकास, परीक्षण प्रयोगशालाओं और व्यापार प्रबंधन में भी सहायता दे रही है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में यह एक ऐसा अवसर है, जहां राज्य की अपार जनशक्ति, पारंपरिक स्वाद और ग्रामीण संसाधनों का उपयोग करके आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

सीएम योगी का फोकस सिर्फ आर्थिक निवेश पर नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव पर भी है। जब गांवों की महिलाएं अपने हाथ से बने उत्पादों को स्थानीय उद्योग के रूप में खड़ा करेंगी, तो न सिर्फ उनकी आमदनी बढ़ेगी, बल्कि पूरे परिवार का सामाजिक स्तर भी ऊपर उठेगा। इससे नारी सशक्तिकरण और ग्रामीण समाज की मुख्यधारा में भागीदारी को भी मजबूती मिलेगी। यह योजना प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा अवसर दे रही है। महिलाएं अब अपने घरों की चारदीवारी से बाहर निकलकर कारोबारी दुनिया में अपनी पहचान बना सकेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन ने यह सुनिश्चित किया है कि इस योजना का लाभ सही पात्रों तक पहुंचे और इसका क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। योगी सरकार ने यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी खर्च राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही होंगे। अब उत्तर प्रदेश की महिलाएं केवल परिवार की देखभाल तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वे अपने उत्पादों के जरिए समाज में एक सफल खाद्य उद्यमी की एक नई भूमिका निभाएंगी।

संपादकीय

युद्धविराम का सच

अंततः भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम घोषित कर दिया गया, लेकिन उसे पूर्णतः लागू करने का सच अभी सामने आना है। दरअसल भारतीय सेनाओं के घातक प्रहारों से जब पाकिस्तान के 6 महत्वपूर्ण एयरबेस और एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और करीब 25 फीसदी वायुसेना का बुनियादी ढांचा तबाह हो गया, 'मिट्टी-मलबा' हो गया, तब पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। दूसरी ओर अमरीका को खुफिया सूत्रों से लीड्स मिल रही थीं कि यह टकराव, अंततः, लंबे युद्ध में तबदील हो सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट सार्वजनिक होने से पहले ही शनिवार सुबह 9 बजे पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कशीफ अब्दुल्ला ने भारत के समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर युद्धविराम की गुहार लगाई थी। अपराह्न 3.35 बजे दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर एक बार फिर बातचीत की और युद्धविराम की शुरुआती सहमति बनी। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्धविराम में मध्यस्थता का श्रेय लेते रहें, लेकिन न तो भारत सरकार यह मध्यस्थता मानती है और न ही देश का आम नागरिक यकीन करता है। भारत-पाक में सीधे ही बात हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहले युद्धविराम की घोषणा की। उसके बाद हमारे विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा पर सहमति जताई। शनिवार 5 बजे युद्धविराम लागू होने का भी ऐलान किया गया, लेकिन यह अद्र्धसत्य ही साबित हुआ। जैसे ही शनिवार की रात उतरने लगी, तैसे ही पाकिस्तान की फितरत बेनकाब होने लगी। पाकिस्तान ने लगातार ड्रोन हमले किए। इस बार निशाने पर श्रीनगर के सेना मुख्यालय और एयरपोर्ट थे। ऐतिहासिक 'लाल चौक' के आसमान में भी ड्रोन देखे गए। धमाके गूंजने लगे। अंततः मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को टिप्पणी करनी पड़ी- 'यह कैसा सीजफायर है! विस्फोट की आवाजें सुनाई दे रही हैं। एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गया है। यह युद्धविराम नहीं है।' जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों से लेकर पंजाब और राजस्थान के कई शहरों और गुजरात के कच्छ तक पाकिस्तान ने ड्रोन हमले कर सेना के ठिकानों और आम नागरिक जिंदगी को निशाना बनाने की कोशिश की। अंततः नाकाम रहा और उसके हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। क्या युद्धविराम का सच यही है? गंभीर सवाल यह है कि क्या भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना तय लक्ष्य हासिल कर लिया है? भविष्य में देश में आतंकी हमला होगा, तो क्या उसे वाकई 'युद्ध' करार देते हुए भारत पलटवार करेगा? बेशक भारतीय सेनाओं ने जिस तरह आतंकियों के अड्डे 'मिट्टी-मलबा' किए हैं और 100 से अधिक आतंकियों को मौत के घाट उतारा है, वह निश्चित ही विराट सफलता है, लेकिन आतंकियों का आका पाकिस्तान बच गया है। बहुत कुछ मिट्टी में मिलाया नहीं जा सका। पाकिस्तान की वायुसेना का बर्बाद ढांचा फिर से खड़ा किया जा सकता है। चीन और तुर्किये की मदद से एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और अन्य सुरक्षा बंदोबस्त दोबारा हासिल किए जा सकते हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान का एक अरब डॉलर का कर्ज मंजूर कर दिया है। हालांकि यह राशि हथियारों के लिए नहीं है। चीन और तुर्किये उधार पर भी मदद कर सकते हैं। फिलहाल भारत के पास सटीक मौका था। लड़ाई का ऐसा मोर्चा निकट भविष्य में बनना असंभव है। इस बार पाकिस्तान की सेना को छिन्न-भिन्न किया जा सकता था। बल्कि उसे सेनाविहीन की स्थिति में लाया जा सकता था।

भारतीय सेनाओं के घातक प्रहारों से जब पाकिस्तान के 6 महत्वपूर्ण एयरबेस और एयर डिफेंस, रडार सिस्टम और करीब 25 फीसदी वायुसेना का बुनियादी ढांचा तबाह हो गया, 'मिट्टी-मलबा' हो गया, तब पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। दूसरी ओर अमरीका को खुफिया सूत्रों से लीड्स मिल रही थीं कि यह टकराव, अंतत:, लंबे युद्ध में तबदील हो सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट सार्वजनिक होने से पहले ही शनिवार सुबह 9 बजे पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल कशीफ अब्दुल्ला ने भारत के समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर युद्धविराम की गुहार लगाई थी। अपराह्न 3.35 बजे दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर एक बार फिर बातचीत की और युद्धविराम की शुरुआती सहमति बनी। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्धविराम में मध्यस्थता का श्रेय लेते रहें, लेकिन न तो भारत सरकार यह मध्यस्थता मानती है और न ही देश का आम नागरिक यकीन करता है। भारत-पाक में सीधे ही बात हुई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहले युद्धविराम की घोषणा की। उसके बाद हमारे विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा पर सहमति जताई।

भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

ले.जन. डीएस हुड्डा

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है।

छह सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ। ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं। प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा। भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतः पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में

संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में '...अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही। प्रेस ब्रीफिंग में 6-7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत की 'कार्रवाई नपी-तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था'। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे, तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रखे, जिसकाभारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत-पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा। पाकिस्तान के राजदूत ने भी ऐसी धमकी दी। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग से भारत अब खुद को बंधक नहीं मानता। पारंपरिक बलों के इस्तेमाल के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने में वाले तौर-तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी पंजाब समेत कई आतंकी गढ़ों पर धावा बोलने में, हवाई हमले की उपयोगिता के रूप में नया मानक स्थापित हुआ है। चतुर्थ, भारत में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सबूत उपलब्ध करवाने की कुछ अंतरराष्ट्रीय हलकों की मांग अब जाती रही है। भारत दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है और जब भी वह कहता है कि आतंकवाद का स्रोत पाकिस्तान है, तो यह बात सही है। समस्या यहां हमले करने वाले की नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और उस सैन्य नेतृत्व की है, जो आतंकवाद को पाल-पोस रहे हैं। अकाट्य सबूत की मांग छद्म युद्ध की प्रकृति को नजरअंदाज करती है। आतंकी संगठनों का ढांचा ही इस प्रकार तैयार किया जाता है कि सिद्ध करना मुश्किल हो जाए। भारत में आतंकी हमलों की निरंतरता, अपराध करने वालों की पहचान, प्रशिक्षण केंद्र और फंडिंग स्रोत- ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की ओर इशारा करते हैं जो राज्य के संरक्षण बिना काम नहीं कर सकता। पंचम, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए भी एक संदेश है। आतंकवाद को शह-मदद करने वाले पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने में संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं की अक्षमता को लेकर भारत में निराशा है। बेशक, भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय जनमत और कूटनीतिक समर्थन जुटाना अहम है किंतु पाकिस्तान के आतंकवाद का जवाब देने में, भारत के लिए विकल्पों पर निर्णय लेते वक्त अड़चन बनने में ये कारक अहम नहीं रहे। इस बार उकसावे के बावजूद संयम बरतने का आह्वान करने वाली बातों को भारत ने नजरअंदाज किया।

दृष्टि कोण

अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

यकीनन इस समय पाकिस्तान से तनाव के माहौल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के संसाधनों और उत्पादन प्रणाली पर दबाव के मद्देनजर देशभर में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। वस्तुतः आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर स्थानीय स्तर पर मौजूद एमएसएमई खाद्य उत्पाद, छोटे रक्षा उत्पाद और दवाई जैसी अन्य जरूरी वस्तुओं का तेजी से कम लागत पर उत्पादन करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गौरतलब है कि एक ओर पाकिस्तान से चरम पर पहुंचे युद्ध तनाव और दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीददारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपए किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढने की तैयारी कर रहा है। निःसंदेह एमएसएमई क्षेत्र देश के विनिर्माण, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमएसएमई मंत्रालय की नई रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 5.93 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई हैं। इनमें 25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है।

कुछ अलग

स्टापेज ऑफ फायर

स्टापेज ऑफ फायर भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को सशर्त युद्ध विराम का कड़वा घूंट रावलपिंडी को पचा नहीं, इसीलिए उसने एक बार फिर भारतीय क्षेत्र में कश्मीर स्थित शंकराचार्य जी के मंदिर, वैष्णव माता मंदिर और राजस्थान सीमा पर फायरिंग करके यह संदेश दिया कि वह सीजफायर और उसकी शर्तो को नहीं मानता लेकिन इस घटना के तुरंत बाद जब विदेश सचिव विग्रम मिसरी ने दो टूक चेतावनी दी तब पाकिस्तान ने ड्रोन भेजना बंद किए। सच तो यह है कि यह सीजफायर दो दिनों के लिए ही हुआ है, अब ज्यादा संभावना इस बात की है कि 12 मई को एक बार जब दोनों देशों के डीजीएमओ बैठक करेंगे तब स्थिति स्पष्ट होगी कि सीजफायर कितने दिनों तक के लिए बढ़ेगा। इसलिए सीजफायर के भविष्य पर ही संदेह है। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। रविवार को प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, सीडीएस, तीनों सेनाओं के प्रमुख, रॉ एवं आईबी के चीफ की एक बैठक के दौरान तय किया गया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। दूसरा पाकिस्तान के साथ केवल डीजीएमओ स्तर की बात होगी। तीसरा कश्मीर से जुड़ा एक मात्र मुद्दा जिस पर चर्चा होनी है, वह यह है कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को खाली करे तथा चौथा भारत के खिलाफ पाक प्रायोजित आतंकवाद जारी रहने तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। भारत सरकार की शर्तो को पूरा कर पाना दुष्ट देश के लिए असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर है क्योंकि आतंकी पालना और भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना तो पाकिस्तान की राष्ट्रीय सैन्य नीति है। वुल 42 आतंकी ठिकानों में से 21 ठिकाने अत्यंत घातक रहे हैं। इन 21 में से 9 को भारतीय सेना ने तबाह कर दिया है लेकिन अभी 12 आतंकी ठिकाने भारतीय क्षेत्र के लिए चुनौती बने हुए हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहवाज शरीफ ने 10 मई की देर रात 11.35 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति, सउदी अरब, तुर्विए, चीन और अपने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को सीजफायर कराने के लिए धन्यवाद दिया। इसका मतलब उन्होंने जिन देशों के शासनाध्यक्षों से सीजफायर के लिए अनुरोध किया उन सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया कितु भारत ने सीजफायर के लिए न तो किसी का आभार व्यक्त किया और न ही किसी से आग्रह किया। भारत ने सीजफायर की वार्ता के लिए अपने सेना के डीजीएमओ के स्तर तक ही सीमित करके रखना उचित समझा। सच तो यह है कि जब पाकिस्तान भारत के मित्र देशों के सामने सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाया तो भारत ने यह संदेश देने के उद्देश्य से सीजफायर की बात मान ली कि भारत युद्ध नहीं चाहता कितु वह यह भी नहीं चाहता कि उसके नागरिक आतंकियों के शिकार बनें। भारतीय सेना ने अपनी तरफ से एक भी निर्दोष नागरिक को मारने के लिए न तो गोली चलाईं न गोला लेकिन पाकिस्तान की सेना ने सीमा पर जो मोर्टार दागे उसे हमारे नागरिकों की मौत भी हुईं और उनके घर भी क्षतिग्रस्त हुए। पाकिस्तान की जनता, पत्रकार और बुद्धिजीवी इस वास्तविकता को समझ रहे हैं कि पाकिस्तान ने भारत के प्रति जो रणनीति को अपनाया है वह नितांत आत्मघाती है। यही कारण है कि ब्राोस मिसाइल से क्षतिग्रस्त हुए एयरबेस की वीडियो पाकिस्तान की जनता ही यूट्यूब पर डाल रही है और अपनी सेना व सरकार पर तंज कसते हुए उससे सवाल पूछ रही है।

देश दुनिया से

फिर भी बाज नहीं आया पाकिस्तान

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर कायर हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। अपने 28 निहत्थे, निर्दोष बेटों की नृशंस हत्या पर भारत माता शोकमग्न थी। सारा देश प्रतिशोध की ज्वाला में धधक रहा था। ऐसे माहौल में भारतीय सेना के आप्रेशन सिंदूर ने समस्त भारत को गौरवान्वित किया है। भारतीय सेना की दूरदर्शिता ने सबका मन मोह लिया है। इसे कहते हैं एक तीर से कई निशाने साध लेना : 1. जहां पहलगाम में आतंकियों ने हिंदू-मुस्लिम जहर को हवा देने के लिए हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा, ताकि पूरे देश में धार्मिकता के नाम पर कट्टरपंथी ताकतों द्वारा देश को गृहयुद्ध में धकेला जा सके, हमारी सेना ने जवाब में संदेश दे दिया कि पूरा भारत एक है, आतंकियों द्वारा हमारे देश को धर्म के नाम पर बांटने की साजिश को नकार दिया। यह उनके मुंह पर जोरदार तमाचा है। हिंदू स्त्री की सिंदूर की मर्यादा की रक्षा की लड़ाई में मुस्लिम युवती सोफिया कुरैशी ने सबसे पहले तोप कमान अपने हाथ में ली। यही है भारतीय सभ्यता और संस्कृति। 2. दूसरी तरफ पूरी दुनिया को भी संदेश दिया कि भारत में लडक़ा-लडक़ी एक समान है, आज के भारत में लैंगिक भेदभाव नहीं होता। 3. तीसरी बात यह कि देश की बहनों को भी एक उत्साहवर्धक मैसेज दिया है कि बेटी को पढ़ा लिखा कर काबिल बना दिया जाए, तो नारीशक्ति भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल सकती है। देश की उन्नति में सहभागिता कर सकती है। कल तक जहां कोई लडक़ी सपने में भी सेना में जाने का सोच भी नहीं सकती थी, आज वहां उच्च पदों पर लड़कियां विराजमान हैं। अब हर युवा लडक़ी सेना में जाने का ख्वाब देखने लगेगी। 4. सबसे बड़ा तमाचा उस पुरुष प्रधान समाज पर है, जो आज भी औरतों को सिर्फ घर-गृहस्थी, वंश वर्धन के लिए बच्चे पालने और किचन तक ही सिमटा कर रखना चाहते हैं। जोरदार सैल्यूट बनता है भारतीय सेना को...। हमें आप पर गर्व है। इसके अतिरिक्त वतन की शेरनी कर्नल सोफिया कुरैशी का इंडिया आर्मी को रिप्रजेंट करते हुए प्रेस कान्फ्रेंस करना बेहतरीन कदम है। यह सब आधुनिक भारत में महिला सशक्तिकरण और मुस्लिम देशभक्ति का प्रतीक है। भारतीय मुसलमान बाई बर्थ और बाई च्वाइस इंडियन है। यह जरूर लिखना चाहूंगा कि भारतीय सेना द्वारा किया गया एयर स्ट्राइक समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हम सभी जानते हैं कि भारत विश्व का प्राचीनतम राष्ट्र है। इसने कभी भी किसी अन्य देश पर सैन्य आक्रमण नहीं किया है। हां, बाह्य आक्रमण होने पर प्रतिरक्षात्मक कदम अवश्य उठाए हैं। भारत पर बाह्य आक्रमण का सिलसिला सिकंदर से प्रारंभ होता है, जो आज भी यथावत जारी है। केवल आक्रमण के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है। भारत पर बाह्य-आक्रमण के दो प्रमुख कारण हैं। पहला कारण आक्रमणकारी देश की विस्तारवादी नीति होती है। वह दूसरे देश को हड़प लेना चाहता है। दूसरा कारण भारत की आर्थिक समृद्धि के प्रति उसका आकर्षण होता है। धन-धान्य से परिपूर्ण वैभवसंपन्न भारत का वह मालिक बनना चाहता है।

भारत की स्वतंत्रता के पूर्व तथा उसके पश्चात होने वाले आक्रमण को हमारे देश के नेतृत्व ने सही ढंग से नहीं समझा, यह हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है। पहले एक लुटेरा सैन्य बल के साथ आता था, आतंक मचाता था, लूटपाट करता था, मंदिरों को ध्वस्त करता था, बहन-बेटियों के सम्मान से खेलता था तथा अनेक बेगुनाहों की हत्या करता था, फिर वह वापस चला जाता था। लेकिन हमने पाकिस्तान बनाकर उसे अपना पड़ोसी बना दिया। उसे एक मुस्लिम देश के रूप में मान्यता भी दे दी। उसे एक स्थायी शत्रु के रूप में प्रस्थापित कर दिया। अब वह गोला-बारूद, टैंक-तोप, परमाणु बम आदि बनाकर बहुत ही सुनियोजित ढंग से बाकी बचे भारत को हथियाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान बनाकर हमने सोचा था कि समस्या का अंत हो गया। अब हम परिवार के साथ सुख-चैन से जी सकेंगे, अपने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर सकेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 'हंस के लिया है पाकिस्तान। लड़ के लेंगे हिंदुस्तान।।' यह उनका पुराना मंसूबा है। उस मंसूबे को पूरा करने के लिए वह आतंकवाद, तस्करी, लव जिहाद आदि का सहारा लेता है। अब उसकी दृष्टि में पूरा भारत है। धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि कर एवं मजहबी उन्माद बढ़ाकर वह भारत को कई टुकड़ों में बांटना चाहता है। अतः केवल एयर स्ट्राइक से समस्या का स्थायी समाधान होने वाला नहीं है। पाकिस्तान को लेकर इस समय भारतीय सेना को कोई ठोस फैसला करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान कोई देश नहीं अपितु एक जहरीली सोच और खूनी मानसिकता है। यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ हमेशा से षड्यंत्र बुनता रहा है। वह आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता रहा है और भारतीय क्षेत्र में उनकी घुसपैठ भी करवा रहा है। ऐसे घुसपैठिए ही भारत में खून-खराबा करता रहे हैं। उन्हें अब कड़ा सबक सिखाने की निहायत ही जरूरत है। संघर्ष विराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना भारत के खिलाफ अपनी हिंसक कार्रवाई छेड़े हुए है। आतंकवादियों का काफी हद तक भारतीय सेना ने सफाया कर दिया है, लेकिन अब सीधे पाकिस्तानी सेना भारत को उकसाने के लिए जो कुछ उससे संभव हो रहा है, वह कर रही है। इस समय भारतीय सेना को कोई ठोस फैसला लेने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। भारत के भीतर बचे-खुचे अलगाववादियों को भी चिन्हित करके उन्हें कड़ा सबक दिया जाना चाहिए। जहां-जहां, जिस मोर्चे पर लड़ाई की हमारी तैयारियों में कहीं कोई कमी नजर आती है, तो उसे भी दुरुस्त किया जाना चाहिए। इस समय सियासत भी नहीं होनी चाहिए। किसी भी दल या नेता को कोई ऐसा बयान जारी नहीं करना चाहिए जिससे शत्रु पक्ष को कोई लाभ मिले। यह अच्छी बात है कि इस समय देश के राजनीतिक दल सोच-समझ कर बयान जारी कर रहे हैं और सेना के साथ एकजुट खड़े दिखाई दे रहे हैं। हमें देश के भीतर के शत्रुओं से भी सचेत रहना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान भारत की छवि को धूमिल करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे प्रयासों को भी भारत को निष्फल करना होगा।

आप का नजरिया

चिट्टे का जहर

बीती शताब्दी के सातवें-आठवें दशक तक नशाखोरी का इतना अधिक प्रचलन नहीं था। ग्रामीण अपने खेतों में तंबाकू की खेती करते थे। हर घर में बुजुर्ग व अधेड़ आयु वर्ग के पुरुष हुक्का गुडग़ुड़ाते थे। शराब, अफीम व भांग का नशा तो सुना जाता था, लेकिन इसका प्रचलन न के बराबर था। उस समय बीड़ी-सिगरेट भी बहुत कम लोग पीते थे। लोग नशेडियों को कोई मान-सम्मान नहीं देते थे। शराब पीने वाले को शराबी, अफीम का सेवन करने वाले को फीमची और भांग का सेवन करने वाले को भंगडिया के नाम से जाना जाता था। गांव के लोग उनसे मिलने-बरतने से भी गुरेज करते थे। यही नहीं, ऐसा नशा करने वाले युवकों की शादियां करनी भी मुश्किल हो जाती थी। समय बदला तो शराब लोगों का स्टेटस सिंबल हो गया। विवाह, शादियों एवं अन्य उत्सवों में शराब रिश्तेदारों व दोस्त-मित्रों को परोसने का प्रचलन बढ़ा। तब तक अफीम व भांग आदि के नशे का सेवन करने वालों की संख्या बढने लगी। कुछ समय से हिमाचल प्रदेश में चिट्टा नामक नशे ने गांव-गांव तक पांव पसार दिए हैं। कहा जाता है कि इसका सेवन करने वाला व्यक्ति कुछ ही समय का मेहमान होता है। इसके सप्लायर शासन, प्रशासन एवं आम लोगों की आंख में धूल झोंककर समाज को तबाही की ओर ले जा रहे हैं। हालांकि अब कुछ पंचायतों, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं ने चिट्टे में संलिप्त लोगों को सरकार से मिलने वाली सुविधाओं से वंचित करने का फैसला किया है। सरकार ने भी चिट्टा तस्करों के खिलाफ सख्त कानून बनाए हैं। पुलिस ने चिट्टे का नशा बेचने के आरोप में जिन प्रभावशाली लोगों को बेनकाब किया है, यह सबके लिए हैरानी की बात है। जाहिर है कि ऐसे लोग भेड़ की खाल में भेड़िए साबित हुए हैं। ऐसा भी बताया जा रहा है कि चिट्टे की रोकथाम के लिए पुलिस ने जो जाल बिछाया है, उससे और कई बड़े चेहरे बेनकाब होने की उम्मीद है। सबसे हैरानी की बात यह है कि अब इस काम में महिलाएं, लड़कियां व सरकारी सेवा में कार्यरत कुछ कर्मचारी भी शामिल पाए गए हैं। यही नहीं, पिछले दिनों एक ऐसा भी मामला प्रकाश में आया था कि अपनी आयु के अंतिम पड़ाव पर पहुंची 70 साल की एक वृद्धा भी इस घिनौने कार्य में संलिप्त थी। लोगों, विशेषकर युवा वर्ग की जिंदगियों से खिलवाड़ करने वाली यह बेहद शर्मनाक घटना है। ऐसी बुजुर्ग महिला को अगली पीढ़ी कभी माफ नहीं करेगी। समाज में इस जानलेवा नशे का बड़ी तेजी से फैलाव हो रहा है। यह आम लोगों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। इससे अब तक अनेक घरों के चिराग बुझ गए हैं। नशे की इस चपेट में अनेक किशोर और युवा आ रहे हैं। गांव-गांव तक फैले नशे के इस कारोबार से अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य के प्रति बेहद चिंतित हैं। वे अपने बच्चों पर नजर तो रख रहे हैं लेकिन हर समय उनके साथ भी नहीं रह सकते। भले ही बच्चे कितने भी संस्कारी क्यों न हों, नशेड़ी किसी न किसी बहाने उन्हें नशा बांट देंगे और धीरे-धीरे इसके आदी हो रहे हैं। इस पर तुरंत रोक जरूरी है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत के द्वारा चीन के जे-10 सी विमानों की हुई पिटाई पर ड्रैगन ने साधी चुप्पी

इस्लामाबाद,13 मई (एजेंसियां)।
पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि उसने भारत के राफेल और सुखोई विमानों के खिलाफ चीन से मिले जे-10 सी विमानों का इस्तेमाल किया है। इन विमानों में लंबी दूरी तक हवा से हवा में मार करने वाली पीएल-15 मिसाइलें लगी थीं। चीन के सोशल मीडिया में जहां जे-10 सी की जमकर तारीफ हो रही है, वहीं शी जिनपिंग सरकार ने पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। भारत और पाकिस्तान की लड़ाई में मुनीर सेना ने जमकर चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया। चीन का एचक्यू 9 एयर डिफेंस सिस्टम भारत के हमले रोकने में नाकाम साबित हुआ। वहीं चीनी जे-10सी को बहुत बड़ी सफलता करार दे रहे हैं। इस पूरे मामले पर चीन ने बहुत सतर्कता के साथ बयान दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सरकार ने यह चुप्पी बहुत सोच समझकर साध रखी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जिआन ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि चीनी विमान भारत और पाकिस्तान के लड़ाई में शामिल थे। वहीं इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने खुलासा किया था कि भारत के हमले के दौरान चीन के राजदूत 4 बजे सुबह तक उनके कार्यालय में बैठे हुए थे। चीन ने अपने आधिकारिक बयान में केवल दोनों देशों से संयम बरतने के लिए कहा था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के स्वीकार नहीं करने के पीछे बड़ी वजह राजनयिक और सैन्य तनाव है। गलवान हिंसा के बाद से ही भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हुए हैं। वहीं पाकिस्तान चीन का सदाबहार मित्र है तथा हथियारों का शीर्ष खरीदार है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच यह विवाद उस समय पर शुरू हुआ जब दुनिया में माहौल बहुत जटिल हो गया है और चीन के सुरक्षा हालात भी ठीक नहीं हैं। चीन का अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध चल रहा है। इसके अलावा अमेरिका के साथ तकनीक और सैन्य घेरेबंदी को लेकर विवाद है। जापान, ताइवान और फिलीपीन्स के साथ भी चीन का तनाव चल रहा है।

चीन ने अपने हथियारों के निर्यात को तेज करने के लिए पूरा अभियान चला रखा है। चीन खासकर खाड़ी के देशों को अमेरिका के हथियारों से दूर रखना चाहता है। इस इलाके में अभी पश्चिमी देशों की कंपनियों का आर्म्स मार्केट का कब्जा है। हाल के वर्षों में चीन के सैन्य उपकरणों को लेकर दुनिया में संदेह देखा गया है। यहां तक चीन के अंदर भी अपने हथियारों की क्षमता को लेकर संदेह रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन के पास युद्ध लड़ने का कोई अनुभव नहीं है। चीन को उम्मीद है कि अब जे-10 सी की बिक्री में भारी बढ़ोत्तरी होगी। पाकिस्तान अभी एकमात्र देश है जो जे-10 सी उड़ाता है। मिस्त्र अब खरीदने की तैयारी कर रहा है। चीन के विशेषज्ञ शी यिनहोंग का कहना है कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध होता, तब इससे चीन की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो जाता। इसी वजह से चीन बहुत सतर्क था। भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के बाद चीन की सेना ने जे-10 फाइटर जेट के साथ अभ्यास करने का एक वीडियो भी पोस्ट किया है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में कार दुर्घटना में दो भारतीय छात्रों की मौत, एक घायल

वाशिंगटन। अमेरिका की क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के दो भारतीय छात्रों की 10 मई की सुबह लैंकेस्टर काउंटी में पेंसिल्वेनिया टर्नपाइक पर एक कार दुर्घटना में जान चली गई। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शोक संतप्त परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया है।इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में मृतकों की पहचान 23 वर्षीय सौरव प्रभाकर और 20 वर्षीय मानव पटेल के रूप में हुई है। पेंसिल्वेनिया स्टेट पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना रीडिंग इंटरचेंज के करीब ब्रेकनॉक टाउनशिप में माइलपोस्ट 286.5 के पास सुबह 7:08 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, कार सड़क से उतर गई। पहले कार एक पेड़ से टकराई और इसके बाद एक पुल से टकराकर रुक गई। आपातकालीन टीम ने पाया कि कार चला रहे प्रभाकर और पीछे की सीट पर बैठे पटेल मृत मिले। अधिकारियों के अनुसार, कार की अगली सीट पर बैठा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उसे स्थानीय रीडिंग अस्पताल पहुंचाया गया। लैंकेस्टर काउंटी कोरोनर के कार्यालय ने पुष्टि की है कि दोनों छात्रों की मृत्यु दर्दनाक चोटों से हुई है। पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस फॉरेंसिक सेवा इकाई दुर्घटना की जांच में सहायता कर रही है।

पाकिस्तान की टिकटॉक गर्ल सजल का वीडियो वायरल, कहा-फर्जी

दुबई। पाकिस्तान की मशहूर टिकटॉक स्टार गर्ल सजल मलिक ने पिछले माह ऑनलाइन प्रसारित

वीडियो पर अब चुप्पी तोड़ी है। इसमें कथित तौर पर उन्हें आपित्तजनक भाव भंगिमा में दिखाया गया है। सजल मलिक ने इस वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया। गल्फ न्यूज की खबर में सजल के इस वीडियो पर विस्तार से चर्चा की गई है। यह वीडियो 22 अप्रैल को पहली बार प्रसारित किया गया। धीरे-धीरे यह विभिन्न सोशल साइट्स में वायरल हो गया। सजल मलिक ने जारी बयान में इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। इस घटना के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान हैं। कुछ लोगों ने वीडियो की वैधता पर सवाल उठाए हैं। कइयों ने सजल मलिक की आलोचना की है। इसके बाद सजल मलिक ने पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने लीक के स्रोत की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह ऑनलाइन ट्रोलिंग उनके चरित्र हनन के बराबर है। उल्लेखनीय है कि सजल मलिक आकर्षक स्ट्रीट इंटरव्यू और टिकटॉक पर सोशल कमेंट्री के लिए जानी जाती हैं। उनके 176,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं। इस घटना के कारण उन्हें निजता के हनन का सामना करना पड़ा है। हालांकि बयान से पहले उनकी चुप्पी ने अटकलों को हवा दी। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई करेंगी।

दिमाग की गतिविधियों को समझने का मौका देती ब्रेन मैपिंग तकनीक

लंदन। ब्रेन मैपिंग तकनीक व्यक्ति को अपने दिमाग की गतिविधियों को समझने का मौका देती है और यह जानने में मदद करती है कि वे क्या महसूस कर रहे हैं और क्यों। हैल्थ एक्सपटर्स के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य के प्रति बढ़ते जागरूकता के कारण यह तकनीक खासतौर से मानसिक तनाव, गुस्सा, चिंता या उदासी जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। ब्रेन मैपिंग एक आधुनिक न्यूरो-साइंस तकनीक है, जिसका उपयोग खास तौर पर दिमाग के विभिन्न हिस्सों की गतिविधियों को स्कैन करने के लिए किया जाता है। इस तकनीक में ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी) या एफएमआरआई (फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) जैसी तकनीकों का सहारा लिया जाता है। इसमें सिर पर सेंसर लगाए जाते हैं जो मस्तिष्क से निकलने वाली इलेक्ट्रिकल तरंगों को रिकॉर्ड करते हैं। इन तरंगों के आधार पर यह पता लगाया जाता है कि मस्तिष्क का कौन सा हिस्सा सक्रिय है और यह व्यक्ति की सोच, भावना या व्यवहार पर कैसे असर डालता है। हाल ही में, बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने भी इस प्रक्रिया का अनुभव लिया और इसे सकारात्मक और ज्ञानवर्धक बताया।

लाहौर और रावलपिंडी में घायल जवानों से भरे अस्पताल, मिलने पहुंचा सेना प्रमुख असीम मुनीर, पाक का झूठ बेनकाब

इस्लामाबाद,13 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को उसकी ही ज़ुबान में जवाब दिया है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने जिस सटीकता और ताकत से लिया है, उससे पाकिस्तान में खलबली मच गई है। पाकिस्तान भले ही आधिकारिक तौर पर अपने नुकसान को छिपाने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन लाहौर और रावलपिंडी के अस्पतालों से सामने आई तस्वीरें और वीडियो पाकिस्तान की पोल खोल रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रावलपिंडी और लाहौर के सैन्य अस्पताल घायल पाकिस्तानी सैनिकों से भर चुके हैं। हर बेड पर सेना के जवान भर्ती हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह वही जवान हैं जिन्हें भारतीय सेना के जवाबी हमले में चोटें आई हैं। रावलपिंडी के अस्पताल में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर खुद पहुंचे, जबकि लाहौर में पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने अस्पताल जाकर घायल सैनिकों से मुलाकात की। इन नेताओं की मौजूदगी खुद इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ है - चाहे वह माने या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने 40 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर कर दिया, जबकि 100 से ज्यादा आतंकियों को भी मार गिराया गया। इस कार्रवाई ने पाकिस्तान की आतंक परस्त नीति को करारा जवाब दिया है। एक तरफ पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति की बात करता है, दूसरी तरफ अपनी धरती से आतंकी भेजता है। लेकिन इस बार भारत ने ना केवल जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने पाकिस्तान की 'डिनायल पॉलिसीळ को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने अचानक सीजफायर की पेशकश की है, जो साफ संकेत देता है कि उसे सीमा पर हुए नुकसान की भरपाई कर पाना आसान नहीं है। घायल सैनिकों की बढ़ती संख्या और अस्पतालों की हालत बता रही है कि पाकिस्तान को इस बार गहरी चोट लगी है।ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि भारत अब किसी भी हमले का जवाब चुपचाप नहीं देगा। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि भारत की नई नीति पहले वार झेलना नहीं, जवाब देना है अब हर स्तर पर लागू हो चुकी है।

गर्मियों में 33 प्रतिशत तक बढ़ सकता हार्ट अटैक का खतरा

लंदन,13 मई (एजेंसियां)।

हाल ही में हुई मेडिकल रिसर्च के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के दौरान दिल का दौरा पड़ने का खतरा 33 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। गर्मियों में तापमान की बढ़ोतरी के साथ ही कई कारणों से हृदय संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिससे हार्ट अटैक की संभावना ज्यादा हो जाती है। गर्मी का प्रभाव खासकर उन लोगों पर अधिक पड़ता है जो पहले से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। गर्मी में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ने का मुख्य कारण डिहाइड्रेशन है, जिससे शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है।

इसके कारण ब्लड प्रेशर में गिरावट आ सकती है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके अलावा, गर्मी के कारण रक्तवाहिकाएं फैलने लगती हैं, जिससे हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। गर्मी में खून गाढ़ा होने का खतरा भी बढ़ जाता है, जिससे खून का थक्का बन सकता है, जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। हीट स्ट्रोक और कार्डियक स्ट्रेस भी अत्यधिक तापमान के कारण शरीर पर दबाव डालते हैं और दिल की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इस समय हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, या डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए गर्मी का मौसम ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

गर्मियों में हार्ट अटैक से बचाव के लिए कुछ उपायों को अपनाना जरूरी है। सबसे पहले, अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बाहर जाने से बचना चाहिए, जब तापमान सबसे ज्यादा होता है। हल्के, ढीले कपड़े पहनें और नमक और इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पेय का सेवन करें। इसके अलावा, अपनी नियमित दवाइयों का सेवन जारी रखें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खासकर 60 वर्ष से ऊपर के लोग, जो बाहर धूप में काम करते हैं या जो धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, उन लोगों को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

ईरान ने ठुकराई अमेरिकी अपील, बोला- नहीं करेंगे परमाणु ढांचे को खत्म

ईरान ने अमेरिका की उस अपील को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें तेहरान से अपने परमाणु ढांचे को पूरी तरह खत्म करने की मांग की गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अमेरिका से साफ शब्दों में कहा कि देश अपने शांतिपूर्ण परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा और यह मांग हम स्वीकार नहीं करेंगे। ओमान की राजधानी मस्कट में जारी ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता के चौथे दौर के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बताया कि बातचीत अब सामान्य विषयों से आगे बढ़कर विशिष्ट प्रस्तावों पर केंद्रित है। उन्होंने बातचीत को सकारात्मक लेकिन जटिल बताया। इस बातचीत में ओमान मध्यस्थता कर रहा है और इसका उद्देश्य 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करना है। 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा परमाणु समझौते से एकतरफा रूप से बाहर निकलने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इसके बाद ईरान ने भी अपनी कई परमाणु प्रतिबद्धताओं से पीछे हटना शुरू कर दिया था। बातचीत से पहले अमेरिका के विशेष दूत ने ईरान से नतांज, फोर्डो और इस्फहान जैसी परमाणु सुविधाओं को बंद करने की मांग की थी।

अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत

वाशिंगटन,13 मई (एजेंसियां)।
संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में हुई दुर्घटना में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत हो गई। हादसे में एक पर्वतारोही घायल हो गया। उत्तरी कैस्केड्स पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में कैस्केड पर्वत शृंखला का हिस्सा है। यह दुनियाभर के पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र है। कैस्केड पर्वत शृंखला ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा और वाशिंगटन के बीच फैली हुई है। यह क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाले हिमनद और अल्पाइन इलाके के लिए जाना जाता है। खबर के अनुसार, वाशिंगटन के ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि उत्तरी कैस्केड्स रॉक क्लाइम्बिंग दुर्घटना सप्ताहांत हुई।

माजामा से लगभग 16 मील पश्चिम में नॉर्थ अर्ली विंटर्स स्पायर के पास एक खड़ी खाई के किनारे से नीचे उतरते समय उनके उपकरण विफल हो गए। चौथे पर्वतारोही को गिरने से आंतरिक रक्तस्राव और मस्तिष्क में गंभीर चोट लगी, लेकिन वह बच गया। वह वाशिंगटन पास के पूर्व में ट्रेलहेड पर वापस चला गया। उसने रविवार को लगभग 11:30 बजे 911 पर कॉल कर दुर्घटना की जानकारी साझा की।

शेरिफ कार्यालय ने इन पर्वतारोहियों के नाम जारी नहीं किए हैं, लेकिन कहा है कि वे 36, 47 और 63 वर्ष के थे। ओकानोगन काउंटी खोज और बचाव समन्वयक क्रिस्टीना वुडवर्थ ने कहा कि यह हादसा शनिवार देररात या रविवार सुबह हुआ। वुडवर्थ ने कहा कि जीवित बचे व्यक्ति को गिरने वाली जगह से खुद को निकालने और अपने वाहन तक वापस चलने में कई घंटे लगे होंगे। ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय के बयान के अनुसार स्नोहोमिश काउंटी हेलीकॉप्टर बचाव दल ने तीनों के शव बरामद कर लिए हैं।

क्या नवाज शरीफ की कूटनीतिक कोशिश ने बचा ली शाहबाज शरीफ की कुर्सी

इस्लामाबाद,13 मई (एजेंसियां)।
अमेरिका से सीजफायर की खबर आने से पहले ही लंदन से पूर्व पीएम नवाज शरीफ पाकिस्तान पहुंच चुके थे। परिवार से लेकर पार्टी की बैठकों तक सबसे बड़ा मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर ही था। फिर बतौर पीएमएल-एन प्रमुख उस सरकारी मीटिंग में भी शामिल हुए, जिसमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री और उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

नवाज के पाकिस्तान पहुंचते ही खबर आई थी कि वे अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को समझाने बुझाने के मकसद से लौटे हैं। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन की ही फिलहाल पाकिस्तान में सरकार है, और प्रधानमंत्री शरीफ उनके छोटे भाई हैं। नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं। रिपोर्ट में कहा गया था, नवाज शरीफ चाहते हैं कि परमाणु

हथियारों से लैस दोनों मुल्कों के बीच शांति बहाल करने के लिए पाकिस्तान की सरकार सभी संभव और उपलब्ध कूटनीतिक संसाधनों का इस्तेमाल करे। नवाज ने तभी कहा था, मैं भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के पक्ष में नहीं हूं।

अब सीजफायर के बाद ये समझना जरुरी हैं कि नवाज की कूटनीतिक कोशिशों का ज्यादा फायदा शहबाज को मिला या आसिम मुनीर को

दरअसल नवाज ने पीएम शहबाज को '99 जैसी फजीहत से बचा लिया है सब कुछ पानी की तरह साफ था। नवाज शरीफ अच्छी तरह जनाते थे कि पीएमएल-एन सरकार और मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज के सामने भी 1999 जैसी ही चुनौती खड़ी हो चुकी है। बल्कि, तब से भी कहीं ज्यादा मुश्किल। कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज घुसपैठ कर चुकी थी, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना सरहद से 100 किलोमीटर पाकिस्तान के भीतर आकर आतंकवादियों के ठिकाने तबाह कर चुकी है।

लिहाजा, पहला चैलेंज यही था कि जैसे भी मुमकिन हो, हर हाल में कारगिल जैसे हालात न आने दिया जाए। कारगिल जंग में मिली फजीहत से बचा जा सके। पाकिस्तानी फौज पर तब भी राजनीतिक नेतृत्व पर हावी थी, हालात अब भी बिल्कुल वैसे ही हैं। बस आर्मी चीफ का नाम बदल कर परवेज मुशर्रफ से आसिम मुनीर हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ भले ही वाहवाही लूट ले, लेकिन तमाम कोशिशों में नवाज शरीफ की भी एक भूमिका है। नवाज शरीफ ने भाई को कारगिल वाली फजीहत से बचा ही लिया है। नवाज के कूटनीतिक चैनलों में हाथ आजमाने का नतीजा अगर सीजफायर है, तब सीधे सीधे दूसरे लाभार्थी आसिम मुनीर ही हैं। ये बात अलग है कि अमन के ऐलान के तीन घंटे में ही सीजफायर का उल्लंघन भी सामने आ गया। सीजफायर की घोषणा के बाद सरहद से हुई फायरिंग बेशक पाकिस्तानी अवाम को कुछ समझाने का एक खास तरीका हो, लेकिन तभी ये नवाज शरीफ के खिलाफ आसिम मुनीर की खुन्नस की नुमाइश भी लगती है। शहबाज शरीफ की कुर्सी मुनीर की कृपा पर ही बनी हुई है। कारगिल की शिकस्त के बाद परवेज मुशर्रफ ने तख्तापलट कर दिया था, और नवाज बेदखल करके सत्ता पर काबिज हो गए थे।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली ,13 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अपनी मैच जिताऊ शतकीय पारी की बदौलत बल्लेबाजों की आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 116 रन की पारी खेलते हुए मंधाना ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक भी लगाया था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद मंधाना ने 727 रेटिंग अंक प्राप्त किए हैं और वह अब नंबर एक बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट से केवल 11 अंक पीछे हैं। मंधाना की टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स भी अपनी शानदार 123 रनों की पारी की बदौलत 5 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वोच्च 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 93 रन बनाकर 13 स्थान ऊपर चढ़ते हुए संयुक्त 32वें स्थान पर पहुंची हैं।

रनर-अप श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने 2 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त सातवां स्थान प्राप्त किया है जबकि विश्मी गुनारत्ने 8 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गई हैं। अनुश्का संजीवनी ने सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए 19 स्थान ऊपर चढ़कर 75वें स्थान पर जगह बनाई है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका का टीम प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन उनके बल्लेबाजों ने व्यक्तिगत तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया। उप-कप्तान क्लोई ट्रायन ने 67 और 74 रनों की पारी खेली और 9 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। ट्रायन ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में हैट्रिक भी ली, जिसके बाद वह 14 स्थान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर आ गईं। साथ ही उन्होंने ऑलराउंडर्स की सूची में 3 स्थान ऊपर चढ़कर 11वां स्थान हासिल किया।

आलराउंडर और गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव

ट्रायन की साथी ताजमिन ब्रिट्स, अनेरी डर्कसेन और नादिन डी क्लर्क भी क्रमश: 32वें, 50वें और 54वें स्थान पर पहुंची हैं। डर्कसेन ने ऑलराउंडर्स सूची में 19 स्थान की छलांग लगाई और 44वें स्थान पर पहुंची हैं। महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप 20 में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन भारत की स्नेह राणा 4 स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वोत्तम संयुक्त 34वें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका की सुगांदिका कुमारी भी 4 स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर आ गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, ग्रीन की वापसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 फाइनल के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को 15 सदस्यों में शामिल किया गया है, जो बाद के कैरेबियाई दौरे में भी खेलेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल लॉर्ड्स में 11 जून से खेला जाना है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक बयान में कहा, भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हराने के बाद टीम ने श्रीलंका में एक प्रभावशाली श्रृंखला जीत के साथ डब्ल्यूटीसी चक्र का समापन किया। इन सीरीज ने दो साल के चक्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और अब हमारे पास विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को बचाने का अविश्वसनीय रूप से रोमांचक अवसर है। कैमरन ग्रीन पीठ की सर्जरी से उबरने के बाद टेस्ट टीम में वापस आ गए हैं, जबकि शेफील्ड शील्ड के फाइनल के खिलाड़ी ब्रेंडन डोगेट को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में नामित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया आईसीसी इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी से फाइनल से पहले अपनी टीम में बदलाव कर सकता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर। ट्रैवलिंग रिजर्व: ब्रेंडन डोगेट।

फ्रेंच ओपन 2025 से पहले जोकोविच और कोच एंडी मरे हुए अलग

नई दिल्ली। सर्बियाई टेनिस चैंपियन नोवाक जोकोविच और एंडी मरे ने छह महीने के बाद अपनी कोचिंग साझेदारी समाप्त कर दी है। इसकी घोषणा सोशल मीडिया पर की गई है। जोकोविच ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कोच एंडी, पिछले छह महीनों में कोर्ट पर और बाहर की सारी मेहनत, मौज-मस्ती और समर्थन के लिए आपका धन्यवाद। मुझे हमारी दोस्ती को और गहरा करने में बहुत मज़ा आया। पूर्व विश्व नंबर एक मरे इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन से कुछ समय पहले कोच के रूप में अपने पूर्व ऑन-कोर्ट प्रतिद्वंद्वी के साथ शामिल हुए, जहां जोकोविच अलेक्जेंडर ज़ेवरेव से हारने से पहले सेमीफ़ाइनल में पहुंचे थे। हालांकि, यह साझेदारी अब नहीं रहेगी क्योंकि जोकोविच क्ले सीज़न के दौरान अपने खराब फॉर्म को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह जिनेवा ओपन से होगी और 25 मई को रोलैंड गैरोस में अपने चौथे फ्रेंच ओपन खिताब की तलाश में हैं। मरे ने कहा, नोवाक को साथ काम करने के अविश्वसनीय अवसर के लिए धन्यवाद और पिछले छह महीनों में उनकी कड़ी मेहनत के लिए उनकी टीम को धन्यवाद। मैं नोवाक को बाकी सीज़न के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

कार्लो एंसेलोटी बने ब्राज़ील फुटबॉल टीम के नए कोच, मई के अंत में छोड़ेंगे रियल मैड्रिड

नई दिल्ली। इटली के दिग्गज फुटबॉल मैनेजर कार्लो एंसेलोटी अब ब्राज़ील पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की

कमान संभालेंगे। ब्राज़ील फुटबॉल संघ (सीबीएफ) ने सोमवार को यह घोषणा की। एंसेलोटी इस सीजन के अंत में रियल मैड्रिड छोड़ देंगे और जून से ब्राज़ील के कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे। ब्राज़ील फुटबॉल संघ ने की पुष्टि सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने एक बयान में कहा, कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील लाना सिर्फ एक रणनीतिक कदम नहीं है, बल्कि यह दुनिया को यह दिखाने का ऐलान है कि हम फिर से शीर्ष पर लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, वह इतिहास के सबसे महान कोच हैं और अब वह दुनिया की सबसे महान राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करेंगे। हम साथ मिलकर ब्राज़ीलियाई फुटबॉल का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे। रियल मैड्रिड में शानदार लेकिन बिना ट्रॉफी का आखिरी सीजन एंसेलोटी रियल मैड्रिड के सबसे सफल मैनेजर रहे हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने अब तक 15 खिताब जीते, लेकिन 2024-25 का सीजन वह बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त करेंगे। ब्राज़ील में होगी पहली जिम्मेदारी वर्ल्ड कप क्वालीफायर एंसेलोटी ब्राज़ील के पहले विदेशी कोच बनेंगे। वह डोरिवाल जूनियर की जगह लेंगे, जिन्हें अर्जेंटीना से 4-1 की हार के बाद मार्च में बर्खास्त कर दिया गया था।

आईपीएल 2025 का बदला हुआ शेड्यूल जारी : 17 मई से फिर शुरू होगा टूर्नामेंट, 3 जून को फाइनल

भारत-पाक तनाव के चलते 9 मई को रोका गया था टूर्नामेंट, अब छह शहरों में होंगे बचे हुए मुकाबले

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार देर रात इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट अब 17 मई से दोबारा शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा। आईपीएल को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण 9 मई को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब बाकी बचे 17 मुकाबले बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। प्लेऑफ के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

इन तारीखों पर होंगे प्लेऑफ मुकाबले

प्लेऑफ के चार मुकाबलों की तारीखें तय कर दी गई हैं:

- **क्वालिफायर 1:** 29 मई
- **एलिमिनेटर:** 30 मई
- **क्वालिफायर 2:** 1 जून
- **फाइनल:** 3 जून

टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होने के बाद कुल 17 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें दो डबल हेडर (रविवार को) होंगे। कुल मिलाकर 13 लीग मुकाबले और 4 प्लेऑफ मैच बाकी हैं।

आरसीबी और केकेआर के बीच 17 मई को होगा पहला मुकाबला - आईपीएल के फिर शुरू होने के साथ पहला मुकाबला 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। वहीं 8 मई को धर्मशाला में अधूरा छोड़ा गया पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का मुकाबला अब 24 मई को जयपुर में होगा, जो पंजाब का अस्थायी होम ग्राउंड होगा। पंजाब को 26 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी जयपुर में ही खेलना होगा। पहले यह मैच धर्मशाला में होना था। रविवार के डबल हेडर्स में होंगे ये मुकाबले 18 मई (रविवार): दोपहर 3:30 बजे: राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग, शाम 7:30 बजे: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस, 25 मई (रविवार): दोपहर 3:30 बजे: गुजरात टाइटंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, शाम 7:30 बजे: सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, लीग चरण का अंतिम मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ में खेला जाएगा।

घरेलू मैदान से वंचित रह जाएंगी ये टीमें - शेड्यूल में बदलाव के चलते तीन टीमें—पंजाब, चेन्नई और हैदराबाद—अब अपने होम ग्राउंड पर कोई मुकाबला नहीं खेल पाएंगी। हालांकि चेन्नई और हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके हैं, लेकिन पंजाब को यह बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि वे 11 मैचों में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता बनी चुनौती - आईपीएल का फाइनल अब 3 जून को खेला जाएगा, जो इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 29 मई से शुरू हो रही एकदिनी सीरीज के साथ टकराएगा। इससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी), शामार जोसेफ (एलएसजी) और शेरफेन रदरफोर्ड (गुजरात) आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो सकते हैं। इंग्लैंड की टीम ने स्क्वॉड की घोषणा नहीं की है, लेकिन जोस बटलर, फिल सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, विल जैक्स और रीसे टॉपली जैसे खिलाड़ी भी प्रभावित हो सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल और इंडिया ए दौरे पर भी असर - आईपीएल फाइनल के सिर्फ सात दिन बाद 11 जून से इंग्लैंड के लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। आईपीएल में खेल रहे कई ऑस्ट्रेलियाई और दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों पर इसका असर पड़ सकता है। वहीं 30 मई से शुरू हो रहे इंडिया ए के इंग्लैंड दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों की उपलब्धता भी अब संदेह में है।

टीमों को फिर से जोड़ने की चुनौती - बीसीसीआई के अनुसार, आईपीएल को दोबारा शुरू करने से पहले सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया। अब फ्रेंचाइजियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी—खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को फिर से भारत बुलाना। गुजरात टाइटंस को इसका सबसे कम असर पड़ा है क्योंकि उनके सिर्फ दो विदेशी खिलाड़ी (बटलर और कोएट्जी) बाहर गए थे और बाकी टीम अहमदाबाद में अभ्यास कर रही थी।

पाक टीम के नए व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त हुए माइक हेसन

नई दिल्ली , 13 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को माइक हेसन को राष्ट्रीय पुरुष टीम का नया व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त किया है। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी को 26 मई को कार्यभार संभालना है और उनके अनुबंध की अवधि अभी तक ज्ञात नहीं है।

50 वर्षीय हेसन के पास कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वे 2012-18 तक न्यूजीलैंड पुरुष टीम के प्रभारी रहे हैं। इस अवधि में टीम ने सभी प्रारूपों में अपार सफलता हासिल की। हेसन ने 2019-23 तक इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में भी काफी सफल कार्यकाल बिताया। वर्तमान में, वह इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच हैं, जिसने 2024 पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब जीता था।

पाकिस्तान के कोच के रूप में हेसन का पहला काम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज़ होगी, लेकिन उन मैचों का शेड्यूल बदल सकता है। वह अकीब जावेद की जगह लेंगे, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में गैरी कर्स्टन के अचानक इस्तीफ़े के बाद अंतरिम व्हाइट-बॉल कोच के रूप में काम किया था।

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने हेसन की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि अनुभवी कोच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की सफलता की कहानियों को फिर से स्थापित करने में मदद करेंगे।

पीसीबी की ओर से जारी विज्ञप्ति में नकवी ने कहा, मुझे न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर कोच माइक हेसन को पाकिस्तान की पुरुष टीम के व्हाइट-बॉल हेड कोच के रूप में नियुक्त करते हुए खुशी हो रही है। माइक अपने साथ अंतरराष्ट्रीय अनुभव का खजाना और प्रतिस्पर्धी टीमों को विकसित करने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। हम पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहे हैं। टीम में आपका स्वागत है, माइक!

ब्रिटेन में फुटबॉल चैम्पियनशिप

ब्रिटेन में फुटबॉल चैम्पियनशिप में खेलते हुए शैफील्ड यूनाइटे व ब्रिस्टल सिटी के खिलाड़ी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित, एनगिडी की वापसी

नई दिल्ली , 13 मई (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 फाइनल के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टेम्बा बावुमा 15 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे, जिसमें तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की भी वापसी हुई है, जो चोट के कारण गर्मियों में घरेलू सीरीज से बाहर रहे थे। एनगिडी तेज गेंदबाजी लाइनअप में शामिल हो गए हैं, जिसमें कगिसो रबाडा, मार्को जेनसन, डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश शामिल हैं। केशव महाराज सेनुरन मुथुसामी के साथ स्पिन विभाग संभालेंगे। मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, पिछले 18 महीनों में, हमने एक प्रतिस्पर्धी रेड-बॉल इकाई बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और यह उपलब्धि उस प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने कहा, हमारी सफलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चयन में निरंतरता है और हम उन खिलाड़ियों के मुख्य समूह के साथ बने हुए हैं जो इस डब्ल्यूटीसी चक्र का हिस्सा रहे हैं। हमने लॉर्ड्स में अपेक्षित परिस्थितियों के लिए एक संतुलित टीम का चयन किया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम इस प्रकार है-

टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, मार्को जेनसन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरिन, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन।

इटालियन ओपन 2025: जैनिक सिनर की डोपिंग बैन से शानदार वापसी, प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया के नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन 2025 में डोपिंग बैन से वापसी के बाद लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। सोमवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने डच क्वालिफायर जेस्पर डी योंग को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली। यह उनका होम क्राउड के सामने पहला टूर्नामेंट है, और फैन्स का जोश चरम पर नजर आया।

पहले सेट में दिखी चूक, फिर की जोरदार वापसी - मैच की शुरुआत में सिनर ने 4-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन कुछ गलत ड्रॉप शॉट्स, एक डबल फॉल्ट और अन्य त्रुटियों की वजह से डी योंग ने स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। हालांकि इसके बाद सिनर ने अपने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स और तेज सर्व के दम पर मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ सिनर की जीत की लय अब 23 मुकाबलों तक पहुंच गई है, जो अक्टूबर 2024 से जारी है। यह इटालियन ओपन उनके लिए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहला टूर्नामेंट है।

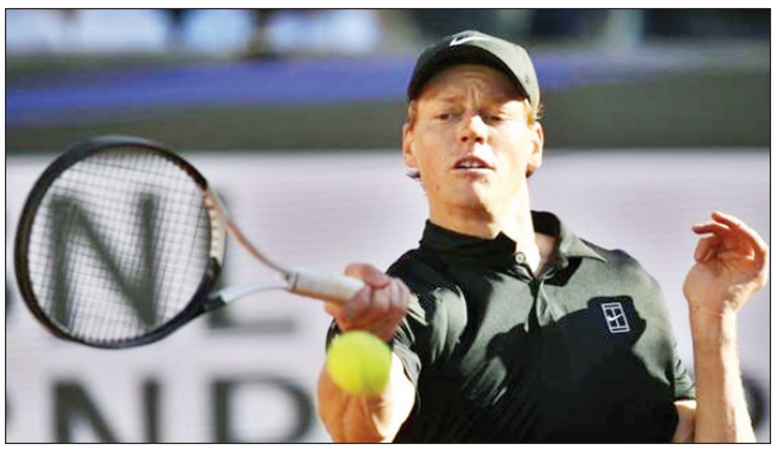

डोपिंग बैन के बाद उठे थे सवाल - फरवरी में वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के साथ समझौते के तहत सिनर को तीन महीने का बैन झेलना पड़ा। यह फैसला विवादों में रहा क्योंकि इसकी टाइमिंग कुछ ऐसी रही कि वे कोई ग्रैंड स्लैम मिस नहीं कर पाए और सीधे अपने होम टूर्नामेंट से वापसी कर पाए।

फैन्स का भरपूर समर्थन, अगला मुकाबला सेरुंडोलो से - शनिवार को पहले राउंड में मारियानो नवोन पर जीत की तरह ही इस मैच में भी रोम के फोरो इटालिको स्टेडियम में मौजूद फैन्स ने वाय जैनिक के नारे लगाकर उन्हें पूरा समर्थन दिया। अगले राउंड में अब उनका सामना अर्जेंटीना के 17वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जो मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

खेल भावना भी दिखी, डी योंग की मदद को आए आगे - दूसरे सेट के दौरान डी योंग एक पासिंग शॉट के प्रयास में गिर पड़े और उनकी कलाई चोटिल हो गई। सिनर तुरंत नेट के पार जाकर उनका हालचाल जानने पहुंचे, उन्होंने उनके रैकेट का हैंडल पोंछा और मेडिकल टीम को बुलाया। डी योंग ने इसके बाद मेडिकल ट्रीटमेंट के बाद मैच खेला।

अन्य मुकाबलों में गॉफ, डी मिनौर और पाओलिनी ने मारी बाजी - पुरुषों में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने ह्यूगो डेलियन को हराया, हालांकि मैच के दौरान एक दर्शक की तबीयत बिगड़ने और एयरफोर्स फ्लाईओवर के चलते दो बार मैच रुका। महिलाओं में कोको गॉफ ने एमा राडुकानु को 6-1, 6-2 से हराकर जोरदार जीत दर्ज की। पेयटन स्टर्न्स ने नाओमी ओसाका को तीन सेटों तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 3-6, 7-6 (4) से हराया। वहीं जैस्मिन पाओलिनी ने पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको को 7-5, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन 25 मई से शुरू होने वाला है, ऐसे में इटालियन ओपन उसके लिए आखिरी बड़ा वार्मअप टूर्नामेंट माना जा रहा है। जैनिक सिनर की वापसी और लय दोनों रोम के दर्शकों को काफी उम्मीदें दे रही हैं।

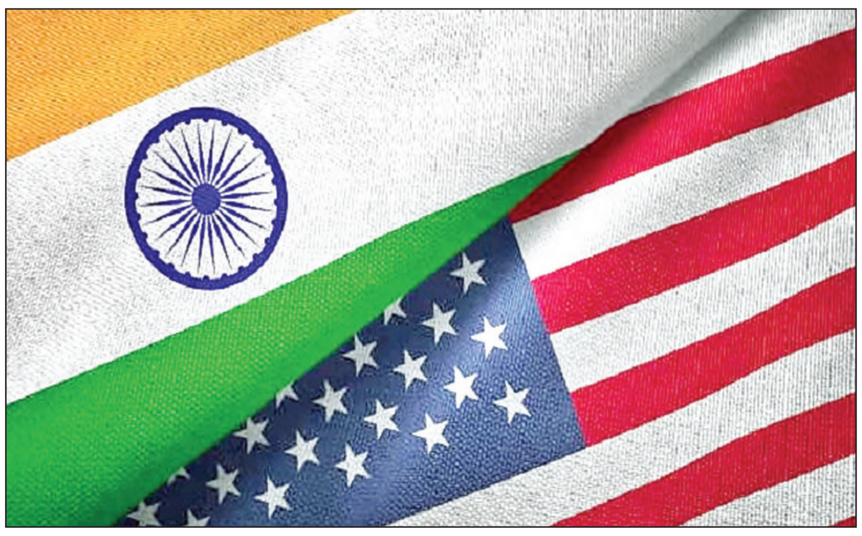

भारत ने डब्ल्यूटीओ में अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के स्टील पर शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारत भी अब अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में स्टील और एल्युमीनियम पर अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन को दिए नोटिस में कहा है कि भारत छूट को समाप्त कर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा सकता है। भारत ने डब्ल्यूटीओ को स्टील और एल्युमीनियम पर वाशिंगटन के शुल्कों के जवाब में कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ व्यवस्था के खिलाफ उसकी पहली जवाबी कार्रवाई है, जबकि दोनों देश व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत का यह फैसला व्यापार हित की रक्षा और वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारत का कहना है कि ये शुल्क एल्यूमिनियम और स्टील पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में होगा। भारत ने डब्लूटीओ को बताया है कि अमेरिका भारतीय स्टील और एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क वसूल रहा है। भारत का कहना है कि अमेरिका के स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने से उसके करीब 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है लेकिन अमेरिका को इस ड्यूटी से 1.91 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। विश्व व्यापार संगठन को दिए गए प्रस्ताव में भारत ने यह दावा किया है कि अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ के सामान्य व्यापार और टैरिफ समझौते (ड्डद्धद्ध) 1994 और सुरक्षा उपाय पर समझौते का उल्लंघन किया है।

न्यूज ब्रीफ

कोलकाता में पेट्रोल 40 पैसे और डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ

कोलकाता। तेल विपणन कंपनियों के ईंधन की मूल कीमत में पुनर्समायोजन के बाद कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई। इस संशोधन से 12 मई से शहर में पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.02 रुपये प्रति लीटर हो गई है। प्रमुख तेल विपणन कंपनी के अधिकारी ने कहा कि पेट्रोल की कीमत में 40 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। हालांकि, इसके विपरीत पटना में डीजल की कीमत में 60 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई जबकि अन्य पूर्वी राज्यों में ईंधन की कीमतें यथावत रहीं। मूल कीमत की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और विभिन्न परिचालन व तार्किक कारकों के आधार पर समायोजित की जाती है।

रियल एस्टेट केंद्रित एसजीआरई फंड ने एनसीआर में 125 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली। रियल एस्टेट केंद्रित वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) एसजीआरई फंड ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दो संकटग्रस्त आवासीय परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एसजीआरई फंड के प्रमुख प्रवर्तक ने बताया कि फंड ने पहले ही दो परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये लगाए हैं और वो जल्द ही अन्य परियोजनाओं में भी निवेश करेंगे। एसजीआरई फंड एक योजना-आधारित फंड है, जिसने अपने खंड का विस्तार करने के लिए दूसरी योजना के लिए भी आवेदन किया है, जिसका कुल आकार 500 करोड़ रुपये तक है। उन्होंने बताया कि कोई भी रियल एस्टेट कंपनी हमारे एआईएफ से फंड के लिए आवेदन कर सकती है। हमारा विधि व तकनीकी दल व्यवहार्यता की जांच करता है और जांच की मानक प्रक्रिया के बाद, वे अंतिम मंजूरी के लिए स्थायी समिति को प्रस्ताव की सिफारिश करते हैं। ऐसी परियोजनाएं वित्त पोषण के लिए पात्र होंगी जिन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य है, जो भूमि स्वामित्व को लेकर स्पष्ट हैं और जिन्हें कोई कानूनी मुद्दा नहीं है।

ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़े तो कंपनी देगी यूजर्स को हर्जाना

नई दिल्ली। ऐपल के प्रोडक्ट अब भारत में खूब पसंद किए जा रहे हैं। कंपनी ने चीन से हटकर भारत को

अपना ठिकाना बना लिया है और आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच की दीवानगी भारतीय में बढ़ती जा रही है। इस बीच ऐपल के ग्राहकों के लिए कंपनी ने कुछ खामियों के चलते अपने हर डिवाइस पर 1,700 रुपए का हर्जाना देने की बात कही है। कंपनी पर यह मुसीबत क्योंढ आई और यूजर कैसे इस पैसे को क्ले म कर सकते हैं। यह मामला ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़ा है। अगर आपने भी ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्ते्माल किया है तो आप भी कंपनी से क्लेकम ले सकते हैं। कंपनी ने एक लंबे मुकदमे के बाद स्वीकार किया कि अगर ग्राहक की अनुमति के बिना सीरी ने किसी यूजर की प्राइवेट बातचीत रिकॉर्ड की है तो ट्रांसपरेंसी कानून के तहत ऐपल इसके एवज में हर्जाना भरेगी। कंपनी को इस तरह के मामलों में कुल करीब 9.5 करोड़ डॉलर का हर्जाना भरना है। कंपनी ने कहा कि ऐपल के करीब सभी प्रोडक्टक में सीरी वाइस असिस्टें ट का इस्तेनमाल होता है, अगर किसी डिवाइस में गलती से यह ऑन हो गया है और यूजर्स की प्राइवेट बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है तो इसके ऐवज में कंपनी उस यूजर को हर्जाने का भुगतान करेगी। यह समस्याप शुरू हुई थी साल 2019 से, जब कुछ यूजर्स ने ऐपल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कंपनी ने इस बात से इनकार किया कि उसने ग्राहकों की आवाज का इस्तुेमाल एड या अन्यय मार्केटिंग के लिए किया है, लेकिन बाद में उनकी आवाज रिकॉर्ड किए जाने को लेकर माफी मांगी और इसे बंद करने का भरोसा दिलाया। जिन यूजर्स ने 17 सितंबर, 2014 से 31 दिसंबर, 2024 तक ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्तेमाल किया है वह इस हर्जाने के लिए क्लेतम कर सकते हैं। कंपनी ने इस सेटलमेंट के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां यूजर अपना क्लेम कर सकते हैं और कंपनी भुगतान के बाद इसकी जानकारी भी देगी। कंपनी का कहना है कि उसके डिवाइस आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच, होमपैड, मैक, ऐपल टीवी और आईफोन टच में से किसी में भी सीरी ने बिना ग्राहक की अनुमति के उनकी आवाज रिकॉर्ड की है, तो यह क्लेसम किया जा सकता है।

चीन अमेरिका के व्यापार युद्ध से निपटने लैटिन अमेरिकी देशों से हाथ मिलाएगा

चीन ने बीजिंग में एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया

ताइपे, 13 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न व्यापार युद्ध से निपटने के लिए चीन अन्य देशों के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया। चीन के नेताओं ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी और अन्य नीतियों से उत्पन्न अनिश्चितता एवं अस्थिरता की पृष्ठभूमि में खुद को एक विश्वसनीय व्यापार तथा वृद्धि भागीदार के रूप में पेश किया है। वहीं अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को जानकारी दी थी। अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए कदम उठाने के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यहां चीन-सीईएलएसी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन विशुद्ध राजनीतिक तथा गुटीय टकराव की बढ़ती हुई स्थिति तथा एकतरफावाद एवं संरक्षणवाद की बढ़ती लहर से निपटने के लिए लैटिन देशों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है। इस फोरम की शुरुआत 2015 में की गई थी। उन्होंने कहा कि शुल्क युद्धों या व्यापार युद्धों से किसी की जीत नहीं होती। चीन ने अमेरिकी शुल्कों को लेकर भी कई बार इसी तरह की बात कही है। फोरम में हिस्सा लेने वाले लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई अधिकारियों में ब्राजील, चिली और कोलंबिया के राष्ट्रपति शामिल हैं। शी ने चीन और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए राजनीतिक आदान-प्रदान, आर्थिक वृद्धि, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैश्विक सुरक्षा पर केंद्रित पांच कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने इस क्षेत्र से आयात को बढ़ावा देने और चीनी कंपनियों को वहां अपना निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का वादा किया।

वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में हैः विश्व व्यापार प्रमुख

तोक्यो। विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला ने मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगारू इशिबा से मुलाकात की। इवेला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक ने इशिबा से कहा कि खुले बाजारों में अग्रणी होने के नाते उन्हें जापान से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने तेजी से बदलते शुल्क एवं अन्य नीतियों के साथ विश्व वाणिज्य को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार वर्तमान में बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा है और यह काफी कठिन है। जापान के विदेश मंत्रालय ने उनके हवाले से कहा कि हमें इस संकट का इस्तेमाल हमारे सामने मौजूद चुनौतियों को हल करने के अवसर के रूप में करना चाहिए और व्यापार में नए रुझानों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के अग्रणी के तौर पर जापान को विश्व व्यापार संगठन को बनाए रखने, मजबूत करने तथा बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए गए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को घोषणा की थी। जापान उन देशों में से है जो अभी तक अमेरिकी प्रशासन के साथ मोटर वाहन, इस्पात तथा एल्युमीनियम सहित शुल्क में बढ़ोतरी पर कोई समझौता नहीं कर पाए हैं। जापानी अधिकारियों ने बताया कि ओकोंजो-इवेला बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने और सुदृढ़ करने के लिए जापान तथा विश्व व्यापार संगठन के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की यात्रा पर हैं। ओकोंजो-इवेला का विदेश मंत्री ताकेशी इवाया, वित्त मंत्री कात्सुनोबु काटो और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री योजी मुटो से भी मिलने का कार्यक्रम है।

ग्रोसरी रिटेल कंपनी मोर लाएगी 2,000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

अगले 5 साल में 3,000 स्टोर खोलने की तैयारी

समारा कैपिटल और एमेजॉन समर्थित फूड एवं ग्रोसरी रिटेल कंपनी मोर रिटेल 12 से 18 महीने में आईपीओ के जरिये 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 2,000 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। मोर रिटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अगले पांच साल के दौरान विस्तार में सक्षम होने के लिए पर्याप्त पूंजी जुटाना चाहेंगे। वर्ष 2030 तक हम अपने स्टोरों की संख्या बढ़ाकर 3,000 पर पहुंचाना चाहते हैं। मौजूदा समय में मोर रिटेल के 775 स्टोर हैं। आईपीओ का समय हालांकि बाजार की स्थिति पर निर्भर करेगा। लेकिन मौजूदा प्रमोटरों समारा और एमेजॉन से किसी बड़ी बिक्री पेशकश (ओएफएस) की संभावना नहीं है। कंपनी में समारा की 51 फीसदी हिस्सेदारी है जबकि एमेजॉन की भागीदारी 48 फीसदी है। शेष हिस्सेदारी एचएनआई और अन्य की है। प्राप्त रकम का इस्तेमाल कंपनी विस्तार योजनाओं के वित्त पोषण के अलावा कर्ज चुकाने पर करेगी।

टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट 2025 जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स अपनी धांसू हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्टेड वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। कंपनी ने इसकी लॉन्च डेट 22 मई, 2025 तय की है। टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को टेस्टिंग के अंतिम दौर में देखा गया है। लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को नए एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और एलईडी टेललाइट्स के साथ देखा गया है, जो कार के लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। इसके अलावा, टाटा ने पहली बार अल्ट्रोज में कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स भी दिए हैं, जो इसे और भी मॉडर्न लुक देते हैं। इसके अलावा, फ्लश डोर हैंडल्स को भी शामिल किया गया है, जो कार की डिजाइन को और स्मूद बनाते हैं। टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट के केबिन में भी कई बदलाव किए गए हैं। अब इसमें एक नया डैशबोर्ड मिलेगा, जबकि 10.2 इंच की फ्री-स्टैंडिंग इंफोटेनमेंट स्क्रीन को और बेहतर तरीके से रखा गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की ओर आंख...

वे कायरों की तरह छिपकर आए थे, लेकिन वे यह भूल गए, उन्होंने जिसे ललकारा है, वो हिन्द की सेना है। आपने उन्हें सामने से हमला करके मारा, आपने आतंक के तमाम बड़े अड्डों को मिट्टी में मिला दिया, 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद हुए, 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई, आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया है, भारत की ओर नजर उठाने का एक ही अंजाम होगा, तबाही! भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा, विनाश और महाविनाश! जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की सेना, भारत की एयरफोर्स और भारत की नेवी ने, उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। आपने पाकिस्तानी फौज को भी बता दिया है, पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है, जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। और हमारे ड्रोन्स, हमारी मिसाइलें, उनके बारे में तो सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। कौशल दिखलाया चालों में / उड़ गया भयानक भालों में / निर्भीक गया वह ढालों में / सरपट दौड़ा करवालों में... ये पंक्तियां महाराणा प्रताप के प्रसिद्ध घोड़े चेतक पर लिखी गई हैं, लेकिन ये पंक्तियां आज के आधुनिक भारतीय हथियारों पर भी फिट बैठती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर से आपने देश का आत्मबल बढ़ाया है, देश को एकता के सूत्र में बांधा है, और आपने भारत की सीमाओं की रक्षा की है, भारत के स्वाभिमान को नई ऊंचाई दी है। आपने वो किया, जो अभूतपूर्व है, अकल्पनीय है, अद्भुत है। हमारी एयरफोर्स ने पाकिस्तान में इतना डीप, आतंक के अड्डों को टारगेट किया। सिर्फ 20-25 मिनट के भीतर, सीमापार लक्ष्यों को भेदना, बिल्कुल पिन पॉइंट टारगेट्स को हिट करना, ये सिर्फ एक मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस, प्रोफेशनल फोर्स ही कर सकती है। आपकी स्पीड और प्रिसीजन, इस लेवल की थी, कि दुश्मन हक्का-बक्का रह गया। उसको पता ही नहीं चला कि कब उसका सीना छलनी हो गया।हमारा लक्ष्य, पाकिस्तान के अंदर आतंकी हेडक्वार्टर को हिट करने का था, आतंकियों को हिट करने का था। लेकिन पाकिस्तान ने अपने यात्री विमानों को सामने करके जो साजिश रची, मैं कल्पना कर सकता हूं, वो पल कितना कठिन होगा, जब सिविलियन एयरक्राफ्ट दिख रहा है, और मुझे गर्व है आपने बहुत सावधानी से, बहुत सतर्कता से सिविलियन एयरक्राफ्ट को नुकसान किए बिना, तबाह करके दिखाया, उसका जवाब दे दिया आपने। मैं गर्व के साथ कह सकता हूं, कि आप सभी अपने लक्ष्यों पर बिल्कुल खरे उतरे हैं। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और उनके एयरबेस ही तबाह नहीं हुए, बल्कि उनके नापाक इरादे और उनके दुस्साहस, दोनों की हार हुई है।ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए दुश्मन ने इस एयरबेस के साथ-साथ, हमारे अनेक एयरबेस पर हमला करने की कई बार कोशिश की। बार-बार उसने हमें टारगेट किया, लेकिन पाक के नाकाम, नापाक इरादे हर बार नाकाम हो गए। पाकिस्तान के ड्रोन, उसके यूएवी, पाकिस्तान के एयरक्राफ्ट और उसकी मिसाइलें, हमारे सशक्त एयर डिफेंस के सामने सब के सब ढेर हो गए। मैं देश के सभी एयरबेस से जुड़ी लीडरशिप की, भारतीय वायुसेना के हर एयर-वॉरियर की हृदय से सराहना करता हूं, आपने वाकई बहुत शानदार काम किया है।प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान समेत पूरे विश्व को चुनौती देते हुए कहा, आतंक के विरुद्ध भारत की लक्ष्मण रेखा अब एकदम स्पष्ट है। अब फिर कोई टैरर अटैक हुआ, तो भारत जवाब देगा, पक्का जवाब देगा। ये हमने सर्जिकल स्ट्राइक के समय देखा है, एयर स्ट्राइक के समय देखा है, और अब तो ऑपरेशन सिंदूर, भारत का न्यू नॉर्मल है। और जैसा मैंने कल भी कहा, भारत ने अब तीन सूत्र तय कर दिए हैं, पहला, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देंगे। दूसरा, कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। तीसरा, हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। दुनिया भी भारत के इस नए रूप को, इस नई व्यवस्था को समझते हुए ही आगे बढ़ रही है।ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक क्षण भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है। इस दौरान हमारी सेनाओं का को-ऑर्डिनेशन, वाकई मैं कहूंगा, शानदार था। आर्मी हो, नेवी हो या एयरफोर्स, सबका तालमेल बहुत जबरदस्त था। नेवी ने समुद्र पर अपना दबदबा बनाया। सेना ने बॉर्डर पर मजबूती दी। और, भारतीय वायुसेना ने अटैक भी किया और डिफेंड भी किया। बीएसएफ और दूसरे बलों ने भी अद्भुत क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। वायुसेना और थलसेना ने शानदार काम किया है। और यही तो है, समन्वय, ये अब भारतीय सेनाओं के सामर्थ्य की एक मजबूत पहचान बन चुकी है।प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में मैनपावर के साथ ही मशीन का को-ऑर्डिनेशन भी अद्भुत रहा है। भारत के पारंपरिक एयर डिफेंस सिस्टम हों, जिन्होंने अनेक लड़ाइयां देखी हैं, या फिर आकाश जैसे हमारे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म हों, इनको एस-400 जैसे आधुनिक और सशक्त डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व मजबूती दी है। एक मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुकी है। पाकिस्तान की लाख कोशिश के बाद भी, हमारे एयरबेस हों, या फिर हमारे दूसरे डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर, इन पर आंच तक नहीं आई। और इसका श्रेय आप सभी को जाता है, और मुझे गर्व है आप सब पर, बॉर्डर पर तैनात हर सैनिक को जाता है, इस ऑपरेशन से जुड़े हर व्यक्ति को इसका श्रेय जाता है।आज हमारे पास नई और अग्रणी तकनीक का ऐसा सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान मुकाबला नहीं कर सकता। बीते दशक में एयरफोर्स सहित, हमारी सभी सेनाओं के पास, दुनिया की श्रेष्ठ टेक्नोलॉजी पहुंची है। लेकिन हम सब जानते हैं, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी होती हैं। कठिन और परिष्कृत सिस्टम को समन्वित करना, उन्हें दक्षता के साथ संचालित करना, एक बहुत बड़ा कौशल है। आपने तकनीक को रणनीति से जोड़कर दिखा दिया है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में, दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना अब सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है।प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई स्थगित की है। अगर, अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। ये जवाब, अपनी शर्तों पर, अपने तरीके से देंगे। और इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास, आप सबका धैर्य, शौर्य, साहस और सजगता है। आपको ये हौसला, ये जुनून, ये जज्बा, ऐसे ही बरकरार रखना है। हमें लगातार मुस्तैद रहना है, हमें तैयार रहना है। हमें दुश्मन को याद दिलाते रहना है, ये नया भारत है। ये भारत शांति चाहता है, लेकिन, अगर मानवता पर हमला होता है, तो ये भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी अच्छी तरह जानता है। इसी संकल्प के साथ, आइए एक बार फिर बोलें, भारत माता की जय। भारत माता की जय। भारत माता की जय। वंदे मातरम। वंदे मातरम। वंदे मातरम।

सैन्य कार्रवाई...

कृपया ध्यान दें कि जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी परिवर्तनों ने जमीन पर भी नई वास्तविकताओं को जन्म दिया है।उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तानी पक्ष द्वारा दिए गए बयान को देखा है। एक ऐसा देश जिसने औद्योगिक पैमाने पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया है, उसे यह सोचना चाहिए कि वह इसके परिणामों से बच सकता है, यह खुद को बेवकूफ बना रहा है। भारत द्वारा नष्ट किए गए आतंकवादी बुनियादी ढांचे न केवल भारतीयों की बल्कि दुनिया भर में कई अन्य निर्दोष लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार थे। अब एक नया नॉर्मल है। जितनी जल्दी पाकिस्तान इसे समझ लेगा, उतना ही बेहतर होगा।

रेवड़ी बांटने से नहीं...

यह कार्रवाई भी बहुत प्रभावी ढंग से हुई है। मेघालय में पर्यटन, खनन, आईटी और सेवाओं के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण में राज्य की उपलब्धियों की सराहना की तथा इसका श्रेय केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी नेतृत्व है जो अधिकारियों को सही दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। मेघालय की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि किसी राज्य की अर्थव्यवस्था सकल राज्य घरेलू उत्पाद से निर्धारित होती है। इसमें मेघालय में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा भी उपस्थित थे।

चुनाव आयोग ने ...

इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और भारत भर के सभी 4,123 विधानसभा क्षेत्रों के सभी 10.50 लाख मतदान केंद्रों के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों ने 99 करोड़ से अधिक मतदाताओं के संपूर्ण चुनावी डेटाबेस की खोज की। बताया गया कि जब 2005 में विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार अलग-अलग वोटर कार्ड जारी करने के दौरान अल्फान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग कर रहे थे। 2008 में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद इन श्रृंखलाओं को फिर से बदलना पड़ा। इस दौरान कुछ विधानसभाओं ने गलती से या तो पुरानी श्रृंखला का इस्तेमाल जारी रखा या टाइपोग्राफिक त्रुटियों के कारण उन्होंने कुछ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित श्रृंखला का इस्तेमाल किया। इस मुद्दे को लेकर वरिष्ठ टीएमसी नेता ने कहा कि हम तभी प्रतिक्रिया देंगे जब चुनाव आयोग रिकॉर्ड पर बोलेगा, न कि सूत्रों के माध्यम से।मार्च में पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग पर कवर-अप का आरोप भी लगाया था। टीएमसी ने एक ही मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज कराईं थीं। इसके बाद चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा था कि वह दशकों पुरानी डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारत के चुनावी रजिस्टर दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं।

सुरक्षा स्थिति की...

बैठक का उद्देश्य देश की सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाना और संभावित खतरों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेना था।भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बाद बीते 10 मई को शाम पांच बजे पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई। भारत से शिकस्त मिलने के बाद आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान अपने घुटने पर आया और तनाव रोकने की भीख मांगने लगा। हालांकि भारत ने अपने शर्तों के आधार पर ही संघर्ष विराम पर सहमति जताई है। इसके साथ ही भारत ने पड़ोसी को सख्त चेतावनी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि किसी भी प्रकार की आतंकी घटना या गतिविधि जंग की शुरुआत मानी जाएगी।गौरतलब है कि 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे। इन ठिकानों में आतंकियों को भर्ती किया जाता था। उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था। इतना ही नहीं भारतीय सेना के इस कार्रवाई में आतंकी मसूद अजहर के परिवार के दस लोगों की मौत हो गई।भारत का ये ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई के तौर पर था। बीते 22 अप्रैल मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी थी।

शोपियां में...

वह 8 अप्रैल 2024 को डेनिश रिसॉर्ट पर गोलीबारी की घटना में शामिल था, जिसमें दो जर्मन पर्यटक और ड्राइवर घायल हो गए थे। वह बेगबाग कुलगाम में एक भाजपा सरपंच और टीए कर्मी की हत्या में भी शामिल था। दूसरे आतंकवादी की पहचान अदनान शफी डार पुत्र मोहम्मद शफी डार निवासी वंडुना मेलहोरा के रूप में हुई है। मारे गए तीसरे आतंकी की पहचान की जा रही है। इससे पहले, शुकरू के जंगलों में सुरक्षाबलों को एक विशेष इनपुट मिलने के बाद वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई थी।दूसरी तरफ, पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकियों आदिल हुसैन ठोकर, अली भाई और हाशिम मूसा के पोस्टर भी जारी किए गए हैं। इन आतंकियों की सूचना देने पर 20 लाख रुपए का इनाम दिए जाने की भी घोषणा की गई है। पोस्टर उर्दू भाषा में छपे हैं। इसमें तीन अलग-अलग मोबाइल नंबर भी दिए गए हैं, जिन पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सैकड़ों रोहिंग्या...

शनिवार 9 मई को सीएम सरमा ने कहा था कि मटिया कैंप में अब मात्र 30-40 लोग बचे हैं और बाकी को बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, अब मटिया में केवल वही लोग हैं जिन्हें विदेशी घोषित किया जा चुका है और उनका मुकदमा चल रहा है। उनके अलावा कैंप से बाकी सभी लोग बांग्लादेश वापस चले गए हैं। यह भारत सरकार द्वारा किया गया एक ऑपरेशन था। असम ने भी इसमें हिस्सा लिया था।सीएम सरमा ने कहा, देश के अलग-अलग हिस्सों में पहचाने गए लोगों के साथ-साथ असम में घुसपैठिए के रूप में पहचाने गए लोगों को भी वापस धकेल दिया गया है। रोहिंग्या भी वापस चले गए हैं। मटिया कैंप अब लगभग मुक्त हो गया है और 30-40 लोग बचे हैं। सीएम सरमा ने बताया कि अब घुसपैठियों को बॉर्डर से ही वापस भेज दिया जाएगा।

पहले हम उन्हें हिरासत में लेते थे, मामला दर्ज करते थे, अदालत में पेश करते थे और जेल में डाल देते थे। लेकिन अब हमने फैसला किया है कि हम उन्हें अंदर नहीं लाएंगे और उन्हें सीमा से ही वापस खदेड़ देंगे।खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली पुलिस ने भी रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के खिलाफ ऑपरेशन चालू कर रखा है। दिल्ली पुलिस ने 40 रोहिंग्या घुसपैठियों को पकड़ कर अंडमान के रास्ते समुद्र में छोड़ दिया है ताकि वह म्यांमार वापस पहुंच सकें। रिपोर्ट में बताया गया कि यह कार्रवाई 7 मई 2025 को की गई। हालांकि, इसे लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में पड़ गई है। रोहिंग्या घुसपैठियों के समर्थन में मोहम्मद इस्माइल ने यह याचिका दायर की है। मोहम्मद इस्माइल ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस ने 43 रोहिंग्या को बायोमेट्रिक जानकारी लेने के नाम पर अपने साथ लिया और बाद में उन्हें अंडमान के रास्ते समुद्र में भेज दिया। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि यह देश केवल भारतीयों के रहने के लिए। रोहिंग्या या बांग्लादेशियों के लिए नहीं। सुप्रीम कोर्ट में इस याचिका को 31 जुलाई को सुनवाई होनी है। एक और रिपोर्ट में बताया गया है कि बीएसएफ ने 78 बांग्लादेशी घुसपैठियों को सुंदरबन के जंगल में छोड़ दिया है और उन्हें बांग्लादेशी सुरक्षाबलों ने बरामद किया है।

साल 2025 में गुरु 12 साल बाद मिथुन और कर्क राशि में करेंगे प्रवेश

आज मिथुन राशि में होगा गुरु का गोचर

साल 2025 ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास माना गया है। इसका कारण है शनि, गुरु और राहु-केतु का राशि परिवर्तन। दरअसल, यह सभी ग्रह एक लंबे समय के बाद राशि परिवर्तन करते हैं और यह संयोग इस वर्ष बना हुआ है। 29 मार्च 2025 के दिन न्याय के कारक शनि ने कुंभ से निकलकर मीन राशि में प्रवेश किया था। यह साल का सबसे पहला और बड़ा गोचर रहा है। अब इसके बाद 14 मई 2025 को रात 11:20 मिनट पर गुरु वृषभ से मिथुन राशि में गोचर करेंगे। यह शनि के बाद दूसरा सबसे अहम गोचर है, जिसका खास प्रभाव देश-दुनिया सहित व्यक्ति के निजी जीवन पर दिखाई देगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में गुरु का गोचर बहुत ही खास रहने वाला है। देवगुरु बृहस्पति करीब किसी एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं। इस वर्ष गुरु तीन बार अपनी राशि बदलेंगे, जिसके कारण गुरु अतिचारी होंगे। इस तरह का योग कई वर्षों बाद बनता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवगुरु बृहस्पति करीब 13 महीनों के बाद ही राशि परिवर्तन करते हैं। लेकिन इस वर्ष गुरु अतिचारी होकर दो बार राशि परिवर्तन करेंगे और दो बार इनकी चाल में बदलाव आएगा। गुरु के दो बार गोचर होने पर यह अतिचारी होकर सभी राशियों पर प्रभाव डालेंगे। नौ ग्रहों में शुभ फल देने वाले देवगुरु बृहस्पति साल 2025 में दो बार राशि बदलेंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु को विशेष स्थान होता है। जिन जातकों की कुंडली में गुरु अच्छी स्थिति में उन्हे शुभ फल प्राप्त होते हैं। देवगुरु बृहस्पति को सुख-समृद्धि, धन-दौलत, मान-सम्मान, शिक्षा, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है।

गुरु का गोचर 14 मई 2025 को मिथुन राशि में होगा। जो बुद्ध की राशि है। संचार की राशि है। तीसरे भाव की राशि है तो लोग नई चीज सीखेंगे। गुरुओं की कद्र होगी और लोग अपने ज्ञान को दूसरों के साथ बाटेंगे। यह समय नए विचारों और यात्राओं का होगा। आप अंदर से कुछ खुला हुआ महसूस करेंगे। मिथुन राशि में बृहस्पति का गोचर सामाजिक संपर्क और बौद्धिक गतिविधियों को बढ़ाता है लेकिन ध्यान केंद्रित रखना स्वयं पर यह भी बहुत आवश्यक है। अगर आप अपना व्यक्तिगत विकास करना चाहते हैं, शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। अपना कम्युनिकेशन अच्छा करना चाहते हैं ,अपना सोशल सर्कल बढ़ाना चाहते हैं, सामाजिक नेटवर्क उसके लिए विस्तार का समय है।

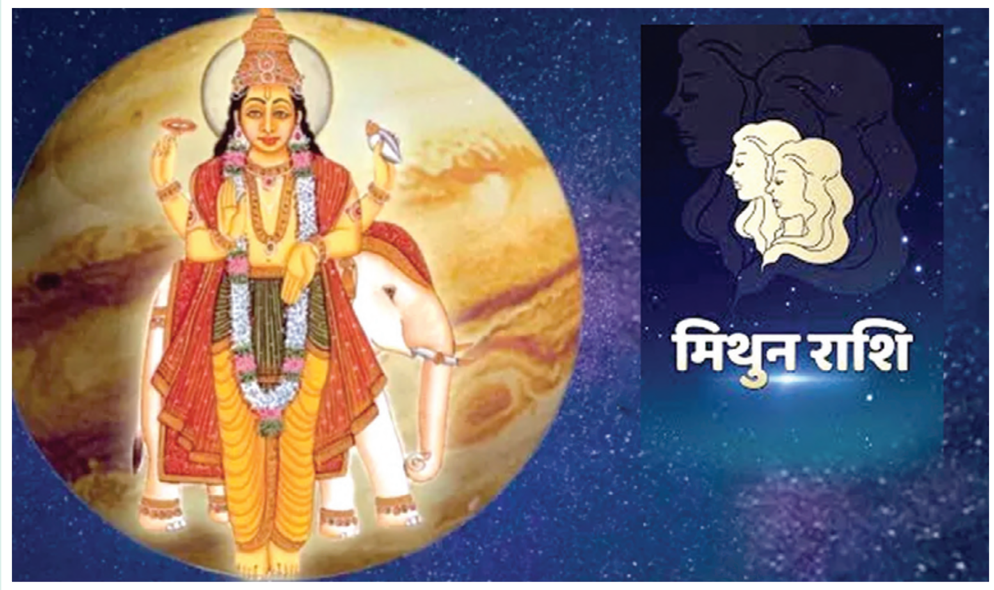

गुरु का गोचर

गुरु ग्रह शनिदेव के बाद दूसरे ऐसे ग्रह हैं जो सबसे धीमी चाल से चलते हैं। गुरु ग्रह हर एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं, फिर इसके बाद दूसरी राशि में गोचर करते हैं। देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के जबकि मकर राशि में नीच के माने जाते हैं। साल 2025 में गुरु ग्रह राशि परिवर्तन करने वाले हैं। गुरु ग्रह साल 2025 में दो बार राशि परिवर्तन करते हुए तीन गुना अतिचारी रहेंगे। गुरु ग्रह का साल 2025 में पहली बार गोचर 14 मई को मिथुन राशि में होगा। फिर इसके बाद दूसरा गोचर 19 अक्तूबर को कर्क राशि में होगा। साल 2025 में गुरु कर्क राशि में रहते हुए अपनी उच्च अवस्था में होंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। 12 नवंबर 2025 को गुरु ग्रह कर्क राशि में रहते हुए वक्री हो जाएंगे। फिर इसी अवस्था में रहते हुए 03 दिसंबर 2025 को फिर से मिथुन राशि में गोचर हो जाएंगे। इस तरह से साल 2025 में गुरु ग्रह वृषभ राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए मिथुन राशि में ,फिर मिथुन राशि से चंद्रमा की राशि कर्क में गोचर होंगे और कर्क राशि से निकलकर वक्री होकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। 09 जून 2025 को गुरु अस्त हो जाएंगे और 09 जुलाई को उदय हो जाएंगे। इस तरह से गुरु के साल 2025 में दो बार गोचर होने से अतिचारी होंगे।

प्रभाव – व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

उपाय– हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

गुरु के मिथुन राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर कैसा असर दिखेगा

मेष राशि

गुरु का राशि परिवर्तन बहुत ही फलदायी साबित होगा। आपके जो काम नहीं हो पा रहे थे उसमें अब सफलता मिलेगी। नौकरी-पेशा और व्यापारियों के लिए गुरु का राशि परिवर्तन अच्छा रहेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए गुरु का राशि परिवर्तन अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थितियां पहले के मुकाबले बेहतर रहेगी। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। जो लोग अविवाहित हैं उनका विवाह हो सकता है।

मिथुन राशि

गुरु का गोचर आपकी ही राशि में होगा। ऐसे में गुरु आपको शुभ फल देने के लिए बाध्य होंगे। आपके शत्रुओं की हार होगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि

गुरु का राशि परिवर्तन मिलाजुला साबित होगा। कमाई के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम करना होगा। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में कामकाज को लेकर कुछ दिक्कतों का सामना भी करना पड़ सकता है।

सिंह राशि

गुरु का गोचर अच्छा रहेगा। अच्छी सफलता प्राप्ति होगी और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान में इजाफा देखने को मिलेगा। मकान और वाहन का सुख आपको मिलेगा। कर्ज संबंधी परेशानियों से आपको निजात मिलेगी। लाभ के शानदार मौके आपको मिलेंगे।

कन्या राशि

गुरु का गोचर आपको कामकाज में लाभ और उन्नति के अवसरों में वृद्धि करवाएगा। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। कर्ज संबंधी समस्याओं से आपको निजात मिलेगी। जीवन में सुख और वैभव की प्राप्ति होगी।

तुला राशि

आपको अपने धन संबंधी मामलों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। लाभ के अच्छे अवसर आपके हाथ आएंगे।

वृश्चिक राशि

गुरु का राशि परिवर्तन आपके जीवन में मिलाजुला असर प्रदान करने में सहायक साबित होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। व्यापार में आपको निवेश संबंधी मामलों में फैसले लेने में आजादी मिलेगी।

धनु राशि

गुरु ग्रह आपके जीवन में शुभ फल देंगे। लाभ के अवसरों में वृद्धि करवाने में कामयाब होंगे। बिजनेस में आपको कामयाबी मिल सकती है और कोई बड़ी डील आपके हाथ में लग सकती है। आप अपने विरोधियों पर भारी होंगे। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी।

मकर राशि

सुखद पल और आनंद की प्राप्ति होगी। लेकिन आपके बेफिजूल के खर्चो में बढ़ोतरी होगी। कार्यस्थल पर आपको लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। निवेश संबंधी मौके आपके हाथ लगेंगे। जो लोग इस वर्ष विवाह करना चाह रहे हैं उनका विवाह हो सकता है। सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा।

कुंभ राशि

गुरु का गोचर लाभकारी साबित होगा। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। आपको अपनी योजना पर काम को जारी रखने का प्रयास करना होगा। भाग्य का अच्छा साथ मिलने से आपको धन संबंधी लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन राशि

गुरु का मिथुन राशि में प्रवेश कुछ मामलों में अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आपको किसी काम में जल्दबाजी नहीं दिखानी होगी। कानूनी वाद-विवाद में आपको संभलकर रहना होगा। सुख-सुविधाओं में आपको कमी का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

संकष्टी चतुर्थी की पूजा में क्या अर्पित करें, जिससे बनी रहे बप्पा की कृपा

संकष्टी चतुर्थी एक मासिक उत्सव है, जिसे हर माह में आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मनाया जाता है। एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रमा का अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में पंचांग के अनुसार, इस दिन पर चन्द्रोदय रात 10 बजकर 39 मिनट पर होगा।

पूजा में चढ़ाएं ये चीजें

एकदंत संकष्टी चतुर्थी की पूजा के दौरान आप गणेश जी को जनेऊ, चंदन, दूर्वा, अक्षत, धूप, दीप, फूल और फल अर्पित कर सकते हैं। इन सभी चीजों को अर्पित करने से गणेश जी प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी करते हैं। इसी के साथ गणेश जी को हरे रंग का वस्त्र अर्पित करना भी काफी शुभ माना जाता है, क्योंकि गणपति जी को हरा रंग बेहद प्रिय है।

भोग के रूप में अर्पित करें ये चीजें

आप एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन गणेश जी को मोकद के साथ-साथ, लड्डूओं का भी भोग लगा सकते हैं, जो गणेश जी को प्रिय माने गए हैं। इसी के साथ आप संकष्टी चतुर्थी के दिन मालपुए का भोग भी लगा सकते हैं। मान्यता है कि मालपुए का भोग लगाने से बप्पा जल्दी प्रसन्न होते हैं और साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

इस तरह अर्पित करें दूर्वा

एकदंत संकष्टी चतुर्थी की पूजा में गणेश जी को दूर्वा जरूर अर्पित करें। इसके लिए दूर्वा को सबसे पहले साफ पानी से धो लें, इसके बाद दूर्वा का जोड़ा बनाकर गणेश जी को 21 दूर्वा अर्पित करें। इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि दूर्वा किसी मंदिर, बगीचे या साफ स्थान पर उगी हुई होनी चाहिए। कभी भी गंदे स्थान या गंदे पानी में उगी हुई दुर्वा बप्पा को न चढ़ाएं। आप दूर्वा अर्पित करते समय इस दौरान इस मंत्र का भी जप कर सकते हैं।

'श्री गणेशाय नमः दूर्वांकुरण समर्पयामि'

इन लोगों से कभी न करें बहस, वरना बढ़ा लेंगे अपनी ही मुसीबत

आचार्य चाणक्य को विष्णुगुप्त और कौटिल्य के नाम से भी जाना जाता है। आचार्य चाणक्य ने नीति शास्त्र और अर्थशास्त्र समेत कई ग्रंथों की रचना की है। साथ ही इनकी गुप्त साम्राज्य की स्थापना में भी अहम भूमिका रही है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आचार्य चाणक्य के अनुसार, व्यक्ति को कभी भी इन लोगों से बहस नहीं करनी चाहिए, वरना वह अपनी ही मुसीबत बढ़ा सकता है।

इनसे बहस पर सकती है भारी

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति को कभी भी मूर्ख से बहस नहीं करनी चाहिए। इससे केवल आपका ही समय बर्बाद होगा, क्योंकि एक मूर्ख व्यक्ति केवल अपनी कही बात को ही सही मानता है और दूसरे की बात नहीं सुनता। ऐसे में सही होने पर भी इन लोगों से बहस या झगड़ा करने से बचना चाहिए, वरना आपका ही नुकसान होता है।

नहीं मिलेगा सही मार्गदर्शन

हमारी संस्कृति में गुरु को एक महत्वपूर्ण दर्जा दिया गया है। चाणक्य नीति के अनुसार, गुरु हमारा मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें हमारे अच्छे-बुरे की समझ हमसे ज्यादा होती है। ऐसे में भले ही आपको गुरु द्वारा दिया गया सुझाव या फैसला गलत लगे, तभी भी कभी गुरु से बहस नहीं करनी चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं, तो इससे आपको गुरु के मार्गदर्शन से वंचित रह जाएंगे।

बाद में होगा पछतावा

सच्चा दोस्त वही है, जो हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा रहे और आपको सच्चाई से अवगत कराए। ऐसे में आचार्य चाणक्य कहते हैं कि इस तरह के दोस्त से कभी झगड़ा या बहस नहीं करनी चाहिए, वरना आप एक सच्चे मित्र को खो देंगे। जिससे बाद में केवल पछतावा ही रह जाएगा।

प्रकृति स्वयं करती है महादेव का अभिषेक, पूरी होती है ईच्छा

हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि भी कहा जाता है, में ऐसे कई मंदिर स्थापित हैं, जिन्हें लेकर लोगों में बड़ी आस्था है। आज हम आपको हिमाचल प्रदेश में स्थित भोलेनाथ के एक ऐसे ही अद्भुत मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे लेकर कई स्थानीय मान्यता प्रचलित हैं। साथ ही मंदिर के आस-पास की प्राकृतिक सुंदरता भी आपका मन मोह लेगी।

कहां स्थित है मंदिर

जलाधारी महादेव मंदिर, देवभूमि यानी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के पालमपुर से लगभग 35 किलोमीटर की दूर क्यारवा में स्थित है। असल में जलाधारी महादेव शिवलिंग एक प्राकृतिक रूप से बनी गुफा के अंदर स्थित है। यहां शिवलिंग पर प्राकृतिक रूप से पानी टपकता रहता है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं लगता।

क्या है खासियत

सावन और महाशिवरात्रि के पर्व पर जलाधारी महादेव के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त यहां पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मंदिर की रक्षा सर्प देवता शेषनाग और इच्छा पूरी करने वाली गाय कामधेनु और दो दिव्य कौवे द्वारा की जाती है। लोगों का यह भी मानना है कि इस मंदिर में आकर सच्चे दिल से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है।क्या है मान्यताएं

इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि आज हो जलधारा आपको यहां देखने को मिलती है, पहले वह दूध की धारा हुआ करती थी। लेकिन एक बार कुछ चरवाहों ने इस दूध की धारा से दूध लेकर उसकी खीर बना ली और फिर दो-तीन दिन बिना शुद्धता के ही दूध का इस्तेमाल करने लगे। उसके बाद से ही यह धारा, जल की धारा में परिवर्तित हो गई।

ये भी है कथा

साथ ही इस गुफा को लेकर एक और कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार, एक बार एक श्यामू नाम का चरवाहा गायों को चराते-चराते इस गुफा में पहुंच गया। गुफा के अंदर जाकर श्यामू रास्ता भटक गया। जब वह कई दिनों तक वापस नहीं लौटा, तो गांववालों ने उसे मृत समझ लिया।

चार साल बाद श्यामू अपने गांव वापस लौट आया, जिसे देखकर सभी हैरान रह गए। तब उसने सभी को इस दिव्य गुफा के बारे में बताया और उसके बाद से ही लोगों में इस गुफा में स्थित शिवलिंग के प्रति आस्था बढ़ गई।

प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर चढ़ाएं यह वस्तुएं, खूब दौड़ेगा कारोबार

वैदिक पंचांग के अनुसार, हर महीने में दो बार प्रदोष व्रत किया जाता है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना संध्याकाल में करने का विधान है। प्रदोष व्रत के अवसर पर विशेष चीजों को दान भी करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत और महादेव के संग मां पार्वती की पूजा करने से साधक को जीवन में शुभ परिणाम मिलते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

ऐसा माना जाता है कि प्रदोष व्रत की पूजा के दौरान शिवलिंग का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक करने से महादेव की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर शिवलिंग का किन चीजों के द्वारा अभिषेक करना चाहिए।

प्रदोष व्रत 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 24 मई को सुबह 07 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी और 25 मई को दोपहर 03 बजकर 51 मिनट पर त्रयोदशी तिथि का समापन होगा। ऐसे में ज्येष्ठ माह का पहला प्रदोष व्रत 24 मई को किया जाएगा। इस दिन शिव जी की पूजा-अर्चना करने का शुभ मुहूर्त 07 बजकर 20 मिनट से 09 बजकर 13 मिनट तक है। इस दौरान किसी भी समय भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सकते हैं।

मिलेंगे जीवन में शुभ परिणाम

प्रदोष व्रत की पूजा के समय शिवलिंग बेलपत्र जरूर अर्पित करना चाहिए। इस दौरान महादेव से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से व्यक्ति को सभी तरह के संकटों से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में शुभ परिणाम मिलते हैं।

कारोबार में होगी वृद्धि

इसके अलावा शिवलिंग पर जल, दही और शहद समेत आदि चीजें अर्पित करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिवलिंग का इन चीजों से अभिषेक करने से साधक को करियर में सफलता मिलती है। साथ ही

माधुरी जी, हम आपके हैं यूं..!

कल की सुपर स्टार माधुरी दीक्षित अपनी अभिनय प्रतिभा, नृत्य गरिमा, मनमोहक मुस्कान के लिए जानी जाती हैं। कुल सत्तर फीचर फिल्मों में काम कर चुकी यह सितारा। उनमें से दस फिल्में बॉक्स-ऑफिस टिकट खिड़की पर खूब पैसे कमाई हैं। यही नहीं, उन्होंने तब की सुपरस्टारनी की आभा से परे अपनी मुकाम हासिल करने में कामयाब हुई। (ऑफ कोर्स,इसके लिए इन्होंने स्किन शो का सहारा भी ली)।

रोमांटिक टच के साथ अपने चरित्र को निभा करके दर्शकों को मुट्ठी में ले लेना इनकी खूबियत थी। बड़े परदे पर नायक के प्रति नायिका का प्रेम तहे दिल से आविष्कार करना तो कोई इनसे सीखें। इतनी प्रभावशाली ढंग से वह पेश आती थी परदे पर यह शक्स। माधुरी की हसी के विरुद्ध उनकी रोना फीका पड़ जाती थी। पुरुष दर्शक उनके आँखों के उजाला एवं हसीन मुसुकुराहटों में अपने आपको खो बैठते थे।

पुरुष-आधिक्यता वादि फिल्म जगत के दृष्टिकोण से बेपरवाह माधुरी दीक्षित कई नारी-प्रधान फिल्मों में काम करके अपनी रुचि का परिचय दिया। यह एक अलग बात हैं कि वह फिल्में सफल ना हो पाई।

आइए उनकी सर्वश्रेष्ट पाँच फिल्मों पर गौर करेंगे। इनमें 'तेजाब', 'किशन कन्हइयाँ', 'दिल', 'राजा' और 'हम आपके हैं कौन.. !' शामिल हैं। यह एक प्रशंसक के नजरिया हैं, इसे ऐसा ही स्वीकारें।

'तेजाब' की मोहिनी की भेष में माधुरी ''एक दो तीन चार पाँच छे..'' गीत पर जो ठुमके लगाती हैं, तो सारे प्रेक्षक वर्ग सम्मोहित हो गए।

'किशन कन्हइयाँ' में उन्होंने मजाकिया स्वभाव वाली लड़की 'अंजू ' के भूमिका को उजागर की हैं। ''कुछ हो गया, हाँ हो गया, क्या हो गया बता,,'' गीत में माधुरी के चंचलता का क्या महत्व हैं बस, सिर्फ देखें तो ही जाने जी।

लो, फिल्म 'दिल' की बात करते हैं। इस फिल्म को इन्द्र कुमार ने निर्देशन किया। यह उनका सर्व प्रथम फिल्म होने के बावजूद हीरो आमिर खान हीरोइन माधुरी से दमदार अभिनय करवाए। आनंद-मिलिंद के सुर सारे के सारे सुपर-हिट हैं। माधुरी दीक्षित अपने दोनों बेटों के संतान को भी इस फिल्म को बड़े फक्र के साथ दिखाकर अपनी नामक का परिचय करवा सकती हैं। वाकई उन्होंने इस फिल्म को बल दी। यही डायरेक्टर इन्द्र कुमार ने दो साल बाद 'बेटा', तीन साल बाद 'राजा' यह ब्लॉकबस्टर फिल्में माधुरी के थाली में परोसे । 'बेटा' तमिल फिल्म 'चिन्ना रासा' का रीमेक थी, पर 'राजा' माधुरी को एक शक्ति भरी भूमिका से नवाजी, और इन्होंने इस मौके का पूरा पूरा उपयोग कर अपना लोहा मनवाई वो भी कैसे! मेरे ख्याल में यह माधुरी दीक्षित की करिअर का अत्यंत श्रेष्ट मूवी हैं। 'फूल मांगू ना बहार मांगू..', 'अखियाँ मिलाऊँ कभी..' गाने न जाने कितने बार क्यों ना हो देखने लायक सुसज्जित फिल्म बंद हैं।

राजश्री प्रोडक्शंस (प्रा) लि कृत पारिवारिक फिल्म तथा एक रोमैन्टिक कॉमेडि 'हम आपके हैं कौन..!' हैं। यह हिन्दी फिल्मी दुनिया में आल टाइम ब्लॉकबस्टर सिद्ध हुई। इस फिल्म में 'निशा' की चरित्र को माधुरी दीक्षित बखूबी निभाईं। बाद में माधुरी बतायी कि यह चरित्र उनकी निजी जीवन के बहुत निकट हैं। 'दीदी तेरा देवर दीवाना..' नगमा आज तक कईयों को लुभाते रहती हैं। इसी फिल्म की पहला पहला प्यार है गाने में माधुरी आती सुन्दर शौकीन मिजाज नजर आईं।

माधुरी दीक्षित कल- यानी कि मई 15 को अपना 57 वां जन्मदिन मनाने वाली हैं।

(उनका आगे का जीवन सुखी रहे।)

-दिलीप
इ-मेल : dilipkethavarapugmail.com

फिल्म इश्कजादे को 13 साल पूरे, अर्जुन कपूर बोले

जमीन से जुड़ा हूं और लगातार आगे बढ़ रहा हूं

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिल्म इश्कजादे से डेब्यू किया था। वह अपनी पहली फिल्म से ही पर्दे में छा गए थे। इस फिल्म को अब 13 साल पूरे हो गए हैं। यह 11 मई 2012 को रिलीज हुई थी। 13 साल पूरे होने पर अर्जुन कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़े कई पोस्टर और कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में पहला फिल्म का पोस्टर है, जिसमें ऊपर की तरफ लिखा था, डियर 26 साल के अर्जुन, तुमने कर दिखाया। तुम उस मुकाम पर खड़े हो जो कभी नामुमकिन लगता था। एक ऐसा सपना, जो कभी सिर्फ एक एहसास भर था। दूसरी कई पुरानी तस्वीरों का कोलाज है, जिसमें वह काफी मोटे नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के नीचे लिखा है, मुझे पता है, कितनी रातें तुमने जागकर फिल्में देखते हुए बिताईं, इस यकीन के साथ कि शायद सिनेमा ही तुम्हारा रास्ता होगा, तुम्हारा मकसद बनेगा।

तीसरी तस्वीर उनके ट्रांसफॉर्मेशन की है, कि कैसे उन्होंने अपना वजन घटाया और फिट बने। तस्वीरों में उनकी दमदार बॉडी नजर आ रही है। इस फोटो पर लिखा है, तुमने सिर्फ अपने शरीर को नहीं, बल्कि अपने मन और आत्मा को भी बदलने के लिए कड़ी मेहनत की। वो घंटे, वो अनुशासन, वो बार-बार मिली ठोकरें, इनका आखिरकार फल भी मिला।

आखिरी तस्वीर फिर से फिल्म के पोस्टर्स की है और इसके नीचे लिखा है, हमेशा कुछ नया सीखने की भूख बनाए रखना और ये कभी मत भूलना। ये सफर उस बच्चे से शुरू हुआ था जिसे लोग तंग किया करते थे, लेकिन जिसने फिल्मों से इतना प्यार किया कि कभी हार नहीं मानी। प्यार और गर्व के साथ, ये अर्जुन 2.0 है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए अर्जुन ने कैप्शन में लिखा- जो लड़का फिल्मों से बेइंतिहा प्यार करता था, वह अब ऐसा इंसान बन गया है जो उन्हीं फिल्मों के लिए जीता है। कल 'इश्कजादे' को 13 साल पूरे हो गए, आभार.. जमीन से जुड़ा हुआ हूं और लगातार आगे बढ़ रहा हूं। इश्कजादे एक रोमांटिक कहानी है, जिसमें जुनूनी मोहब्बत और बगावती तेवर देखने को मिले। इस फिल्म से न सिर्फ अर्जुन कपूर ने बल्कि परिणीति ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म का निर्देशन हबीब फैजल ने किया था।

शमिता शेट्टी ने कसरत करती वीडियो की शेयर बोलीं यह कितना अच्छा लग रहा है!

शमिता शेट्टी अपनी बड़ी बहन शिल्पा की तरह ही फिटनेस को लेकर बेहद सजग रहती हैं। वो भी अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। शमिता का मानना है कि फिट रहना सिर्फ अच्छा दिखने के लिए नहीं, बल्कि अच्छा महसूस करने के लिए भी जरूरी है। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने वर्कआउट वीडियो शेयर करती हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस ने अपना एक और वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह स्ट्रेचिंग करती नजर आ रही हैं। शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर वर्कआउट का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह जिम के अंदर स्ट्रेचिंग करती दिख रही हैं। लुक की बात करें तो वो पर्पल कलर जिम वियर में हैं और बालों को खुला छोड़ा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''स्ट्रेचिंग से रीढ़ की हड्डी में आराम, वाह!... यह खिंचाव कितना अच्छा लग रहा है!''

बता दें कि स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज शरीर के लिए काफी फायदेमंद है। इससे मसल्स में खिंचाव पैदा होता है, जिससे शरीर लचीला बनता है। कमर दर्द की बड़ी वजह मांसपेशियों का टाइट हो जाती है, जिससे काम करते हुए दर्द महसूस होता है। लेकिन स्ट्रेचिंग करने से इस दर्द से छुटकारा मिलता है। रोजाना स्ट्रेचिंग करने से ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा रहता है, जिससे शरीर को पर्याप्त ब्लड फ्लो मिलता है। पर्याप्त ब्लड फ्लो मसल्स की रिकवरी को तेज करता है। इससे सूजन और दर्द की दिक्कत नहीं होती है।

शमिता हमेशा समय निकालकर जिम जाती हैं, चाहे उनका काम कितना भी व्यस्त क्यों न हो। यही कारण है कि वह आज भी बहुत फिट और एनर्जेटिक दिखाई देती हैं। अक्सर कहती हैं कि हेल्दी डाइट लेती हैं और जंक फूड से दूर रहती हैं। हाल ही में शमिता ने अपनी फिटनेस का सबूत देते हुए एक चैलेंज को पूरा किया था और उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

दरअसल, यह चैलेंज भी बॉल ड्रॉप चैलेंज के जैसा ही था। इसमें प्लेट को छोड़ना और तेजी के साथ पकड़ना होता है। इस चैलेंज को पूरा करते हुए शमिता ने कैप्शन में लिखा- ''मैंने कर दिखाया!

सुरक्षित हूं... लेकिन दुखी हूं, कृति खरबंडा ने साझा की दिल की उलझन

भारत-पाकिस्तान के मौजूदा तनावपूर्ण हालात ने एक्ट्रेस कृति खरबंडा के मन में कुछ महत्वपूर्ण सवाल खड़े कर दिए हैं, जिन्हें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लोगों के साथ शेयर किया। इस पोस्ट को उन्होंने एक टाइटल दिया, ठीक होने का बोझ...। इस टाइटल का गहरा मतलब है, जब देश की सीमा पर तनाव हो, तब सुरक्षित और ठीक होना भी कभी-कभी अपराध बोध जैसा होता है। कृति खरबंडा ने लिखा, आज मैं दो भावनाओं के बीच फंसी हुई महसूस कर रही हूं। एक तरफ, मैं आभार महसूस कर रही हूं कि मैं सुरक्षित हूं और दूसरी तरफ गिल्ट है कि मैं सुरक्षित हूं, जबकि और लोग खतरे में हैं। क्या दोनों भावनाएं एक साथ महसूस करना संभव है? क्योंकि मैं ऐसा महसूस करती हूं, गहराई से। उन्होंने कहा कि जब वह बच्ची थीं, तब उन्होंने कभी भी कोविड-19 जैसी महामारी या युद्ध जैसे हालात की कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा, अब जब मैं बड़ी हो गई हूं, तो मुझे दुनिया की हकीकत कुछ हद तक समझ आने लगी है। लेकिन मेरे अंदर की जो छोटी बच्ची है, वह अब भी इस सबको समझने की कोशिश कर रही है और शायद वह कभी समझ नहीं पाएगी।

कृति ने लिखा, मैं उन लोगों के बारे में सोचती हूं जो मौजूदा संकट से गुजर रहे हैं। क्या उन्होंने कभी इसकी कल्पना भी की थी? उन्हें आगे बढ़ने, सुरक्षा करने, लड़ने, शोक मनाने और फिर भी उम्मीद रखने की ताकत कहां से मिलती है? मुझे हमेशा से पता था कि अपने देश के लिए लड़ने का क्या मतलब है। लेकिन आज मुझे एहसास हो रहा है कि मैं शायद कभी नहीं समझ पाऊंगी कि इसके लिए क्या करना पड़ता है। अपने पोस्ट के आखिर में, कृति ने लोगों से पूछा कि क्या वह अकेली हैं जो ऐसा सोचती हैं?उन्होंने लिखा, क्या मैं अकेली हूं जो इस तरह की उलझन में हूं? डरी हुई हूं? अभिभूत हूं? या शायद ऐसे और लोग भी होंगे जो अपने परिवार के साथ चुपचाप बैठकर यही सोच रहे होंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों को संयोजन कर सकते हैं। आज आप पुरस्कृत होंगे या सराहे जाएंगे। दाम्पत्य जीवन में बहुत स्नेह बढ़ेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज़्यादा समझे–बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने ख़राब से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। अपने घर में बिखरी चीज़ों को संभालने का आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफ़े में बदल सकते हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। जीवनसाथी का साथ बढीया खाने का लुत्फ उठाएंगे ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। आप महसूस करेंगे कि आपके दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं– लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। सावधान रहें, कोई आपसे अपना काम निकालकर अपना उल्लू सीधा कर सकता है। लेखक और मीडियाकर्मी बड़ी ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। कोई रोचक पुस्तक पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का ज़रिया साबित होंगी। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई काम का बोझ आप को चिंतित कर सकता हैं आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी बातों को साझा करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा मुहब्बत और रोमांस आप–को ख़ुशमिज़ाज रखेगे। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है । अच्छा दिन है, क्योंकि आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए बेहतरीन मौक़े मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को विदेश से बुलावा आ सकता है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ासा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जास्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 02:31 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 11:47 तक
योग : परिघ प्रातः 06:32 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:37 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नारद जयंती , गण्डमूल प्रातः 11:48 से, वृषभ संक्रांति रात्रि 12:12 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कलक्टर्स बेहतर सामंजस्य के साथ एमओयू की क्रियान्विति करें सुनिश्चित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसकी प्राप्ति में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की समयबद्ध क्रियान्विति मील का पत्थर साबित हो रही है। समिट के अन्तर्गत लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए है जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते धरातल पर भी उतर चुके है। उन्होंने कहा कि इन निवेशों से औद्योगिक विकास के रथ का पहिया तेजी से घूमेगा और हमारे युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद कर उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करें।शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट में पर्यटन, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल तथा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्षेत्र में हस्ताक्षरित एमओयू की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स निवेशकों द्वारा इच्छित जमीन के आवंटन के लिए त्वरित निर्णय लें। साथ ही, निवेशकों को जमीनों के हरसंभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के दौरान किए गए सभी एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार की मशीनरी समर्पित होकर कार्य कर रही है। इन एमओयू की क्रियान्विति को अधिक गति प्रदान करने और विभागों के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से उन्होंने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि ये अधिकारी एमओयू की निरंतर समीक्षा करने के साथ ही तकनीकी पहलुओं का अध्ययन कर त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की अपेक्षा है कि सभी निवेशक तय समय सीमा में सभी प्रोजेक्ट्स को पूरा करें।नई पर्यटन नीति से राज्य में टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावाशर्मा ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान है।

राज्य सरकार ने पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में महत्वकांक्षी पर्यटन नीति लागू की है, जिससे राज्य में पर्यटन को अपेक्षित गति मिलेगी और पर्यटन स्थलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान ईको, रूरल, हैरिटेज, एडवेंचर टूरिज्म के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन में संभावनाओं के नए द्वार खोलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व के पर्यटन मानचित्र पर राजस्थान एक पसंदीदा स्थल के रूप में उभरा है। हमारी सरकार इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।चिकित्सा क्षेत्र में युवाओं के लिए सुनहरे अवसरमुख्यमंत्री ने कहा कि गांव, ढाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए भी कैरियर में सुनहरे अवसर है क्योंकि देश-दुनिया में दक्ष चिकित्सा कर्मियों की आवश्यकता निरंतर बनी रहती है। श्री शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए एमओयू के तहत खुलने वाले मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों से राज्य का चिकित्सा ढ़ांचा और मजबूत होगा।मुख्यमंत्री ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की सीमितता के कारण वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों के प्रमुख विषयों का सिंगल विंडो के माध्यम से समाधान कर रही है।

भरतपुर जिला प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)।

जल संसाधन मंत्री एवं भरतपुर जिला प्रभारी सुरेश सिंह रावत ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व सभी कुण्डों के सौन्दर्यकरण, गहराईकरण कार्य को पूरा कराने, सडकों एवं स्टेडियम में खेल सुविधाओं के विकास को गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिये।

जिला प्रभारी मंत्री ने दीनदयाल नगर कुण्डा का निरीक्षण कर विकास कार्यों की सराहना की तथा वर्षा पूर्व कुण्डों में जल आवक के सभी स्रोतों की सफाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला क्लब में खेल सुविधाओं के विकास के लिये तरणताल, बेडमिंटन व टेनिस कोर्ट, बॉस्केटबाल का निरीक्षण किया तथा बेडमिंटन खेलकर कोर्ट का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से शहर के युवाओं को खेल सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने आरएनएफसीडी के तहत गिर्राज केनाल के निर्माण कार्य का मौका निरीक्षण किया इसमें बरसात के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले पानी की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वर्षा पूर्व केनाल की गहराई एवं पक्का करने का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जाये।

जल संसाधन मंत्री ने हीरादास कुण्डा की गहराई व सौन्दर्यकरण कार्य का भी अवलोकन कर कार्य की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में जमा पानी को बरसात पूर्व लिफ्ट किया जाये जिससे आस-पास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति पैदा नहीं हो। उन्होंने लोहागढ़ स्टेडियम में कराये गये निर्माण कार्यों, कुश्ती एकेडमी, सिंथेटिक ट्रेक, पाथवे निर्माण कार्य का अवलोकन कर खिलाडियों व स्थानीय नागरिकों से फीडबैक लिया। उन्होंने कुश्ती एकेडमी में बालक वर्ग की कुश्ती खिलाडियों के अभ्यास को देखा तथा राज्य सरकार द्वारा खेलों के विकास के लिये जिले में किये गये कार्यों के बारे में खिलाडियों से चर्चा की। इस अवसर पर विधायक डीग-कुम्हेर शैलेश सिंह, कामां विधायक नौक्षम चौधरी, जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, आयुक्त बीडीए प्रतीक जुईकर, जिलाअध्यक्ष शिवानी दायमा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की संवाहक : राज्यपाल बागडे

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान पुंज हैं। यहां विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ उनके समग्र विकास पर फोकस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहक है।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि समाज में बदलाव आ रहा है जिससे महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी श्रेष्ठता साबित कर रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए केवल परीक्षा में पास होना या डिग्री लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें आजीविका के लिए हुनरमंद होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक क्षमता बढ़ने से पीढ़ियां आगे बढ़ती है। यही भाव नई शिक्षा नीति में समाहित है। नई शिक्षा नीति भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक तकनीक को समाहित किए हुए है जिसको समय की मांग के अनुरूप तैयार किया गया है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक के ज्ञान के अलावा नए-नए शोध एवं तकनीकी ज्ञान से अवगत कराए।

वकील की गिरफ्तारी के बाद हंगामा, पुलिस चलाई वाटर कैनन

अजमेर, 13 मई (एजेंसियां)।

किशनगढ़ में अधिवक्ता बालकिशन सुनारिया की गिरफ्तारी ने पूरे वकील समुदाय में रोष की लहर दौड़ा दी है। अधिवक्ता समुदाय का आरोप है कि पुलिस ने सुनियोजित और दुर्भावनापूर्ण ढंग से बालकिशन के खिलाफ कार्रवाई की है, जिससे न्यायिक व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंची है। जनरल हाउस मीटिंग के बाद बड़ी संख्या में वकीलों ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट तक मार्च किया। इस दौरान वकीलों ने बैरिकेट्स गिरा दिए और कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की।पुलिस ने वाटर कैनन और फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी की बौछार कर वकीलों को रोका। पुलिसकर्मियों को कोर्ट से बाहर निकाला गया।वकीलों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए उन्होंने अदालत परिसर में तैनात सभी पुलिसकर्मियों को बाहर निकाल दिया और चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, पुलिसकर्मियों को अंदर घुसने नहीं दिया जाएगा।

फर्जीवाड़ा मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) करनाल ने वर्ष 2022 के चर्चित शिक्षण संस्थान फर्जीवाड़ा मामले में फरार आरोपी सतीश कुमार को आज गिरफ्तार कर लिया। सतीश कुमार के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद थाना एसीबी करनाल में दर्ज मुकदमा संख्या 8/2022 के तहत उसे गिरफ्तार किया गया।

एसीबी के अनुसार, आरोपी सतीश कुमार न्यू भारत एजुकेशन सोसायटी, नरवाना में सचिव के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि उसने वर्ष 2014 में श्री बाला जी शिक्षा समिति, सुन्दरपुरा के अन्य पदाधिकारियों के साथ मिलकर ऊ्चएठ पंचकूला की निरीक्षण समिति को गुमराह करते हुए धरातल पर मौजूद न होने वाले भवन के स्थान पर न्यू भारत सीनियर सैकेंडरी स्कूल, धरौदी का भवन दिखाकर फर्जी निरीक्षण करवाया और झूठे दस्तावेजों एवं फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त किया।इस मामले में एसीबी ने 2 मई 2022 को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 177, 181, 417, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज किया था। अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, एक की मौत हो चुकी है, जबकि चार आरोपी अभी भी फरार हैं।

भाजपा की रोजगार छीनो नीति के शिकार हुए 252 पीजीटी : हुड्डा

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में झूठ बोलकर कौशल निगम कर्मियों के सवा लाख परिवारों की वोट ली थी। इसीलिए तीसरी बार सरकार बनते ही कौशल कर्मियों को नौकरी से बाहर करने का सिलसिला शुरू कर दिया। आए दिन किसी ना किसी विभाग से कर्मियों को निकाला जा रहा है। इसबार बीजेपी की रोजगार छीनो नीति के शिकार 252 पीजीटी हुए हैं। इनको सरकार ने तुरंत काम से रिलीव करने के आदेश जारी किए हैं।

हुड्डा ने कहा कि चुनाव से पहले बीजेपी ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे सभी सवा लाख कर्मचारियों को पक्का करने का ऐलान किया था। सरकार ने बार-बार हर मंच से वादा किया था कि किसी को भी नौकरी से नहीं हटाया जाएगा। इतना ही नहीं बीजेपी ने चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ भी झूठ बोला था। कौशल कर्मियों में जानबूझकर भय फैलाया गया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो कौशल निगम को खत्म करके सभी कच्चे कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देगी। चुनाव के वक्त कौशल कर्मी बीजेपी के बहकावे में आ गए और वोट देकर उसकी सरकार बनवा दी।

लेकिन चुनाव खत्म होते ही बीजेपी ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। अपने वादे से मुकरते हुए बीजेपी अब ताबड़तोड़ तरीके से कौशल कर्मियों की नौकरी खा रही है। इसीलिए तमाम कच्चे कर्मचारियों पर नौकरी जाने की तलवार हमेशा लटकी हुई है।

राज्यपाल बंडारू ने हरियाणा बोर्ड व सीबीएसई के विद्यार्थियों को दी बधाई

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा बोर्ड व सीबीएसई की परीक्षा के परिणाम घोषित होने पर सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है।

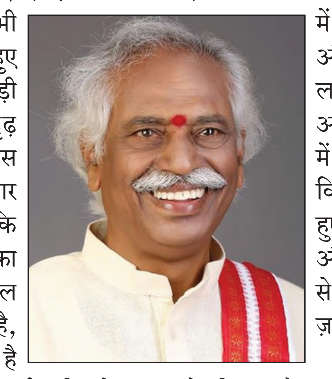

राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव को पार किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परिणामों में लड़कियों का शानदार प्रदर्शन न केवल उनकी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सही अवसर और समर्थन मिलने पर छात्राएं किसी भी क्षेत्र में अग्रणी हो सकती हैं। यह उपलब्धि नारी सशक्तीकरण और शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा व राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे केवल विद्यार्थियों का ही नहीं बल्कि उनके शिक्षकों व परिवारजनों का भी अहम योगदान है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने के लिए सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी बधाई दी। दत्तात्रेय ने सभी सफल विद्यार्थियों से भविष्य में भी इसी तरह की मेहनत और उत्साह के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने परीक्षा में सफल न होने वाले विद्यार्थियों का होसला बढ़ाते हुए कहा कि वे निराश न हो और अधिक मेहनत व लगन से पढ़े। उन्हें भी सफलता ज़रूर मिलेगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा के अगले चरण में कदम रखते हुए ईमानदारी और नवाचार के साथ कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी विद्यार्थी राज्य और राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत के शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक : सैनी

पंचकूला, 13 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देशवासियों को बधाई दी और इसे राष्ट्र की गरिमा, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में तिरंगा यात्रा - एक यात्रा देशभक्ति के नाम के आरंभ से पहले यवनिका टाउन पार्क में उपस्थिजन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की अगुवाई में सेक्टर - 5 स्थित यवनिका टाउन पार्क से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ यात्रा आरंभ हुई और मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर जाकर सम्पन्न हुई। इस यात्रा में बच्चों, महिलाओं सहित हजारों लोगों ने भागीदारी की और देश के वीर सैनिकों को नमन किया। मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रीगणों ने माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जवानों की वीरता व साहस को नमन किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे सैनिकों ने राष्ट्र को जख्म देने वालों को कड़ा सबक सिखाया है। उन्होंने भारत माता की आन-बान और सम्मान के प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगे को झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारत माता के गौरव का उत्सव है। यह राष्ट्र के आत्मसम्मान और शौर्य का उत्सव है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना, एकता और स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। यह उन रणबांकुरों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। यह हमें हर क्षण देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश पूरी दुनिया ने सुना

कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगा। यही नए भारत का आत्मविश्वास है और विकसित भारत की पहचान है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की सैन्य रणनीति, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की कुशलता और सैनिकों के शौर्य का अद्वितीय उदाहरण है। इसमें आतंकवादियों के कई अड्डों को नेस्तनाबूद किया गया। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने की कीमत बहुत बड़ी होती है। जब बात देश की सुरक्षा की आती है, तो भारत कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी। उन्होंने कहा कि गैर-सैन्य कार्रवाई में सिंधु जल संधि निलंबित की गई। कलाकार, वीजा, व्यापार सब कुछ बंद किया। पाक नागरिकों की वापसी की, अटारी बॉर्डर सील किया, आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और पाकिस्तान को पूरे संसार से अलग-थलग कर दिया। यह युद्ध नहीं था। यह नए भारत का प्रतिशोध था। हमारी सेनाओं ने सिर्फ मिसाइलें नहीं छोड़ीं, उन्होंने ऐसा संदेश दिया जो अमेरिका और चीन तक गूंज उठा। यह है नया भारत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सशक्त भारत।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन ऑपरेशन सिन्दूर शुरू किया गया उस दिन सीता नवमी थी और मंगलवार का दिन भी। नवमी के दिन नौ ठिकानों पर हमला किया। पहलगाम में बहन-बेटियों के सिंदूर उजाड़े गये थे, इसलिए इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया और सीता नवमी व मंगलवार का दिन ही था जिस दिन यह हमला किया गया। इस ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग सिंदूर को अपना सौभाग्य मानने वाली आर्मी की महिला अधिकारी सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की।नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहलगाम में महिलाओं को जिंदा छोड़कर आतंकवादियों ने कहा था कि मोदी को जाकर बता देना। अब मोदी ने उन्हें बता दिया है कि भारत की अस्मिता पर आंख उठाने वालों का क्या हाल होता है। उन्होंने पाकिस्तान में बैठे दानव मिटा दिये। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीजफायर की बात हुई, तो भारत ने फिर संयम और शांति की मिसाल पेश की।

शुभ लाभ DAILY

भागलपुर में सीएम नीतीश कुमार ने 209 करोड़ की 48 योजनाओं की दी सौगात

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भागलपुर स्थित सैण्डिस कंपाउंड में 20862.25 लाख रुपये की लागत से 48 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 4502.79 लाख रुपये की लागत से 32 योजनाओं का उद्घाटन तथा 16359.46 लाख रुपये की लागत से 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री भागलपुर जिला अंतर्गत जगदीशपुर प्रखंड के खिरीबांध पंचायत स्थित मुखैरिया ग्राम में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान अन्तर्गत आयोजित विशेष विकास शिविर में शामिल हुए।

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने सांकेतिक चेक, स्वीकृति पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वासगीत पर्चा, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का सांकेतिक चेक, सततब जीविकोपार्जन योजना का प्रशस्ति पत्र, कुशल युवा कार्यक्रम का प्रमाण पत्र, स्पॉन्सरशिप योजना का सांकेतिक चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की चाभी, मुख्यमंत्री अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना का सांकेतिक चेक आदि लाभुकों को प्रदान किया।

शिविर में बड़ी संख्या में उप-स्थित लोगों का मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर अभिनंदन किया और लोगों ने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

45.79 करोड़ की राशि से 32 विभिन्न विकास योजनाओं का मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने उद्घाटन किया।

जिनमें ग्रामीण विकास विभाग नवगछिया -12, भागलपुर- 06, कहलगांव -04, डीआरडीए 05, कृषि विभाग -03, पंचायती राज विभाग -2 शामिल हैं। वहीं मुख्यमंत्री द्वारा 163.59 करोड की लागत से जिले के 16 विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

इनमें अनुसूचित जाति व जनजाति -03, ग्रामीण विकास विभाग -09 , लघु जल संसाधन विभाग -03, एवं पथ निर्माण विभाग से 01 शामिल है।

सीएम नीतीश कुमार ने इंडोर स्टेडियम में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' के खेल परिसर का मुआयना कर खिलाड़ियों से मुलाकात की।

मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री ने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' में भाग ले रहे खिलाड़ियों से बातचीत की और उनका उत्साहवर्द्धन किया। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम परिसर का भ्रमण कर विभिन्न राज्यों से आए हुए खिलाड़ियों एवं दर्शकों का हाथ हिलाकर अभिनंदन किया। खिलाड़ियों एवं दर्शकों ने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, भूमि विवाद की आशंका

24 घंटे में तीन वारदातों से मचा हड़कंप

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में अपराधियों का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के नौला गांव की है। मृतक की पहचान गांव के ही संजय शाह के 22 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि बाइक सवार अपराधियों ने सुजीत को निशाना बनाते हुए गोली मार दी। गोली लगने के बाद स्थानीय लोग उसे इलाज के लिए बेगूसराय ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। फिलहाल वीरपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि, हत्या के पीछे भूमि विवाद की आशंका जताई जा रही है।

गौरतलब है कि बीते 24 घंटे में जिले में तीन गोलीबारी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जिले की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पहली घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदिरी गांव में हुई, जहां एक 16 वर्षीय बच्ची को गोली लग गई। दूसरी घटना सोमवार की रात लाखो थाना क्षेत्र के पंसल्ला गांव में हुई, जहां एक पुजारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। और अब तीसरी घटना भगवानपुर के नौला गांव में सामने आई है।

लगातार हो रही इन घटनाओं से जिले में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि वह सभी मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जल्द ही सभी मामलों का खुलासा किए जाने का दावा किया जा रहा है।

सीएम नीतीश कुमार के कार्यक्रम में अचानक गिर पड़े सांसद अजय मंडल, अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा

पटना (एजेंसियां)।

भागलपुर के इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को उस समय अफरातफरी मच गयी, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम में शामिल भागलपुर के जदयू सांसद अजय मंडल अचानक गिर पड़े। सांसद की हालत इतनी खराब हो गई कि फौरन उन्हें मायागंज अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। दरअसल, मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दिवसीय दौरे पर भागलपुर आए थे। वह इंडोर स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ मंच की ओर बढ़ते समय सांसद अजय मंडल अचानक लड़खड़ा कर जमीन पर गिर गए। उनका पैर प्लाई मैट में फंस गया था। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों एवं अधिकारियों ने फ़ौरन सांसद को उठाकर एक सोफे पर बैठाया। लेकिन, चोट के कारण वह दर्द से कराह रहे थे। इसके बाद फौरन एंबुलेंस में सांसद को मायागज अस्पताल भेजा गया।

डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार व जांच के बाद उनके कमर एवं पैर का एक्स-रे किया गया। चिकित्सकों के अनुसार सांसद की कमर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

उन्हें बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। एक्स-रे रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता अस्पताल पहुंचे और सांसद का कुशल क्षेम जाना। डीएम एवं एसएसपी भी अस्पताल पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली।

राजद विधायक ने किया बड़ा दावा

सीएम नीतीश को अपने मंत्रिमंडल के मंत्री का नाम तक नहीं याद

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के महुआ के राजद विधायक मुकेश रोशन ने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने ही मंत्रिमंडल के किसी मंत्री का नाम तक याद नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अचेत हैं और उनका दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा।

मुकेश रोशन ने कहा कि मुख्यमंत्री बीमार हो चुके हैं और अगर बिहार को पिछले 20 सालों में सबसे पीछे धकेलने वाला कोई है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे नेता ने बिहार में बेरोजगारी हटाने के लिए रथ यात्रा शुरू की थी।

राजद विधायक अपने पार्टी द्वारा पूरे बिहार में चल रहे परिचर्चा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र महुआ पहुंचे थे। वहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री अब तेजस्वी यादव को बनाना चाहिए। हम पॉजिटिव सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, इसलिए यह परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सभी लोगों ने ठान लिया है कि 2025 में तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री होंगे। विधायक ने मंच से अपने समर्थकों को नारा भी दिया: 'करे के बा, लड़े के बा, जीते के बा!'

उन्होंने कहा कि 2025 में महागठबंधन की सरकार बनानी है और बेरोजगार युवकों को रोज-गार दिलवाना है। बेरोजगारी और महंगाई से परेशान लोग अब तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोग अपने जेब में हाथ डालकर देखें, क्या हालत है। जीएसटी और नोटबंदी जैसे काले कानूनों के कारण व्यापारी वर्ग भी परेशान है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक लोग अपने काउंटर पर पैसे तक नहीं रख पा रहे हैं।

विधायक ने केंद्रीय सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वे डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया की बात करते हैं, लेकिन सारा सामान विदेश से मंगाते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के नाम पर जो लोग पहले रोज कमाते और खाते थे, आज उनकी हालत बहुत खराब हो गई है।

विधायक ने उन लोगों से भी सवाल किया जो कहते थे कि अच्छे दिन आने वाले हैं। उन्होंने पूछा, 'क्या उनके अच्छे दिन आए हैं?' और कहा कि अगर अच्छे दिन आए हैं तो वे बताए कि किस वजह से आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे दिन के चक्कर में जो हमारा बुरा दिन था, वह भी अब खत्म हो चुका है।

नवादा में अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत, कई लोग हुए घायल

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा में मंगलवार को तेज़ रफ्तार ने एक बार फिर कहर बरपाया। जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिकंदरा गांव के पास हुई। लोहरपुरा गांव निवासी 35 वर्षीय संजय कुमार को बालू लदे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे के वक्त वह अपनी पत्नी को ससुराल से लाने जा रहे थे।

संजय दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते थे और एक मई को ही नवादा लौटे थे। लेकिन पत्नी को लाने से पहले ही वह हादसे का शिकार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

दूसरी घटना रोह थाना क्षेत्र के कोसी गांव के पास हुई। हर्षीतपुर गांव निवासी 25 वर्षीय रतन कुमार बाजार से लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रतन को पहले पीएचसी ले जाया गया, फिर नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रतन अपने परिवार के इकलौते बेटे थे। बेटे की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

इसी दिन मुफस्सिल थाना क्षेत्र में दो और सड़क हादसे हुए। एक मामले में बस ने सीएनजी ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोग घायल हो गए। दूसरी घटना अकौना के पास हुई, जहां अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इसमें भी पांच लोग घायल हो गए। वहीं, हिसुआ और काशीचक थाना क्षेत्रों में दो अन्य लोग सड़क हादसे में घायल हुए हैं। सभी घायलों को स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। संबंधित थाना क्षेत्रों को सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जब देशप्रेम बना घर की पहचान

इम्तियाज ने अपने घर को दिया देशभक्ति से जुड़ा नाम, अब बन गए मिसाल

छपरा (एजेंसियां)।

जब कोई अपने घर का नाम 'सीमा प्रहरी निवास' रखता है, तो लगता है जैसे वह देश की सेवा या फौजी जीवन से जुड़ा हो। ऐसा ही एक घर है मोहम्मद इम्तियाज का, जो बिहार के सारण जिले के गड़खा प्रखंड के बसंत जलाल पंचायत के नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। वे पंजाब के पठानकोट के आरएस पूरा में पाकिस्तान की तरफ से हुए ड्रोन हमले में शहीद हो गए।

शहीद इम्तियाज ने कभी नहीं सोचा था कि उनके घर का नाम 'सीमा प्रहरी निवास' एक दिन इतना चर्चा में आ जाएगा। उनके बड़े बेटे मोहम्मद इमरान ने भावुक होकर बताया कि उनके अब्बा ने यह नाम देशभक्ति और देश के प्रति समर्पण की भावना से रखा था। उनका मानना था कि देश की सरहद पर तैनात जवान ही असली प्रहरी होते हैं, जो हम सबकी सुरक्षा करते हैं। इमरान ने कहा, ङ्कअगर हम लोग चैन से जी रहे हैं, तो उसका कारण ये जवान हैं जो सीमा पर तैनात हैं। हमारा घर उसी भावना को दर्शाता है।ङ्क

यह नाम सिर्फ एक घर का नाम नहीं है, बल्कि यह आपसी भाईचारे, देशभक्ति और भारतीय एकता की एक ज़िंदा मिसाल बन गया है। शहीद मोहम्मद इम्तियाज़ जैसे लोग ये साबित कर चुके हैं कि देशभक्ति न तो किसी धर्म को देखती है और न ही किसी जाति को।

गांव के लोग ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी 'सीमा प्रहरी निवास' की खूब तारीफ हो रही है। पहले बहुत कम लोगों को पता था कि इस गांव में बीएसएफ का कोई जवान रहता है। लेकिन अब जब शहीद मोहम्मद इम्तियाज़ की शहादत की खबर आई, तो उनके पैतृक घर की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। इस घर के मुख्य दरवाजे पर बड़े सुनहरे अक्षरों में लिखा है 'सीमा प्रहरी निवास'। यह नाम अब लोगों के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक बन गया है।

शहीद के बड़े बेटे मोहम्मद इमरान का कहना है कि देशभक्ति सिर्फ वर्दी पहनने वालों तक ही नहीं होती, बल्कि आम इंसान भी अपने काम और सोच से देशभक्ति दिखा सकता है। यही बात उनके अब्बा हुज़ूर (शहीद इम्तियाज़) ने साबित की। उन्होंने अपने घर का नाम 'सीमा प्रहरी निवास' रखा था, जिसे सुनकर ही दिल गर्व से भर जाता है।

उनके अब्बा का मानना था कि देश की सीमा पर तैनात जवान ही असली रक्षक होते हैं।

उन्हीं की वजह से हम सभी लोग चैन की नींद सोते हैं और देश में शांति बनी रहती है। इसलिए उन्होंने अपने घर का नाम ऐसे रखा जो उनके देश के प्रति प्रेम और सम्मान को दिखाता है। यह नाम सिर्फ एक घर का नहीं, बल्कि देश के लिए समर्पण और श्रद्धा का प्रतीक बन गया है।

गंगा स्नान के दौरान एक ही परिवार के पांच लोग डूबे, दो को बचाया गया, तीन की मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरदह गंगा घाट पर मंगलवार को स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। गंगा में नहाने गए एक ही परिवार के पांच लोग गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। गंगा में जा रही एक नाव से दो लोगों को बचा लिया गया, लेकिन तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीताकुंड कल्याणचक गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण बरदह घाट पर पहुंचे और स्थानीय स्तर पर खोजबीन शुरू की। बाद में घटना की सूचना सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) शैलेन्द्र कुमार सिंह को दी गई, जिनके निर्देश पर गोताख-ोरों की टीम और एसडीआरएफ को मौके पर भेजा गया।

कई घंटों की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव गंगा से निकाले गए और मुंगेर सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय काव्या उर्फ शालो कुमारी, 16 वर्षीय हर्ष कुमार और 15 वर्षीय अमन कुमार राज के रूप में हुई है। तीनों संजय यादव के पुत्र और पुत्री थे।

परिजनों ने बताया कि घर में कुलदेवता की स्थापना की तैयारी के तहत महिला और बच्चे गंगा स्नान के लिए बरदह घाट गए थे। स्नान के दौरान सभी गहरे पानी में चले गए। नाव पर सवार लोगों की मदद से दो को बचा लिया गया, लेकिन तीनों बच्चे डूब गए। परिजनों ने बताया कि मृतक बच्चे पढ़ाई में अच्छे थे और किसी को तैरना नहीं आता था। इस हादसे से पूरे गांव में मातम पसरा है और परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com